



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1975 (वैशाख 6, 1897)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1975 (VAISAKHA 6, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महा-लेखापरिषद्, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

पूति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-1)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० प्र-6/247(279)/60-II—इस कार्यालय के कार्यालय अधिसूचना सं० प्र-6/247(279)/60-II दिनांक 19-12-72 के दूसरे पैरा में “8-8-74 पूर्वाह्न” के स्थान पर “8-8-74 अपराह्न” पढ़ें।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० प्र-1/1(83)—भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-I में स्थायी निदेशक और पूति तथा निपटान महानिदेशालय में स्थानापन्न उप महानिदेशक श्री बी सी० शर्मा दिनांक 28-2-75 के अपराह्न से निवृत्ति आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली,

उप निदेशक (प्रशासन)

हते महानिदेशक, पूति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० प्र-6/247(242)/59—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड II की इजीनियरी शाखा के अधिकारी श्री के० दास को दिनांक 1-10-1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री दास ने उप निदेशक निरीक्षण (इजी) का पदभार छोड़ दिया तथा निरीक्षण दिनांक 1-10-74 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में निदेशक का पदभार सम्भाल लिया।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 15 फरवरी 1975

सं० 2222(पी० बी० एस० आर०)/19ए०—श्री पी० बी० सेण राव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारम्भिक वेतन पर

650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-  
द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में,  
अन्य आदेश होने तक, 21-12-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त  
किया जाता है।

दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के  
सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री डी० देवनारायण को उसी  
विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार  
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०  
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में,  
अन्य आदेश होने तक 14-11-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त  
किया जाता है।

दिनांक 3 मार्च 1975

सं० 2222 (डी० एस०)/19ए०—श्री दिनकर श्रीवास्तव  
को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में  
650 रु० माहवार के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-  
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु०  
के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक,  
24-12-1974 के अपराह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 मार्च 1975

सं० 51/62/19ए०—खनिज समन्वेषण निगम लि०  
(मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर  
श्री आई० बी० चक्रवर्ती ने प्रशासनिक अधिकारी के पद का  
कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 29-1-  
1975 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया है।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० 2222 (के० बी० बी० एस० एम०)/19ए०—श्री  
के० बी० बी० सत्यनारायण मूर्ती को सहायक भूवैज्ञानिक के  
रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के  
प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-  
880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में,  
अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 27-12-1974 के  
पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1975

सं० 2251 (ए० बी० बी०)/19बी०—खनिज समन्वेषण  
निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से  
परावर्तन पर श्री ए० बी० भौमिक ने ड्रिलर के पद का कार्य-  
भार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 1 जनवरी,  
1975 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० 2251 (एम० डी०)/19 बी०—खनिज समन्वेषण  
निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन  
पर श्री एम० दत्ता ने उप ड्रिलिंग इंजीनियर के पद का कार्य-  
भार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 20  
जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सी० करणाकरन  
महा निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

निदेशक का कार्यालय

पावड़ा, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० बी० एस० आई०-69/2/74-इस्टे०—विभागीय  
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय  
वनस्पति सर्वेक्षण विभाग श्री ए० कुमार, स्थायी कार्यालय  
अधीक्षक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग (अभी तदर्थ  
आधार पर भारतीय वनस्पति उद्यान के अवर प्रशासकीय  
अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य रत) की नियुक्ति  
स्थानापन्न रूप में अवर प्रशासकीय अधिकारी, भारतीय वनस्पति  
उद्यान के पद पर संशोधित वेतनमान रु० 650-30-740-35-  
810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200  
नियमित आधार पर दिनांक 30 नवम्बर, 1974 के अपराह्न  
से पुनः आदेश होने तक, करते हैं।

डी० जी० मुखर्जी  
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 मार्च 1975

सं० स्था-1-4940/913-हि०—इस कार्यालय की अधि-  
सूचना सं० स्था-1-4903/913-हि० दिनांक 16-9-74 के  
अनुक्रम में महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री रमेश कुमार चमोली,  
हिन्दी अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30 जून, 1975  
या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो  
भी पहले हो तक बढ़ा दी जाती है।

सं० ई० 1-4941/पी० एफ० (वसन्त बागु)—श्री बसन्त  
बागु, अधिकारी सर्वेक्षक सं० 15 पार्टी (सं० प्र० एवं०  
मा० उ० कें०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद द्वारा अपनी  
नियुक्ति का दिया गया त्याग पत्र दिनांक 4 अगस्त, 1966  
(पूर्वाह्न) से स्वीकार कर लिया गया है।

हरी नारायण  
महासर्वेक्षक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-13, दिनांक 4 फरवरी 1975

सं० 4-94/74-स्था०—भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण  
के निदेशक, श्री इन्द्रजीत सिंह जसवान को 20 जनवरी, 1975  
के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर अगले आदेशों तक इस सर्वेक्षण  
में सहायक मानवविज्ञान शास्त्री (भौतिक) के पद पर सहर्ष  
नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थामस  
प्रवर प्रशासनिक अधिकारी

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक

सं० 2/4/74-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीखों से उनके नामों के सामने उल्लिखित केन्द्रों/कार्यालयों में अग्रेतर आदेशों तक सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने को नियुक्त करते हैं :

क्रम सं०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की तारीख
(1)	श्री नसीम अहमद	अनुसंधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली	3-2-75
(2)	श्री एम० सी० वेंकटरंगन	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर, :	5-2-75
(3)	श्री कृष्ण चन्द्र	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, अलीगढ़।	27-1-75
(4)	श्री यू० एन० आनन्द।	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर	13-2-75 (पूर्वाह्न)
(5)	श्री सतीश चन्द्र शर्मा।	रडियो कश्मीर, जम्मू	31-1-75
(6)	श्री कृष्ण कुमार	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खामपुर।	28-1-75
(6)	श्री बी० एन० सक्सेना।	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, अमृतसर।	24-1-75
(8)	श्री सुरेश चन्द्र शर्मा।	आकाशवाणी, जोधपुर	4-2-75
(9)	श्री बी० एस० भटनागर।	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, राजकोट	30-1-75
(10)	श्री एस० के० खुराना।	दूरदर्शन केन्द्र, (अमृतसर), नई दिल्ली।	14-2-75

आर० के० खट्टर,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० 19-28/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने महालेखाकार, डाक-तार, दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री डी० अनन्तपद्मनाभन को 27 जनवरी, 1975 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री डी० अनन्तपद्मनाभन की नियुक्ति के फलस्वरूप श्री जी० मोहनबेलु ने 27 जनवरी, 1975 पूर्वाह्न से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 1 मार्च 1975

सं० 19-11/72-एडमिन-1—श्री नयायी राम ने अपने त्याग-पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 16 नवम्बर, 1974 को अपराह्न में जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में भौतिक विज्ञानी (फिजिसिस्ट) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 6 मार्च 1975

सं० 1-13/74-एडमिन-1—अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के प्रशासन अधिकारी श्री एन० आर० सेन गुप्ता, अधिवाषिकी वय की प्राप्ति पर 31 जनवरी, 1975 के अपराह्न में सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 7 मार्च 1975

सं० 12-1/75-प्रशासन-1—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 4 के स्थायी अधिकारी श्री हरदयाल गुप्त को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 13-1-75 पूर्वाह्न से 1-3-75 अपराह्न तक अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मार्च 1975

सं० 28-8/73-प्रशासन-1—राष्ट्रपति श्री के० जी० समनौतरा को राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली, में सहायक निदेशक (कीटविज्ञान) के स्थायी पद पर 31-5-71 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 मार्च 1975

सं० 19-23/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के रसायनज्ञ (नान-मैडिकल सहायक) श्री टी० के० भट्टाचार्य को 20 जनवरी, 1975 अपराह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में औषधगुण विज्ञान के व्याख्याता के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

श्री टी० के० भट्टाचार्य ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में औषधगुण विज्ञान के व्याख्याता के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप 20 जनवरी, 1975 को अपराह्न में उसी संस्थान में रसायनज्ञ (नान-मैडिकल सहायक) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 19-25/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी के रसायनज्ञ (नान-मैडिकल सहायक) डा० आर० सुन्दरसेन को 20 जनवरी, 1975 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में जीवरसायन विज्ञान के व्याख्याता के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

डा० आर० सुन्दरेसन ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचरी में जीव रसायन विज्ञान में व्याख्याता के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप 20 जनवरी, 1975 को पूर्वाह्न में उसी संस्थान में रसायनज्ञ (नान-मेडिकल सहायक) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल

उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1975

सं० 17-25/74-एस०-1—सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई के सहायक भण्डार प्रबन्धक श्री बी० बी० घोल्कर ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 जनवरी, 1975 अपराह्न को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

पी० सी० कपूर,

कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कामिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 22 फरवरी 1975

सं० पी० ए० (81)(103)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक अस्थाई ड्राफ्टमैन (सी) अशर अरुण नौगावकर को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(103)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई फोरमन श्री बलराज सिंह चौहान को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन

उप स्थापना अधिकारी (आर०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम-603102 दिनांक 21 फरवरी 1975

सं० एम० ए० पी० पी०/14(5)/75-भर्ती/पी०-2117/224—सर्वश्री ए० अरुण कादर, के० श्रीनिवास गोपालन तथा के० विजयेन्द्र राव ; जो कि स्थानापन्न पर्यवेक्षक हैं, को 1 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त किया गया है। उपर्युक्त अधिकारियों का मुख्यालय कलपक्कम में होगा।

के० बालकृष्णन,

प्रशासन-अधिकारी

कृते निदेशक विद्युत परियोजना

इंजीनियरी प्रभाग,

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० ए०-32013/5/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि 31 अप्रैल, 1975 तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, बढ़ा दी है :—

1. श्री एस० के० स्वामी आयर
2. श्री एल० पी० सिंह
3. श्री एन० वेकटपति
4. श्री मृणाल कान्ति पाल
5. श्री बी० एन० गोडवोले
6. श्री जे० बी० शर्मा
7. श्री ए० जी० नरसिंहम
8. श्री एस० वेंकटेश्वरन
9. श्री के० श्रीनिवासन
10. श्री वी० श्रीनिवासन
11. श्री एम० एन० अदूर
12. श्री पी० जे० अथ्यर

2. राष्ट्रपति ने श्री डी० एन० शर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि भी 31 दिसम्बर, 1974 तक बढ़ा दी है।

सं० ए०-38012/3/75-ई० एस०—नियंत्रण वैमानिक निरीक्षण, नई दिल्ली कार्यालय के श्री अमर सिंह, स्थानापन्न वरिष्ठ विमान निरीक्षक ने निवृत्तन आग्रह प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 जनवरी 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 3 मार्च, 1975

सं० ए०-32013/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ पदोन्नतियों की अवधि 30 अप्रैल, 1975 तक या उनके द्वारा धारित पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हों, बढ़ा दी है :—

1. श्री पी० एल० मौद्गिल
2. श्री ए० नरेन्द्र नाथ
3. श्री एस० एस० कृष्णन
4. श्री सी० आर० नरसिंहम
5. श्री ओ० सी० अलैकजेंडर
6. श्री सी० वी० वेंकटेशन
7. श्री एस० वी० अथ्यर
8. श्री आर० सी० राय चौधरी
9. श्री एस० रामाचन्द्रन
10. श्री एस० के० चन्द्रा



11. श्री जी० वी० कोशी
12. श्री पी० आर० सूर्यनंदन
13. श्री एन० के० नानू

हरबंस लाल कोहली,  
उप निदेशक

नई दिल्ली दिनांक, 28 फरवरी 1975

सं० ए० 19014/55/72-ई० एच०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बलवंत सिंह सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं और उन्होंने 31 जनवरी, 1975 (अपराह्न) से नागर विमानन विभाग के सहायक निदेशक, नक्शा और चार्ट के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,  
सहायक निदेशक, प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 मार्च 1975

सं० ई० (1) 06111—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के व्यवसायिक, सहायक, श्री आर० एन० गुप्ता, को 10 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० गुप्ता स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली के अधीन मौसम केन्द्र जयपुर में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 03884—निदेशक कृषि मौसम विज्ञान, पूर्वा के कार्यालय के श्री ए० एच० पेन्डसे स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ 31-12-1974 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 11 मार्च 1975

सं० ई० (1) 04395—वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० सी० सेन, 31-12-1974 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

नूतन दास,  
मौसम विज्ञान  
कृषि वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना

पटना दिनांक 1975

सी सं० 11(7) 1 स्था०/70—इस कार्यालय के स्थापन आदेश सं० 20/75 दिनांक 10-1-75 जिसके अनुसार श्री पी०एन० सिन्हा, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क रु० 650-

30-740-35-810- द० रो० 35-880-40- द० रो०-1000-40-1200 एवं नियमान्तर्गत प्राप्त भत्तों सहित के वेतन मान में अंतिमरूप से लेखापरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क, श्रेणी-II के रूप में नियुक्त हुए थे, के अनुसरण में श्री पी०एन० सिन्हा ने लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, पटना का कार्यभार दिनांक 13-1-75 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

दिनांक 4 मार्च 1975

सं० 11(7)-1 स्था०/70—2018—श्री दयाल प्रसाद स्थायी अधीक्षक द्वितीय श्रेणी केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना दिनांक 31-1-75 के अपराह्न से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हुए।

हरि नारायण साहू  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहर्ता कार्यालय

पश्चिम बंगाल : कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 16 मई 1974

सं० 26—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 में अधीक्षक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री छितेश्वर राय, अपराह्न दिनांक 16-4-74 को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत सिलीगुरी निर्धारण-कम-निरीक्षण इकाई का भार ग्रहण कर श्री कामिनी मोहन दत्ता, अधीक्षक को स्थानान्तरित किया।

सं० 27—प्रशासकीय अफसर के रूप में पदोन्नति होने पर श्री विरेश चन्द्र भट्टाचारजी ने, दिनांक 27-3-74 मध्यान को सिलीगुरी सीमा शुल्क डिवीजन में प्रशासकीय अफसर के रूप में भार ग्रहण कर श्री एन० जी० दास, अतिरिक्त भार अधीक्षक को भार मुक्त किया।

सं० 28—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 में अधीक्षक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री रवीन्द्र शंकरदास गुप्त दिनांक 17-4-74 को मध्यान जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत जमालदह रेंज का भार ग्रहण कर श्री ए० के० सिक्धर, अधीक्षक, को कलेक्टरी हेडक्वाटर कार्यालय में स्थानान्तरित किए।

सं० 29—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, के रूप में पदोन्नति होने पर श्री सुबोध रंजन बनर्जी दिनांक 22-4-74 मध्यान को जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत धूपगुरी रेंज का भार ग्रहण कर श्री बी० एम० घोष को कलेक्टरी हेडक्वाटर कार्यालय में स्थानान्तरित किए।

सं० 30—कलेक्टरी हेडक्वाटर कार्यालय, पश्चिमबंग, से स्थानान्तरित होने पर श्री अश्रु रंजन बोस, अधीक्षक दर्जा 2, दिनांक 6-4-74 अपराह्न को कलकत्ता सीमा शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत सी० ए० यू० का भार ग्रहण कर श्री एस० सी० चौधरी, अधीक्षक को, पेट्रापोल सीमा शुल्क क्षेत्र में स्थानान्तरित किया।

सं० 31—हेडक्वाटर कार्यालय, पश्चिमबंग से बदली होने पर श्री असीम चौधरी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, ने दिनांक 1-4-74 मध्यान को कलकत्ता सीमा शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत मैरीन इकाई का भार ग्रहण किया।

सं० 32—कृष्णनगर सीमाशुल्क डिवीजन से बदली होने पर श्री जगत बन्धु मजुमदार, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दर्जा 2, दिनांक 23-4-74 मध्याह्न को कलकत्ता सीमा शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत बासिहट सीमा शुल्क पी० पी० का भार ग्रहण किया।

सं० 33—जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अंचल (डिवीजन) से बदली होने पर श्री अमल कुमार सिकधर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, दर्जा 2, दिनांक 29-4-74 मध्याह्न को निस्तारण इकाई, (डिसपोजल यूनिट) कलेक्टरी हेडक्वाटर कार्यालय का भार ग्रहण कर श्री ए० सी० बनर्जी की बदली की।

सं० 34—अधीक्षक (तकनीकी) कूचबिहार विभाग के भार से मुक्त होकर बदली होने पर श्री छितीश चन्द्र मजुमदार, अधीक्षक, दिनांक 24-4-74 अपराह्न को कूचबिहार विभाग के निवारक एवं गुप्तचर का भार ग्रहण कर श्री एन० एम० बनर्जी, अधीक्षक, को स्थानान्तरित किया।

सं० 35—कूचबिहार विभाग के निवारक एवं गुप्तचर भार से बदली होने पर श्री एन० एम० बनर्जी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2, दिनांक 24-4-74 अपराह्न को कूचबिहार विभाग के अधीक्षक (तकनीकी) का भार ग्रहण कर श्री के० सी० मजुमदार को स्थानान्तरित किया।

सं० 36—सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग से स्थानान्तरित होने पर श्री कामिनी मोहन दत्ता, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, दर्जा 2 दिनांक 24-4-74 अपराह्न को कूचबिहार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अन्तर्गत दिनहाटा (आर०) रेंज का भार ग्रहण कर श्री आशुतोष गुप्त को कलकत्ता एवं ओरीसा कलेक्टरी में स्थानान्तरित किया।

सं० 37—पेट्रोल सीमाशुल्क क्षेत्र से बदली होने पर श्री डी० सी० कांजीलाल, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, दिनांक 1-5-74 मध्याह्न को कलकत्ता चतुर्थ श्रेणी के निरीक्षण दल का भार ग्रहण कर श्री एस० आर० चटर्जी को हेडक्वाटर लेखा परिक्षा शाखा में स्थानान्तरित किया।

सं० 38—सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल (डिवीजन) से बदली होने पर श्री संजीव चन्द्र बनर्जी, प्रशासनिक अफसर, मध्याह्न दिनांक 15-4-74 को कृष्णनगर सीमाशुल्क अंचल के प्रशासनिक अफसर का भार ग्रहण कर श्री जगत बन्धु मजुमदार, अधीक्षक, को कलकत्ता सीमाशुल्क अंचल (डिवीजन) के अन्तर्गत बारिसात सीमाशुल्क पी० पी० के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 39—जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल से बदली होने पर श्री भुपेन्द्र मोहन घोष, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन

शुल्क दर्जा 2 मध्याह्न दिनांक 2-5-74 को पश्चिम बंग कलेक्टरी हेडक्वाटर के निवारण एवं अधीक्षक का भार ग्रहण किया।

सं० 40—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 के अधीक्षक के कोटि में तरक्की होने पर श्री रंजीत कुमार घोष, अपराह्न दिनांक 8-5-74 को कूचबिहार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अधीक्षक (तकनीकी) का कार्य भार ग्रहण कर श्री नृपेन्द्र मोहन बनर्जी, अधीक्षक, को स्थानान्तरित किया।

सं० 41—जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन से बदली होने पर श्री प्रतुल चन्द्र राय, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 21-5-74 को बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधीक्षक (तकनीकी) का कार्यभार ग्रहण कर श्री बी० एन० सामन्त, अधीक्षक, को स्थानान्तरित किया।

सं० 42—सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग से बदली होने पर श्री अजीत कुमार चक्रवर्ती, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 30-5-74 को सीमा शुल्क अधीक्षक (टेस्टिस्क) का भार ग्रहण किया।

सं० 43—कलकत्ता चतुर्थ डिवीजन से बदली होने पर श्री शान्ति रंजन चटर्जी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 के अधीक्षक, अपराह्न दिनांक 4-5-74 को पश्चिम बंग केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रधानकार्यालय अधीक्षक (लेखा-परीक्षण) का कार्य भार ग्रहण किया।

सं० 44—कूचबिहार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन (विभाग) से बदली होने पर श्री नृपेन्द्र मोहन बनर्जी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 के अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 17-5-74 को सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधीक्षक (तकनीकी) का भार ग्रहण कर श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती, अधीक्षक, को स्थानान्तरित किया।

सं० 45—पश्चिमी बंग कलेक्टर प्रधान कार्यालय के अधीक्षक (मूल्यांकन) भार से बदली होने पर श्री अमृत्य चन्द्र बनर्जी, अपराह्न दिनांक 27-5-74 को पश्चिम बंग प्रधान-कार्यालय के अधीक्षक, (निस्तारण) का भार ग्रहण कर, अधीक्षक श्री अमल कुमार सिकधर को स्थानान्तरित किया।

सं० 46—सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के तकनीकी अधीक्षक भार से बदली होने पर श्री अरुण कुमारी चक्रवर्ती, अधीक्षक दर्जा 2 मध्याह्न पूर्व दिनांक 20-5-74 को सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अन्तर्गत निरोध तोली (पी० गुप) का भार ग्रहण कर श्री अजीत कुमार चक्रवर्ती, अधीक्षक, को पश्चिम बंग कलेक्टर प्रधान कार्यालय के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 47—निस्तारण अधीक्षक के भार के बदली होने पर श्री अमल कुमार सिकधर, अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 28-5-74 को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, पश्चिमबंग, कलकत्ता के मूल्यांकन अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण कर श्री ए० सी० बनर्जी को स्थानान्तरित किया।

दिनांक 7 जुलाई 1974

सं० 48—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 के कोटि (ग्रेड) में तरक्की होने पर श्री भोलानाथ भट्टाचार्य मध्याह्न पूर्व दिनांक 5-6-74 को सिलीगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिबीजन के अन्तर्गत माल निरीक्षण टोली (ग्रुप) का भार ग्रहण कर श्री विश्वेन्द्र मोहन चक्रवर्ती, अधीक्षक अतिरिक्त कार्यभार (चार्ज), को मुक्त किया।

सं० 49—बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधीक्षक (तकनीकी) भार से बदली होने पर श्री विष्णु नारायण सामन्त, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधीक्षक दर्जा 2, दिनांक 29-5-74 मध्याह्नपूर्व को दुर्गापुर अंचल का कार्यभार ग्रहण कर श्री के० के० भादुरी, अधीक्षक अतिरिक्त कार्य भार, को मुक्त किया।

सं० 50—पश्चिमबंग, कलकत्ता स्टैटिस्टिक्स (सांख्यिकी) शाखा प्रधानकार्यालय से बदली होने पर श्री शुक्लमय गुहा, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2, दिनांक 19-6-74 मध्याह्न पूर्व को चन्दननगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग ग्रुप (टोली) के निरीक्षण का कार्य भार ग्रहण कर श्री एम० एन० चटर्जी, अतिरिक्त कार्य अधीक्षक को मुक्त किया।

सं० 51—जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अन्तर्गत चंग्राबन्ध रेंज से बदली होने पर श्री मनमोहन राय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2 दिनांक 10-6-74 अपराह्न को रानाघाट सीमा शुल्क अंचल का कार्य भार ग्रहण कर श्री एस० के० दास शर्मा अधीक्षक दर्जा 1, को समाहर्ता प्रधान कार्यालय के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 52—रानाघाट सीमाशुल्क अंचल से बदली होने पर श्री एस० के० दास शर्मा, अधीक्षक दर्जा 1 अपराह्न दिनांक 12-6-74 को पश्चिमबंग प्रधान-कार्यालय के अधीक्षक (सांख्यिकी) का भार ग्रहण कर श्री एस० एम० गुहा को चन्दननगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 53—प्रधान कार्यालय, सांख्यिकी शाखा से बदली होने पर श्री एस० के० दास शर्मा, अधीक्षक दर्जा 1, मध्याह्न पूर्व दिनांक 21-6-74 को कलकत्ता सीमाशुल्क विभाग के अन्तर्गत तकनीकी एवं निष्पादक (टेक एण्ड एडजुडिकेशन) अधीक्षक का भार ग्रहण किया।

सं० 54—चन्दननगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग से बदली होने पर श्री सुनील चन्द्र सेन, प्रशासनिक अफसर, मध्याह्नपूर्व दिनांक 17-6-75 को पश्चिम बंग प्रधान कार्यालय प्रशासनिक अफसर का भार ग्रहण कर श्री सुबोध दास गुप्त, प्रशासनिक अफसर, को कलकत्ता सीमा शुल्क विभाग के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 55—समाहर्ता प्रधानकार्यालय से बदली होने पर श्री सुबोध कु० दास गुप्ता, प्रशासनिक अफसर, अपराह्न दिनांक 17-6-74 को कलकत्ता सीमा शुल्क विभाग का कार्यभार ग्रहण कर श्री एन० एन० बोस, प्रशासनिक अफसर, को चन्दननगर क्षेत्र के लिए स्थानान्तरित किया।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० 56—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, दर्जा 2 के अधीक्षक के कोटि में पदोन्नति होने पर श्री शैलेन्द्र कुमार दास मध्याह्न पूर्व दिनांक 11-7-74 को कूचबिहार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के अन्तर्गत गोस्सानीमरी रेंज का भार ग्रहण कर श्री फनि भूषण दास, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2, को कलकत्ता एवं उड़ीसा के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 57—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक कोटि, दर्जा 2 में पदोन्नति होने पर शान्तिरजन सेन गुप्ता मध्याह्न पूर्व दिनांक 8-7-74 को जलपाइगुरी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क क्षेत्र के अन्तर्गत चंग्राबन्ध रेंज का भार ग्रहण कर श्री आर० एस० दास गुप्ता अधीक्षक दर्जा 2, को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 58—द्वितीय दर्जा के अधीक्षक की श्रेणी में उन्नति होने पर श्री समसन अलबर्ट खलिंग अपराह्न दिनांक 28-6-74 को सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के अन्तर्गत कुर्स्यांग का कार्यभार ग्रहण कर श्री गोबिन्द लाल चटर्जी, अधीक्षक दर्जा 2 को स्थानान्तरित किया।

सं० 59—कूचबिहार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के अन्तर्गत कूचबिहार रेंज से बदली होने पर श्री निखिल रजन मिश्रा, अधीक्षक दर्जा 2, अपराह्न दिनांक 5-7-74 को उपरोक्त अंचल के अन्तर्गत अलीपुर द्वार 1 रेंज का कार्यभार ग्रहण कर श्री उषा रजन सरकार, अधीक्षक दर्जा 2, को प्रधान कार्यालय पश्चिम बंग के लिए स्थानान्तरित किया।

सं० 60—कूचबिहार सी० ई० क्षेत्र के अन्तर्गत अलीपुर द्वार 1 रेंज से बदली होने पर श्री उषा रजन सरकार, अधीक्षक दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 15-7-74 को प्रधान कार्यालय, पश्चिम बंग कलकत्ता का कार्य भार ग्रहण किया।

सं० 61—बर्दवान क्षेत्र के दुर्गापुर निरीक्षण विभाग से बदली होने पर श्री बी० बी० घोष, अधीक्षक दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-7-74 को निष्पादक-कम-निरीक्षण विभाग, दुर्गापुर का कार्य भार ग्रहण कर श्री के० के० भंडारी, अधीक्षक दर्जा 2, को स्थानान्तरित किया।

सं० 62—बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के निर्धारण-कम-निरीक्षण विभाग से बदली होने पर श्री के० के० भादुरी, अधीक्षक दर्जा 2, अपराह्न दिनांक 16-7-74 को उपरोक्त अंचल के अन्तर्गत निरीक्षण विभाग दुर्गापुर का कार्यभार ग्रहण कर, श्री बी० बी० घोष, अधीक्षक दर्जा 2 को स्थानान्तरित किया।

दिनांक 18 सितम्बर 1974

सं० 63—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2 के अधीक्षक कोटि में पदोन्नति होने पर श्री सुकुमार सरकार मध्याह्न पूर्व दिनांक 22-8-74 को सिलीगुरी के उपसमाहर्ता कार्यालय में अधीक्षक (निस्तार) का भार ग्रहण कर श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती, अधीक्षक दर्जा 2, को अतिरिक्त भार से मुक्त किया।

दिनांक 7 अक्तूबर 1974

सं० 64—कलकत्ता एवं उड़ीसा कलेक्टरी से बदली होने पर श्री छितितोष चक्रवर्ती, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 23 सितम्बर, 1974 को पश्चिम बंग कलेक्टरी प्रधान कार्यालय में अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण किये।

सं० 65—कलकत्ता एवं उड़ीसा कलेक्टरी से बदली होने पर श्री हीरा लाल सह, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, द्वितीय श्रेणी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 20 सितम्बर, 1974 को पश्चिम बंग कलेक्टरी प्रधान कार्यालय में अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण किये।

सं० 66—चन्दननगर के उ० शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत त्रिवेनी रेंज से बदली होने पर श्री दिलीप कुमार राय, अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 5 सितम्बर, 1974 को कलकत्ता चतुर्थ डिवीजन के अन्तर्गत रिसड़ा प्रथम रेंज का भार ग्रहण कर श्री एस० एम० मालों, अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी को, स्थानान्तरित किये।

सं० 67—कलकत्ता चतुर्थ डिवीजन के रिसड़ा प्रथम रेंज से बदली होने पर श्री एस० एम० मालों, अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, मध्याह्नपूर्व दिनांक 6 सितम्बर, 1974 को चन्दननगर के उ० शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत त्रिवेनी रेंज का भार ग्रहण कर श्री ए० के० बनर्जी, अधीक्षक, अतिरिक्त कार्य को मुक्त किये।

दिनांक 6 अक्टूबर 1974

सं० 68—श्री एच० ए०, गोमस केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक दर्जा 2, जो पश्चिम बंग कलेक्टरेट प्रधान कार्यालय में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक (लेखा) के रूप में कार्य कर रहे थे, अपराह्न दिनांक 31 अगस्त, 1974 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 13 नवम्बर 1974

सं० 69—पश्चिमबंग प्रधान कार्यालय से बदली होने पर श्री छितितोष चक्रवर्ती, अधीक्षक दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व 8 नवम्बर 1974 को पेद्रापोल सीमा शुल्क क्षेत्र के अन्तर्गत पोद्रापोल रेड एवं भूमि सीमा शुल्क स्टेशन का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 70—प्रधान कार्यालय से स्थानान्तरित होने पर श्री हीरालाल साह, अधीक्षक, दर्जा 2, दिनांक 8 अक्तूबर, 1974 को रानाघाट सीमा शुल्क स्टेशन के अन्तर्गत गेडे सीमा शुल्क स्टेशन का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 71—कलकत्ता एवं उड़ीसा कलेक्टरेट से बदली होने पर श्री सुबोध चन्द्र घोष, अधीक्षक, दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 7 अक्तूबर, 1974 को कलकत्ता सीमा शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत बारासात सीमा शुल्क निस्तारण इकाई का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 10 दिसम्बर 1974

सं० 72—श्री कृष्णदास गांगुली, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क पश्चिम बंग कलेक्टरेट प्रधान कार्यालय में अब तक अधीक्षक (लेखा) के रूप में कार्य कर रहे थे, मध्याह्न दिनांक 30-11-74 को सरकारी कार्य से सन्यास ग्रहण किये।

सं० 73—पेद्रापोल रोड, सीमाशुल्क स्टेशन से अस्थायी बदली पर श्री छितितोष चक्रवर्ती, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, अपराह्न दिनांक 8-11-74 को डी० पी० यू० कृष्णनगर सीमा उत्पादन शुल्क डिवीजन का कार्यभार ग्रहण कर श्री अरविन्द घोष नं० 1 को अवकाश के लिये मुक्त किया।

सं० 74—केन्द्रीय विनियम प्रधान कार्यालय से बदली होने पर श्री यू० आर० सरकार अधीक्षक दर्जा 2, मध्याह्न पूर्व दिनांक 22-11-74 को पश्चिम बंग प्रधान कार्यालय के अधीक्षक (लेखा परीक्षा) का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 75—श्री शान्ति रंजन चटर्जी, अधीक्षक दर्जा, 2 अपराह्न दिनांक 2-11-74 को पश्चिम बंग केन्द्रीय उत्पादन शुल्क लेखा परीक्षा कार्यालय का कार्यभार त्याग कर इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के अन्तर्गत हल्दिया रीफाइनरी प्रोजेक्ट के लिये डेपुटेशन (प्रतिनियुक्ति) पर पधारे।

दिनांक 10 जनवरी 1975

सं० 1—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दर्जा 2, के अधीक्षक कोटि में पदोन्नति होने पर श्री सूर्यकान्त दत्ता, मध्याह्न पूर्व दिनांक 2-12-74 को पश्चिम बंग प्रधान कार्यालय में अवकाश रिजर्व अधीक्षक (लीव रिजर्व सुप्रिन्टेन्डेंट) का भार ग्रहण किया।

सं० 2—अधीक्षक दर्जा 2 कोटि में पदोन्नति होने पर श्री मृणाल कान्ति चौधरी मध्याह्न पूर्व दिनांक 11-12-74 को बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत दुर्गापुर के निरीक्षण दल (इन्स्पेक्शन ग्रुप) का भार ग्रहण कर श्री के० के० भादुरी, अधीक्षक को उपरोक्त डिवीजन के अन्तर्गत

दुर्गापुर निर्धारण कम-निरीक्षण इकाई के लिये स्थानान्तरित किया।

सं० 3—अधीक्षक दर्जा 2 के कोटि में पदोन्नति होने पर श्री सन्तोष कुमार सरकार मध्याह्न पूर्व दिनांक 10-12-74 को बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत आसनसोल निरीक्षण ग्रुप का भार ग्रहण कर श्री एच० एम० राय गोस्टीपति को उपरोक्त विभाग के अन्तर्गत आसनसोल रेंज के लिये स्थानान्तरित किया।

सं० 4—बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के अन्तर्गत आसनसोल निरीक्षण ग्रुप से बदली होने पर श्री एच० एम० गोस्टीपति, अधीक्षक दर्जा 2 उपरोक्त डिवीजन के अन्तर्गत आसनसोल रेंज का कार्यभार अपराह्न दिनांक 10-12-74 को ग्रहण कर श्री एस० एल० चौधरी, अधीक्षक को प्रधान कार्यालय के लिये स्थानान्तरित किया।

सं० 5—बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवीजन के आसनसोल रेंज से बदली होने पर श्री एस० एल० चौधरी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 18-12-74 को प्रधान कार्यालय लेखा-परीक्षण उप विभाग का भार ग्रहण कर श्री उषा रंजन सरकार, अधीक्षक, अतिरिक्त कार्य को मुक्त किया।

सं० 6—बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग (डिवीजन) के अन्तर्गत दुर्गापुर निर्धारण कम-निरीक्षण टोली से बदली होने पर श्री बी० बी० घोष, अधीक्षक द्वितीय श्रेणी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 18-12-74 को प्रधान कार्यालय लेखा-परीक्षक (लेखा-परीक्षक 1) का भार ग्रहण कर श्री उषा रंजन सरकार, अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, अतिरिक्त कार्य, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 7—कलकत्ता चतुर्थ श्रेणी से स्थानान्तरित होने पर श्री बी० बी० भट्टाचारजी, प्र० अफसर, मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-12-74 को प्रशासनिक अफसर (प्र० कार्य०) पश्चिम बंग, कलकत्ता, का कार्यभार लेकर श्री सुनील चन्द्र सेन, प्र० अफसर को तकनीकी शाखा प्रधान कार्यालय, पश्चिम बंग कलकत्ता के लिये स्थानान्तरित किया।

सं० 8—प्रशासनिक अफसर (प्रधान कार्यालय) के भार से बदली होने पर श्री सुनील चन्द्र सेन, प्र० अफसर मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-12-74 को पश्चिम बंग, कलकत्ता कार्यालय के तकनीकी शाखा प्रधान कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 9—कलकत्ता सीमा शुल्क डिवीजन से बदली होने पर श्री एन० एन० बोस, प्र० अफसर मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-12-74 को कलकत्ता चतुर्थ श्रेणी के प्र० अफसर का कार्यभार ग्रहण कर श्री बी० बी० भट्टाचारजी, प्र० अफसर को बलेक्वेट्ट प्रधान कार्यालय के लिये स्थानान्तरित किया।

एन० एन० राय चौधरी  
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क  
पश्चिमी बंग, कलकत्ता

केन्द्रीय उत्पादन समाहर्ता कार्यालय, चण्डीगढ़  
चण्डीगढ़, दिनांक 22 फरवरी 1975

गिबबदी

क्रम सं० : 55

श्री गोपाल सिंह, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता, चण्डीगढ़ की नियुक्ति उत्पादन शुल्क के प्रशासन अधिकारी के रूप में वेतन क्रम : रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है, और उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय, श्रीनगर में प्रशासन-अधिकारी के पद का कार्यभार, दिनांक 6-2-75 पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

क्रम सं० : 56

श्री जे० डी० शील, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय दिल्ली की नियुक्ति अधीक्षक, श्रेणी-ii, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम : रु० -650-30-740-810-ई० बी० -35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-ii केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रोहतक के पद का कार्यभार, दिनांक 10-2-75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

क्रम सं० : 57

श्री तारा चन्द्र, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चण्डीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक, श्रेणी-ii, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम : रु० 650-30-740-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क लुधियाना के पद का कार्यभार, दिनांक 3-2-75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

बी० के० सेठ,  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता, इलाहाबाद  
इलाहाबाद, दिनांक 18 फरवरी, 1975

सं० 23/1975:—श्री रामचन्द्र टंडन, स्थायी निरीक्षक (प्रवरण ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में तैनात थे, और जिनकी नियुक्ति आगामी आदेश होने तक इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75, दिनांक 3-2-1975 द्वारा जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 35/1975, दिनांक 3-2-1975 के अनुसार रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न में स्थापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन श्रेणी दो के पद पर की गई थी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय मुख्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 4-2-1975 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एच० बी० दास समाहर्ता,  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद।

लखनऊ, दिनांक फरवरी 1975

नारकोटिक्स विभाग

क्र० सं०:—श्री श्रींकार सिंह अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशल्क, श्रेणी-II को, जो वर्तमान में जिला अफीम अधिकारी, लखनऊ के रूप में तैनात हैं, 1 नवम्बर, 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1000.00 रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,  
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

दिनांक 28 फरवरी 1975

सं० 3-375/74-सी० एच० (ई०):—श्री केलाश चन्द्र को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी० -35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके उनके मुख्यालय जयपुर के साथ दिनांक 4-2-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

जी० एस० देशमुख,  
मुख्य जल भूविज्ञानी

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1975

सं० 33/7/71-प्रशा०-4:—राष्ट्रपति, श्री सुमेरु राय चौधरी को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 (सामान्य भत्तों सहित) रुपये के वेतनमान में 700 रुपये मासिक वेतन पर इस कार्यालय के दिनांक 30-11-74 के पत्र संख्या 33/10/73-प्रशा०-4 में दी गई शर्तों पर 1-2-1975 (पूर्वाह्न) से उक्त वास्तुक नियुक्त करते हैं।

एस० एस० पी० राव,  
प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1975

सं० 9/21/67 (5)-ई० सी०-I (खण्ड-III):—राष्ट्रपति, श्री पी० पी० पोपली को संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के स्थायी पद पर 10-2-75 (अपराह्न) से पत्रिबीक्षाधीन नियुक्त करते हैं।

पी० एस० परबानी,  
प्रशासन उप-निदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद एन० एच० IV, दिनांक 19 75

क्रमांक : 3-372/75 सी० (एच० ई०) श्री अबरार हुसेन को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II राजपत्रित के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके मुख्यालय लखनऊ के साथ दिनांक 30-1-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक 3-371/75-सी० एच० (ई०):—श्री मिरजा केसर अली बेग को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी० -35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके मुख्यालय भोपाल के साथ दिनांक 30-1-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 फरवरी, 1975

सं० क-32012/5/70-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-19012/526/74-प्रशा० 5, दिनांक 27-12-74 तथा संख्या क-19012/527/74-प्रशा०-5, दिनांक 26-12-74 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जायं, जो भी पहले हो, पुनः नियुक्त करते हैं:—

श्री के० एस० दास 15-2-75 से 30-4-1975 तक  
श्री के० आर० भट्टाचार्य 25-2-75 से 30-4-1975 तक

सं० क-32012/4/70-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32012/4/70-प्रशा०-5, दिनांक 18-11-74 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं जो भी पहले हो, पुनः नियुक्त करते हैं:—

1. श्री आर० एस० आनन्द 4-2-75 से 30-4-1975 तक
2. श्री एस० एस० सच्चर 4-2-75 से 30-4-1975 तक
3. श्री के० एन० नायर 4-2-75 से 30-4-1975 तक

सं० क-19012/504/74-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री ए० एम० साहा को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 5-10-74 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री साहा ने उपरोक्त तारीख तथा समय से सहायक इंजीनियर, नेफा उप प्रभाग सं० 1, बामदिला, केन्द्रीय जल आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

जंगशेर सिंह,  
अवर सचिव.  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टूडियो के० एस० कोहली लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1975

सं०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टूडियो के० एस० कोहली प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एच० जे० शर्मा,  
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्टर्न कैरियर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1975

सं० 5356/3032—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वेस्टर्न कैरियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० कपूर  
कम्पनीज के सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रदीप फार्निश एण्ड चिट फंड प्रा० लि० के विषय में।

दिनांक 5 मार्च, 1975

सं० 3882/3067:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रदीप फार्निश एण्ड चिट फंड प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रा० कु० जैन,  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेट्रो रीयल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1975

सं० 1518 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेट्रो रीयल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रीम प्रकाश जैन,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आंध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और जयपुर टी कम्पनी लिमिटेड के विषय में

दिनांक 28 फरवरी 1975

सं० स्टेट/214/—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जयपुर टी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जयपुर ट्रस्ट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 28 फरवरी 1975

सं०-स्टेट/408—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जयपुर ट्रस्ट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेहताराम चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 28 फरवरी 1975

सं० स्टेट/1225/—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेहताराम चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिनांक

1975

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1975

सं० स्टेट/1299—कम्पनी अधिनियम की धारा 590 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बालोतरा उद्योग मंडल लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है। और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिनांक 5 मार्च 1975

सं० स्टेट/231/—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बाटिया बुदर्श प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है। और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रामदयाल कुरील,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कटिकार एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 3 मार्च 1975

सं० 1123/डी एन०/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कटिकार एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ए० ऐच एम० चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 1975

सं० 5757/560 (3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ए० ऐच० एम० चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हस्ताक्षर अपठनीय  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन मेसर्स लाइफ बेनीफिट चीट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 1444/लीक्वीडेशन:— कम्पनी अरजी नं० 25/1974 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 26-2-75 के आदेश द्वारा मेसर्स लाइफ बेनीफिट चीट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा,  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सीकुड़ कानेर्स एण्ड फ्रीसेर्स एसोसिएशन आफ इंडिया के विषय में।

एर्णाकुलम, दिनांक 21 फरवरी 1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सीकुड़ कानेर्स एण्ड फ्रीसेर्स एसोसिएशन आफ इंडिया का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० एम० अन्वर,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
केरल।

कार्यालय आयकर आयुक्त,

बम्बई दिनांक 5 मार्च 1975

आयकर राजपत्रित स्थापना

सं० 1521—एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि श्री बी० जी० सोहानी, भारतीय आयकर सेवा, श्रेणी-I के अधिकारी, जो बाद में 3 रे आयकर अधिकारी बी० एस० डी० (प०) बम्बई पदासीन हुए, दिनांक 31-1-1975 अपराह्न से अधिवर्षता की आयु पहुँचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

जे० कुण्णमूर्थी,  
आयकर आयुक्त,

(आयकर विभाग)

पूना, दिनांक 26 फरवरी 1975

सं० 2—श्री एस० जी० बड़कुन्दी को एतद्वारा दिनांक 1 फरवरी, 1975 से आयकर अधिकारी, श्रेणी 2 के रूप में स्थिरीकृत किया जाता है।

2. स्थिरीकरण की तिथि बाद में आवश्यकतानुसार सुधार के अधीन है।

सी० एन० वैष्णव,  
आयकर आयुक्त, पूना।



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० 721-74—यतः मुझे रविन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है और  
और जिसकी सं० भूमि जिसका रूप रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1764  
जुलाई, 1974 को लिखा है तथा सयेहरी खुर्द में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. बन्ता सिंह पुत्र जवाला सिंह  
गुरुनानक पुरा, होशियारपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरबन्त सिंह पुत्र हुकम सिंह  
बहादुरपुर, होशियारपुर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

गांव सुतेहरी खुर्द में 7 कनाल 14 1/2 मरले भूमि जिसका पूर्ण  
रूप रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के जुलाई, 74 के बसीकानं०  
1764 में दर्ज है ।

रविन्दर कुमार  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० 722-74—यतः मुझे रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका रूप रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1741 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा सुतेहरी खर्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बन्ता सिंह पुत्र जवाला सिंह  
गुरु नानक नगर, होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. कुमारी मंजीत संधू पुत्री दलीप सिंह,  
बासी सुतेहरी खर्द।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो भूमि में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुतेहरी खर्द में 7 कनाल 14½ मर्ले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के जुलाई, 1974 के वसीका नं० 1741 में दर्ज है।

रविन्दर कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 723-74—यतः मुझे रविन्दर कुमार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1901, जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो अजरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहन सिंह व देव सिंह पुत्र उजागर सिंह  
बासी उच्चा ।

(अन्तरक)

2. (1) कर्नेल सिंह पुत्र अमर सिंह,  
(2) अमरीक सिंह पुत्र कर्नेल सिंह,  
(3) सुरेन्द्र कौर पत्नी कर्नेल सिंह  
वामी रहसीवाल ।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव अजरम में 39 कनाल 19 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता हुशियारपुर के जुलाई, 1974 के बसीका नं० 1901 में दिया है ।

रविन्दर कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 724-74—यतः, मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विश्वलेख नं० 1986 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो चक् गुजरां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ठाकर राम पुत्र मंगल राम,  
गांव चक गुजरां । (अन्तरक)
2. श्री गुरदेव सिंह, बलदेव सिंह व सुखदेव सिंह पुत्र मोहन सिंह,  
नसराला । (अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 में दिया है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव चक गुजरां में भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता होशियार-पुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1986 में दिया है।

रविन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० 725-74—यतः, मुझे रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1912 जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो छावनी में स्थित है (और इससे उपाब्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
2—36GI/75

1. श्री सुरजीत सिंह पुत्र रत्न सिंह  
वासी छावनी कलां । (अन्तरक)
2. जगत सिंह पुत्र आतमा सिंह  
वासी बिन पासके नंगल । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव छावनी कलां में 62 कनाल 2 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता होशियारपुर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1912 में दिया है ।

रविन्द्र नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 17 मार्च 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 726-74—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार  
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
 गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 1155,  
 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो उग्री में स्थित है (और इससे  
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1974 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
 के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
 मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
 लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
 कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
 उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह,  
 बासी उग्री। (अन्तरक)
2. श्री हजारा सिंह पुत्र प्यारा सिंह,  
 बासी रसूलपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
 सम्पत्ति है)
4. कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
 व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
 के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
 उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव उग्री में उपकवाल 13 मरले जमीन जिसका पूर्ण रूप  
 रजिस्ट्रीकर्ता नकोदर के जुलाई 1974 के बसीका नं० 1155 में  
 दिया है।

रविन्द्र कुमार,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० 727-74—यतः, मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1154, जुलाई 1974 को लिखा है तथा जो उग्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. प्यारा सिंह पुत्र हरनाम सिंह बासी उग्री । (अन्तरक)
2. श्री हजार सिंह पुत्र जेमल सिंह बासी रसूल पुर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

उग्री गांव में 33 कनाल 4 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता नकोदर के जुलाई 1974 के वसीका नं० 1154 में दिया है ।

रविन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 17-3-1975 ।

मोहूर :

भारत सरकार

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० टी० आर० 140/सी० 114/कल० 1/74-75—  
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (ग्राफिस का स्थान नं० 3 सी० तीन तल्ले पर) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्न मेन प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० भट्टानी, (2) किरन जी० भट्टानी (3) शरली एस० भट्टानी, (4) पारपती आर० भट्टानी, (5) कमल डी० भट्टानी, (6) जेग जे० भट्टानी, (7) कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती आर० पुनवानी, (9) लालन के० पुनवानी (10) मोहन पी० मगियाना। (अन्तरक)
2. मै० जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के तीसरे तल्ले पर ग्राफिस स्थान नं० 3 सी० जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 18-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० टी० आर० 138/सी०-112/कल०-1/74-75—

अतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269ख के अधीन सक्षम' प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2 (आफिस स्थान "8 सी०") है तथा जो  
रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5, गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल के, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० अडवानी, (2) किरन जी० अडवानी,  
(3) शरला एस० अडवानी, (4) पारपती आर०  
अडवानी, (5) कमल डी० अडवानी, (6) जेठी जे०  
अडवानी, (7) कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती  
आर० पुनवानी, (9) लीलन के० पुनवानी, (10)  
मोहन पी० अमियानी (अन्तरक)

2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

[अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के 8वें तल्ले पर आफिस का स्थान  
नं० '8 सी०' जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता  
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 17-3-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/सनावद/27-7-74—अतः, मुझे एम  
एफ० मुन्शी,  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 31 है, जो गांधी रोड में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सनावद में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जुलाई, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंकर लाल पुत्र केशवसा जैन, निवास सनावद  
(अन्तरक)
2. श्री मन्ना लाल पुत्र धन्ना लाल जैन निवासी सनावद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 31 तीन मंजिला वार्ड नं० 11 गान्धी रोड, सनावद

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च, 1975.

निर्देश सं० एस० आर०/ इन्दौर/17-7-74—अतः, मुझे एम० एफ० मुशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है जो लाल बाग महल में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मै० प्रेन्स ऊषा ट्रेस्ट मनिक् बाग महल, इन्दौर (अन्तरक)
2. मै० अलोक बुलडर्स 4/41 परदेशीपुरा इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली भूमि वनी हुई लाल बाग महल इन्दौर 13.15 एरिया  
खसरा नं० 1435-1436 और 1438 एकवायर 3440 सक्वायर  
फीट और 2 बुटलर लाइन 3267 सक्वायर फीट टोटल एरिया  
6707 सक्वायरफीट

एम० एफ० मुशी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० एस० आर०/खरगोन/4-7-74:—अतः, मुझे, एम० एफ० मुंशी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकंचन है, जो गांव उमर खेड़ी में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगोन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल लतीफ मोहम्मद मुसलमान निवास—खरगोन (अन्तरक)
2. श्री प्रसोत्तम गोविन्द लाल (महाजन) बेतालदास, जगन्नाथ खरगोन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि खसरा नं० 38 एरिया 15.00 एकड़  
गांव—उमर खेड़ी—जिला—खरगोन।

एम० एफ० मुंशी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 17-3-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० एस० आर०/उज्जैन/5-7-74:—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुंशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० मकान बना हुआ है, जो नागदा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 5-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

3--36GI/75

1. श्री ताराचन्द 2. श्री नन्द लाल पुत्र श्री खैमचन्द निवास  
नागदा मण्डी—उज्जैन (अन्तरक)

2. श्री परमानन्द पुत्र लाल चन्द सिन्धी निवास नागदा मण्डी,  
परगना—खचरोद—उज्जैन, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधियां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, सही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ नागदा मण्डी में जवाहर मार्ग नागदा परगना—  
खचरोद जिला—उज्जैन।

एम० एफ० मुंशी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 17-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० एम० आर०/मनासा/18-7-74:—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्रोपर्टी बना हुआ है, जो गांव मनसा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मनसा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
 देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
 बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
 छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री सत्यनारायन दिलीप कुमार एण्ड कम्पनी द्वारा  
श्री सत्यनारायन पुत्र श्री बन्सी लाल अग्रवाल, मनसा जिला मन्द-  
सौर (अन्तरक)

2. श्री मेघराज 2. हुक्कुम चन्द पुत्र श्री बन्सी राम पंजाबी  
निवास—रावटवडा—जिला—कोटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी बनी हुई ब्लाक नं० 27 गांव—मनासा, वार्ड नं० 1  
ऊषा गंज, मनासा।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 17 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च, 1975

निवेश सं० एम० आर०/रायपुर/24-7-74:—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 24-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री श्याम कुमार सिंह पुत्र टोप सिंह ठाकुर और श्रीमती  
पारवती बाई पति जीवन सिंह ठाकुर निवास—जानकी—जिला  
दुर्ग । (अन्तरक)

2. श्रीमती हरजीत कोर पति अमरत सिंह निवास—मकान नं०  
3/775 पाठरी नगई रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 162 ब्लाक नं० 3 प्लॉट नं० 2 एरिया  
7525 स्ववायर फीट मकान नं० 108 रायपुर ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च, 1975

निदेश सं० टी० आर०-135/सी०-116/कल-1/74-75:—

अतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/2, (आफिस स्थान नं० 3 बी०) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनेमेट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 20-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर अडवानी (2) किरन जी० अडवानी, (3) शरली एस० अडवानी (4) पारवती आर० अडवानी, (5) कमल डी० अडवानी, (6) जेटी जे० अडवानी, (7) कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती आर० पुनवानी, (9) ललित के० पुनवानी, (10) मोहन पी० झगियानी (अन्तरक)

2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के तीसरे तल पर आफिस का स्थान नं० "3 बी०" जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च, 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/2 आर० ए०/

ए० पी०-1644/74-75:—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जो रामगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री शंगारा सिंह सपुत्र बूटा सिंह सपुत्र बूड़ सिंह वासी रामगढ़ (जीरा) । (अन्तरक)

2. श्री जग सिंह सपुत्र मुख सिंह, बलबीर सिंह, कश्मीर सिंह अमरीक सिंह तथा निरंजन सिंह सपुत्र श्री जग सिंह सपुत्र गुरुमुख सिंह वासी रामगढ़ (जीरा) । (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमति/जैसा कि नं० में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

4. श्री/श्रीमति/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2092 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है ।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० 720-74—यतः मुझे रविन्दर कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 630 जुलाई, 1974 को लिखा है तथा जो डेहरीवाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. जगवीर कौर व धर्मवीर कौर पुत्री बूटा सिंह डेहरी बाला ।  
(अन्तरक)
2. (1) मंजीत सिंह पुत्र किशन सिंह,  
(2) संतोख सिंह पुत्र जगजीत सिंह  
(3) गुरपाल सिंह पुत्र गुरचरन सिंह  
बासी सजी पिंड ।  
(अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. कोई और व्यक्ति जो भूमि में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गांव डेहरी बाला में 46 कनाल 13 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता भुंगा के जुलाई 1974 के बसीका नं० 630 में दिया है ।

रविन्दर कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-3-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 21 मार्च 1975

निदेश सं सि आर 62/2833/74-75:—यतः, मुझे,

आर कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं सैट नं० 54/ई है, जो केनगल हनुमन्तथ्य रोड़ और लाल बाग रोड़ को मिलाने वाला नया रास्ता, खादर शरीफ गार्डन, है, जो बैंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन-गुडि दस्तावेज नं० 2107, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) गीता छात्रिया, 44/6, रेसकोर्स रोड़, बैंगलूर-1  
(2) के आर रामकृष्ण, 464, IV ब्लॉक, 1 मैन द्वारा प्ले प्याक इनडस्ट्रीस के भागीदार जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल सेधी, केयर आफ एल एल से थी ग्रुंड कम्पनी, 164, महत्मा गांधी रोड़, कलकत्ता-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जगह 54/ई, जो केनगल हनुमन्तथ्य रोड़; और लालबाग रोड़, को मिलानेवाला नया रोड़, खादर शरीफ, गार्डन, बैंगलूर-27, कार्पोरेशन डिविजन 38, क्षेत्रफल 45' 96' + 93' - 4252 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2107, तारीख 5-8-74

आर कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21 मार्च, 1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/जेड आर० ए०/ए० पी०-1645/74-75:—यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो रामगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंगारा सिंह सपुत्र बूटा सिंह सपुत्र श्री बूड़ सिंह वासी रामगढ़, जीरा। (अन्तरक)
2. श्री जग सिंह सपुत्र गुरमुख सिंह तथा बलबीर सिंह, कश्मीर सिंह, अमरीक सिंह तथा नरंजन सिंह सपुत्र श्री जग सिंह सपुत्र गुरमुख सिंह वासी रामगढ़, जीरा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2091 जुलाई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च, 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/जेड आर० ए०/ए० पी०-1646/  
74-75:—यतः, मुझे,

वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव लोहगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5—36GI/75

1. श्री हरचन्द सिंह सपुत्र निक्का सिंह सपुत्र फतेह सिंह गांव लोहगढ़ तहसील जीरा। (अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह सपुत्र मेहर सिंह सपुत्र सरन सिंह, पूरन सिंह सपुत्र बीर सिंह, सरवन सिंह सपुत्र फकीर सिंह सपुत्र ईशर सिंह अब गांव लोहगढ़ नजदीक धर्मकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2457 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च, 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० डी०/ए० पी०-1647/  
74-75:—यतः, मझे, बी० आर० सगर,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सिकियां में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बलवन्त सिंह सपुत लालू सिंह, सीवियां। (अन्तरक)
2. श्री कौर सिंह, जालौर सिंह, सुखदेव सिंह, तारा सिंह,  
लछमन सिंह सपुतान कंकर सिंह गांव सीवियां। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों, का जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2927 जुलाई, 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च, 1975।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/भटिंडा/ए० पी०-1648/74-75:—यतः, मझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सिवियां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह सपुत्र लालू सिंह, सीवियां । (अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह, लखा सिंह, सपुत्रान जलूर सिंह भजन सिंह सपुत्र कौर सिंह, सुखदेव सिंह, गुरदेव सिंह, रूप सिंह, तारा सिंह

सपुत्रान ककर सिंह, सीवियां । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2912 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 15 मार्च, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश स० ए० एस० आर०/भटिडा/ए० पी०-1649/  
74-75:—यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी स० भूमि है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलवन्त सिंह सपुत्र लालू सिंह, सीवियां । (अन्तरक)
2. श्री कौर सिंह, जलौर सिंह, सुखदेव सिंह, तारा सिंह, लछमन सिंह सपुत्र ककर सिंह, सीवियां । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं 2 में है ।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2913 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च, 1975 ।  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/भटिंडा/ए० पी०-1650/74-75:—यतः, मुझे, वी आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं भूमि का प्लॉट है तथा जो तलवंडी भटिंडा रोड़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जरनैल सिंह, करनैल सिंह सपुत्र कौर सिंह वासी भटिंडा  
अब फौल मण्डी। (अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह सपुत्र महिन्द्र सिंह, श्री जगजीत सिंह सपुत्र  
लाल सिंह, वासी भटिंडा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2915  
जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

वी आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 15 मार्च, 1975।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० डी०/ए पी०-1651/74-75:—यतः, मुझे, बी आर सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो नजदीक धर्मशाला भानामल, भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केशो राम, सोहन लाल सपुवान भाना मल, सिरकी बाजार, भटिंडा । (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री गिरधारी लाल मार्फत, न्यू लक्ष्मी स्टोर, गोविंदाना मार्केट, नजदीक पुराना बस स्टैंड, भटिंडा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3194 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 15 मार्च 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० डी० /ग पी०-  
1652/74-75 यतः, मुझे, बी आर सगर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० भूमि है तथा जो बरनाला रोड, भटिंडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवृत्ति:—

1. श्री चरन दाम तथा निरंजन लाल सपुत्रान दासमला राम  
शिवचरण दास, भटिंडा। (अन्तरक)

2. मैसर्स गर्ग स्टील इंजीनियरिंग वर्क्स, बरनाला  
रोड, भटिंडा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3223 जुलाई, 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बी०टी०डी०/एपी०-1653/74-  
75:—यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो न याना रोड, भटिंडा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,  
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाया; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शेर सिंह सपुत्र श्री अमर सिंह, भटिंडा । (अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह सपुत्र श्री दिया सिंह, बीबीवाला रोड,  
भटिंडा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2909  
जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/एफ० डी० के०/ए० पी०-1654/  
74-75:—यतः, मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो कोटकपुरा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-36GI/75

1. श्री विजय कुमार, प्यारा लाल सुपुत्र श्री केवल कृष्ण  
कोटकपुरा । (अन्तरक)

2. विजय कौटन फैक्टरी, कोटपूरा । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1674  
जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15 मार्च 1975

माहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/टी० टी०/ए० पी०-1655/74-75:—यतः, मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जो गांव आयमा कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरिन्द्रपाल सिंह सपुल शिवचरण सिंह गांव आयमा कला तसील तरनतारन । (अन्तरक)

2. श्री चानन इकबाल सिंह, सूरत सिंह, बूड़ सिंह सपुलान तारा सिंह तथा सुभा सिंह, गुरनाम सिंह सपुलान दर्शन सिंह गांव आयमा कला तसील तरनतारन । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2940 जुलाई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरनतारन में है ।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 15 मार्च, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता।

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च, 1975

निदेश सं० टी० आर०-139/सी०-113/कल-1/74-75:—

अतः, मुझ, एस० के० चक्रवर्ती,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज

5, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2, (आफिस स्थान नं० 8 डी०) है तथा जो  
रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5-गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० अडवानी, (2) किरन जी०  
अडवानी, (3) शरली एस० अडवानी, (4) पारपती आर० अड-  
वानी, (5) कमल डी० अडवानी, (6) जेठी जे० अडवानी,  
(6) कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती आर० पुनवानी,  
(9) लीलन के० पुनवानी (10) मोहन पी० अंगियानी,  
(अन्तरक)  
2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के आठवें तल्ले पर आफिस स्थान  
नं० '8 डी०' जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, I, कलकत्ता

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 मार्च 1975

निदेश सं० 203/ए०सी०एफ०-23-274/19-7/74-75:—

यतः, मुझे, पी० एन० मिस्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 16 पैकी टी० पी० एस० नं० 7, एफ०  
पी० नं० 42/2 ए० और 42/2 पैकी है, तथा जो उमरवाड़ा,  
ता० चोरासी, सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 24-7-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० हरकिसनदास नारनदास एन्ड कं० सूरत की ओर से  
उसके सहचारी । कमला बेन, हरकिसन दास नारन दास की विधवा  
शंभू लाल हरकिसन दास,  
चन्दु लाल हरकिसन दास,  
छगन लाल हरकिसन दास,  
गणपत राम, हरकिसन दास,  
रतिलाल, हरकिसन दास,  
केवल राम, हरकिसन दास,  
सनमुख लाल, हरकिसन दास सीमी सूरत के । (अन्तरक)

2. श्री मूल चन्द कचराभाई, विमन लाल मुखन्द दास,  
चन्द्रकान्त मुखन्द दास, शान्ता बेन, मुखन्द दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 16 पैकी, टी० पी० एस० नं० 7-  
एफ० पी० नं० 42-2 ए० और 42-ए० पैकी है जिसका कुल  
माप 2563 वर्ग गज है और जो उमरवाड़ा, ता०-चोरासी जिला  
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत के जुलाई,  
1974 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2775 और 2776 में  
प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 18 मार्च, 1975 ।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

4714 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/डी०-II/जुलाई-I/  
578(13)/74-75/9081:—यतः, मुझे, ए० सी० परोजा,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० ए०-34, कृष्णा पार्क कालोनी है, जो नजफगढ़  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 30-7-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धीवान चन्द मैनो, सुपुत्र श्री ज्वाला साहाए मैनो  
ए०-34, कृष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरनाम सिंह, सुपुत्र श्री सुरजन सिंह, ए०-34, कृष्णा  
पार्क, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

दुमंजिला बिलकी जिस की प्लॉट संख्या ए०-34 है और जिसका  
क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जो कि बादेला गांव में कृष्णा पार्क  
कालोनी की आबादी में है तथा नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-18  
में निम्न सिमाओं से घिरा हुआ है।

उत्तर : सर्विस लेन 15 फुट,  
दक्षिण : सड़क 36 फुट चौड़ी,  
पूर्व : जायबाद नं० ए०-33,  
पश्चिम : सड़क 36 फुट चौड़ी।

एस० सी० परोजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 मार्च, 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 169-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर० 136/सी०-110/कल०/74-75:—

अतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम 'कहा गया है')।

की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 (आफिस का स्थान नं० 8 बी०), है तथा  
जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती (1) कमला देवी अडवानी तथा अन्य, (2)  
किरण जी० अडवानी, (3) शारली एस० अडवानी, (4) पारपती  
आर० अडवानी, (5) कमल डी० अडवानी, (6) जेठी जे०  
अडवानी, (7) कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती आर०  
पुनवानी (8) लीलन के० पुनवानी, (10) मोहन पी० अंगियानी  
वेस्टर्न इस्टेट्स कारपोरेशन के साझेदार (अन्तरक)  
2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

5/2, रसेल स्ट्रीट कलकत्ता में आफिस का स्थान नं० 8 बी०,  
जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 17 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-125/सी०-129/कल-1/74-75:—  
अतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
और जिसकी सं० 5/2, आफिस स्थान नं० '8 सी०' है तथा जो  
जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकर अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख 22-6-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच कोई अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती (1) कमला आर० अडवानी, (2) किरन  
जी० अडवानी, (3) शरली एस० अडवानी, (4) पारपती आर०  
अडवानी, (5) कमल डी० अडवानी, (6) जेटी जे० अडवानी,  
(7), कविता एस० कमलानी, (8) सरस्वती आर० पुनवानी,  
(9) ललिन के० पुनवानी, (10) मोहन पी० झंगियानी  
(अन्तरक)

2. (1) हुकुमचन्द अगनूलाल गोयनका (2) राजकुमारे  
गोयनका (3) नागरमल ए० गोयनका । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के 8 वें तल्ले पर आफिस स्थान  
नं० "8 सी०" जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता ।

तारीख : 15 मार्च, 1975 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर० 128/सी०-126/कल०-1/74-75

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
नियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पदाधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/2 (आफिस स्थान नं० 8ए०) है तथा जो रसेल  
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5,  
गवर्नमेन्ट ल्पेसनार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22 जून, 1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० अडवानी
- (2) किरन जी० अडवानी
- (3) शरली एस० अडवानी
- (4) पारपती आर० अडवानी
- (5) कमला डी० अडवानी
- (6) जेठी० जे० अडवानी
- (7) कविता एस० कमलानी
- (8) सरस्वती पी० पुनवानी
- (9) ललिन के० पुनवानी
- (10) मोहन पी० झंगियानी, सभी बेस्टन स्टेट कारपो-  
रेशन के साक्षीदार हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी रामचन्द्र परनानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रसेल, स्ट्रीट, कलकत्ता के "पूतम बिल्डिंग" में आफिस  
स्थान नं० 4ए० जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता.  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर० 132/सी०-122/कल०-1/74-75 :—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2(आफिस स्थान नं० 3 डी०' तीसरे तल्ले पर), है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

7—36GI/75

1. (1) कमला रामचन्द्र अडवानी
- (2) किरन जी० अडवानी
- (3) शरली एस० अडवानी
- (4) पारपती आर० अडवानी
- (5) कमला डी० अडवानी
- (6) जेटी जे० अडवानी
- (6) कविता एस० कमलानी
- (8) सरस्वती आर० पुनवानी
- (9) ललिन के० पुनवानी
- (10) मोहन पी० झांगियानी

2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लि० 46सी, चौरंगी रोड कलकत्ता-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—]

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट कलकत्ता के तीसरे तल्ले पर आफिस स्थान नं० '3 डी०' जिसका क्षेत्रफल 737 वर्ग फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 15 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-130 / सी-125/कल० बा/74-75-

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2, (सातवें तल्ले पर आफिस स्थान नं० 7 डी) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रेस, नार्थ कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (1) कमला आर० अडवानी (2) किरन जी० अडवानी (3) सरला एस० अडवानी (4) पारपत्ती आर० अडवानी (5) कमल डी० अडवानी (6) जेठी जे० अडवानी (7) कविता एस० कमलानी (8) सरस्वती आर० पुनवानी (9) लीसन के० पुनवानी (10) मोहन पी० शिंगियानी सभी वेस्टर्न इस्टेट्स कारपोरेशन के साक्षीदार (अन्तरक)
- 2 श्रीमती पुर्निमा चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता -16 के सातवें तल्ले पर आफिस का स्थान नं० 7 डी जिसका क्षेत्रफल 707 वर्गफीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख : 15-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 मार्च 1975

निदेश सं० टी आर-154/सी-108/कल०-1/74-75

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 80 ए० है तथा जो चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-12  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट  
प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमिता डे (अन्तरक)
2. श्री प्रियाम सुन्दर दत्त (अन्तरिती)
3. (1) सरवार माखन सिंह  
(2) श्री रामचन्द्र पंजाबी  
(3) श्री जी० सिंह  
(4) श्री आर० बी० वत्त (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

80 ए० चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता -12 में 1 कट्ठा 2 छटाक  
20 बर्गफीट जमीन पर एक तीन तल्ला मकान ईट का बना।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 15-3-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-122/सी-131/कल०-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो युरोपियन असिलम लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, - उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अमिय बाला बोस (2) श्री सुभाष चन्द्र बोस  
(3) श्री सुतास चन्द्र बोस (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती नमिता घोष (2) श्रीमती श्रावनी-घोष  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8/1, युरोपियन असिलम लेन, कलकत्ता-16 में खाली, अविभाजित जमीन का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 11 कट्टा 1 छटाँक 29 वर्गफीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 15-3-75  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी०आर०-133/सी०-120/कल-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (आफिस स्थान नं० 1 सी०) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमला आर० अडवानी

(2) किरन जी० अडवानी

(3) शरली एस० अडवानी

(4) पारपती आर० अडवानी

(5) कमल डी० अडवानी

(6) जेडी जे० अडवानी

(7) कविता एस० कमलानी

(8) सरस्वती आर० पुनवानी

(9) ललिन के० पुनवानी

(10) मोहन पी० झगियानी

(अन्तरक)

2. श्री सुमन के० ठाकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता, के पहले तल्ले पर आफिस स्थान नं० "०-सी०" जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,

समक्ष प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक : 17 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च, 1975

निदेश सं० टी० आर०-111/सी०-96/कल०-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो युरोपियन आतिलम सून, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती दुर्गा प्रिय बोष  
(2) बानी सरकार  
(3) प्रवास चन्द्र बोस  
(4) श्री कृष्णा घोष  
(5) शंकर बोस  
(6) अलोका मजुमदार  
(7) कैलाश बोस स्ट्रीट, I कलकत्ता (अन्तरक)
2. (1) अरुण कुमार घोष  
(2) श्री प्रभात कुमार घोष  
89/1, तालतल्ला लेन, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

8/1, युरोपियन असिलम लेन, कलकत्ता 16 में 11 कट्ठा 1 छटांक 29 वर्ग फीट खाली भूमि का 1/2 अविभाजित भाग।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

दिनांक : 15 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च, 1975

निदेश सं० टी० आर०-127/सी-127/कल०-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 (आफिस नं० 9 बी० 9वें तल्ले पर) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 22 जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० अडवानी
- (2) किरन जी० अडवानी
- (3) शरली एस० अडवानी
- (4) पारपती आर० अडवानी
- (5) कमल डी० अडवानी
- (6) जेठी जे० अडवानी
- (7) कविता एस० कमलानी
- (8) सरस्वती आर० पुनवानी
- (9) लीलन के० पुनवानी
- (10) मोहन पी० सेंगियानी

सभी वेस्टर्न इस्टेट्स कारपोरेशन के साझीदार हैं ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भगवती देवी गोयनका (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता "पूनम बिल्डिंग" के नवें तल्ले पर आफिस नं० 9 बी० जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग-फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक : 15 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-131/सी०-123/कल०-1/74-  
75 :—यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 5/2, (आफिस का स्थान नं० 1 बी०) है तथा  
जो रसेल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20  
जून, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला आर० अडवानी  
(2) किरन जी० अडवानी  
(3) शरली एस० अडवानी  
(4) पारपती आर० अडवानी  
(5) कमल डी० अडवानी  
(6) जेटी जे० अडवानी  
(7) कविता एस० कमलानी  
(8) सरस्वती आर० पुनवानी  
(9) लीलन के० पुनवानी  
(10) मोहन पी० भंगियानी (अन्तरक)  
सभी वैस्टर्न इस्टेट कारपोरेशन के साझीदार हैं।

2. श्रीमती माधुरी एस० ठाकेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

5/2, रसेल, स्ट्रीट, कलकत्ता के पहले तल्ले पर आफिस का  
स्थान नं० 1 बी०, जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 18 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-141/सी-104/कल०-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/2, (आफिस स्थान नं० 1-डी) है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-74 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

8—36GI/75

1. कमला रामचन्द्र अडवानी (2) लिरन जी० अडवानी (3) शरेली एस० अडवानी (4) पारपती आर० अडवानी (5) कमला डी० अडवानी (6) जेठी जे० अडवानी (7) कविता एस० कमलानी (8) सरस्वती आर० पुनवानी (9) लीलन के० पुनवानी (10) मोहन पी० झंगियानी (अन्तरक)
2. श्रीमती सुमन के० ठाकर (अन्तरिती)
3. कर्टन बैलकेभूर एण्ड इन्टरनेशनल ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के पहले तल्ले पर आफिस स्थान नं० '1-डी' जिसका क्षेत्रफल 606 वर्गफीट है ।

एम० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता 16,

तारीख 15-3-75.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 17 मार्च 1975

निदेश सं० टी० आर०-137/सी० -111/ कल०-1/74-75-

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2, (आफिस स्थान नं० '8 ए' है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. (1) कमला आर० अडवानी (2) किरन जी० अडवानी (3) शरली एस० अडवानी (4) पारपती आर० अडवानी (5) कमल डी० अडवानी (6) जेठी जे० अडवानी (7) कविता एस० कमलानी (8) सरस्वती आर० पुनवानी (9) ललिन के० पुनवानी (10) मोहन पी० अंगियानी (अन्तरक)
2. जी० के० उद्योग (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के आठवें तल्ले पर आफिस स्थान नं० '8 ए' जिसका क्षेत्रफल 707 वर्गफीट है और साथ में कार खड़ा करने का स्थान।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 17-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 मार्च 1975

निदेश सं० टी आर -129/सी -121/ कल० -1/ 74-75—

अतः मुझ, एस० के० चक्रवर्ती,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता (3 सरे तल्ले पर आफिस स्थान नं० 3 ए) तथा कार खड़ी करने का स्थान नं० 1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कमला रामचन्द्र अडवानी (2) किरन जी० अडवानी (3) शरली एस० अडवानी (4) पारपती आर० अडवानी (5) कमल डी० अडवानी (6) जेठी जे० अडवानी (7) कविता एस० कमलानी (8) सरस्वती आर० पुनवानी (9) लीलन के० पुनवानी (10) मोहन पी० क्षिगियानी, वेस्टर्न इस्टेट्स कारपोरेशन के साक्षीदार (अन्तरक)
2. जी० के० उद्योग प्रा० लिमिटेड (अन्तरिती)
3. माम्बेनी कारपोरेशन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता के तीन तल्ले पर आफिस स्थान नं० 3 ए और कार खड़ा करने का स्थान नं० 1 जिसका क्षेत्रफल 707 वर्गफीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 15-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 5 मार्च 1975

निदेश सं० सि० आर० नं० 62/2762/74-75 —यतः

मुख्य, आर० क्रिष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 140 है, तथा जो I मैन रोड, कलासिपालयम एक्सटेंशन डिविजन 27, बैंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर-4, दस्तावेज नं० 1662/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नूरजहान बेगम पत्नी लेट पी० अब्दुल खादेर साब, 225, II स्टेज, इनहिरानगर बैंगलूर-38 । (अन्तरक)
2. (1) श्री जी० फजलू रहमान (2) जी० हबीबूर रहमान (3) जी० कलीलूर रहमान (4) जी० ज़ियाउर रहमान, 18/24, पातलम्मा टेम्पुल स्ट्रीट बसवनगुडि बैंगलूर-4 ।

(अन्तरिती)

3. (1) इशाक
- (2) सैफुद्दीन
- (3) के० मुनिस्वामप्पा (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 140 (पुराना नं० 75, 57 और 47-48) I मैन रोड, कलासिपालयम एक्सटेंशन, डिविजन नं० 27, बैंगलूर-2

क्षेत्रफल 75' × 70' = 2550 वर्गफीट दस्तावेज नं० 1662/74-75 तारीख 6-7-74

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 5-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 6 मार्च, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/ 2735 /74-75—यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 159-160 है, जो (पश्चिम भाग) III मैन  
रोड, मार्गोजा रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर-I, में भारतीय  
दस्तावेज नं० 1607/74-75 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 11-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं आयकर उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आदिलक्षमम्मा पत्नी श्री सुन्दर राज नं०  
159-160 मल्लेश्वरम, बंगलूर III मैन रोड

(अन्तरक)

2. श्री ए० श्रीकान्तध्या डारिनायकनपालया, गोरिबि-  
दनूर तालुका कोलार जिला

(अन्तरिती)

3. (1) श्री हुसेन खान

(2) लक्कप्पा

(3) एच० के० शेनाय

(4) एच० एस० ननजप्पा (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और दो दूकान नं० 159-160 (पुराना नं० 238)  
III मैन मार्गोजा रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 क्षेत्रफल  
30' × 66' = 1650 वर्ग फिट दस्तावेज नं० 1607/74-75  
ता० 11-7-74।

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2736/74-75— यतः मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 159-160 (पूर्व भाग) है, जो मार्गोजा-  
रोड, III मैन रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं०  
1608/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 11-7-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आदिलक्षमम्मा 159-160, III मैन रोड  
मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3 (अन्तरक)
2. श्रीमती एच० राजलक्षमम्मा आरिनायकनपालया,  
गोरिबिदलूर तालुका, कोलार जिला (अन्तरिती)
3. श्री रेनुका मूर्ति  
(2) टी० पि० अनन्तरामन (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 159-160 (पुराना नं० 238) (पूर्वी भाग)  
III मैन रोड, 5 और 6 आस के मध्य, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3  
क्षेत्रफल 45' × 30' = 1350 वर्गफीट दस्तावेज नं० 1608/  
74-75 / ता० 11-7-74

आर० क्रिष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 26-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14-3-1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2827/74-75—यतः, मुझे,  
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
जिसकी सं० ब्राड एक्स स्टड फार्म एलहन्का आर 91  
एकड़ 34 गुन्टे जमीन जो आवलहल्ली और रामगोन्डनहल्ली में  
स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर नार्थ, बंगलूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 16-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री सिरिक नौआव रोड, शीला हेलेन हिल बंगलूर  
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश महीन्द्र "दी ग्यालप" पी० बी० पियूर  
पूना जिला . (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षतिबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

ब्राड एक्स स्टड फार्म, पि० ओ० एलहन्का, बंगलूर जिला  
और 91 एकड़ 34 गुन्टे जमीन जो आवलहल्ली और रामगोन्डन-  
हल्ली में स्थित है।

दस्तावेज नं० 2138/तारीख 16-7-1974.

आर० क्रिष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 14-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता III

दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० 241/एकु रे III/कल/74-75—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है जिसकी सं० फुट 6, तिन तल्ला पर है तथा जो 7 बि, लाला लाला लाजपत राइ सरनी कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मनोहर लाल यादवजि पाड़िया

(2) चिरन्जन यादवजि पाड़िया

(3) चान्दु सेजुमल प्रिम ,

(4) लक्ष्मी रुघु मालकानी

(5) रामसीतल दास प्रिमलानी

सबका पता 7, बि, एलगिन रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिषु रामचाद मासवानी 13/2, फ़ि स्कूल स्टूट कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

7 कट्टा जमीन लिफ्ट सिडि, पाम्प का 1/18 अंश और गाड़ी रखने का स्थान, एक नंकर घर फुट सं० 6 तिन तल्ला पर साथ जो 7 बि, लाला लाजपत राइ सरनी, कलकत्ता पर अब स्थित है और जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेसेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1 4135 / 1974 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किववाई रोड,

कलकत्ता-16.

तारीख : 18/3/1975

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14-3-1975

निर्देश सं० 240 ए.कू.रे III/74-75/कल०—अतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० फुट 6, पांच तला पर है तथा जो 7, बि लाला लाजपत राइ सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
9—36GI/75

- (1) श्री मनोहर लाल यादवजी पाड़िया और अन्य
  - (1) मनोहरलाल यादवजी पाड़िया
  - (2) बिरन्जन यादवजी पाड़िया
  - (3) चान्दु तेजमल प्रिम
  - (4) लक्ष्मी रुघु मालकानी
  - (5) रामशितलदास प्रिमलानी
 सबका पता 7, बि एलगिन रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश बाजाज और मिजय बाजाज 60, भिभेका नन्द रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

7 कट्टा जमीन का लिथ्ट, सिङ्गि, पाप्प का 1/18 अंश और गाड़ी रखने का स्थान, फुट सं० 6, पांच तला पर साथ एक नुकरघर जो 7, बि, लाला लाजपत राइ सरनी, कलकत्ता पर अब स्थित है और जो रेजिस्ट्रार आफ इन्वोरेन्सीस द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 4134/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, III  
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता -16

तारीख: 14-3-75  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी०/33/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-9-970 खैरताबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्—

1. (1) श्रीमती फरीदा बानु पुत्री स्वर्गीय ए० के० बाबूखान 6-2-970 खैरताबाद, हैदराबाद
- (2) श्रीमती नुसत बानु पुत्री स्वर्गीय ए० के० बाबूखान 6-2-970, खैरताबाद, हैदराबाद ।
- (3) श्रीमती तुरब बानू, 5-4-93, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।
- (4) श्रीमती सयीदा बानू, 48, मलकपेट, हैदराबाद ।
- (5) श्रीमती जमीला बानू, सरुनगर, हैदराबाद ।
- (6) दिलावर बानू, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।
- (7) श्रीमती बादर बानू वसीयत नामादार श्री बशीरुद्दीन बाबूखान, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. सन्त निरन्कारी मण्डल (रजिस्टर्ड) दिल्ली, श्री राम सरन, सचिव द्वारा, जो सन्त निरन्कारी कालोनी, दिल्ली-110009 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—जमीन तथा इमारत नं० 6-2-970 जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है । श्रेष्ठफल 8,000 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 22-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/25-7-74—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकंचन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सरदार कुमार शिम्भोजीराव अगरे, (2) कुमार तुलाजीराव आगरे निवास आगरे की गेट, लम्कर। (अन्तरक)

2. डा० जयकृष्णा तिवारी, निवास किला गेट, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि लगभग 4 बीगा और 3 बिणव बनी हुई पुरानी छावनी, जनपद ब्लाक, घाटीगांव साथ में मकान

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/25-7-74—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एगरीकचन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-74 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यहाँ कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सरदार कुमार सिम्भोजी राव आगरे पुत्र सरदार  
चन्द्रोजीराव आगरे, आगरे की गोद, लक्ष्मर । (2) श्री कुमार  
तुलाजी राव पुत्र सरदार सम्भोजी राव निवास आगरे की गोद,  
लक्ष्मर ग्वालियर । (अन्तरक)

2. श्रीमती डा० गरगी तिवारी पति डा० बालकिसन तिवारी  
किला गेट ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एगरीकलचर भूमि बनी हुई ग्राम-पुरानी छावनी, जनपद, ब्लाक  
घाटीगांव, लगभग 9 बीगा, 3 विश्व साथ में कटली-सीड्स ।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 20-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/24-7-74—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एगरीकेशन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, (1957  
27) का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट द्वारा  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में  
सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सरदार कुमार शिम्भोजी राव आगरे, कुमार तुलाजी  
राव आगरे, आगरे की गोद, लखर। (अन्तरक)

2. श्री पराग तिवारी, निवास किला गेट द्वारा डा० बालकिशन  
तिवारी, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

एगरीकेशन भूमि बनी हुई ग्राम पुरानी छावनी जनपद क्लाक  
घाटीगांव, लगभग 11 बीगा और 1 बीश्वा।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/24-7-74—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० एगरीकेशन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरदार कुमार शिम्भोजी राव आगरे, (2) कुमार तुलाजीराव आगरे, आगरे की गेट, लक्ष्कर। (अन्तरक)
2. श्रीमती अन्नपूर्णा तिवारी, निवास किला गेट, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकेशन भूमि बनी हुई, ग्राम पुरानी छावनी, जनपद ब्लाक घाटीगांव, लगभग 11 बीगा, 5 बिस्वा।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/23-7-74—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० एगरीकंचन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार कुमार सम्भाजी राव आगरे, (2) कुमार तुलाजीराव आगरे निवास आगरे की गोठ लष्कर । (अन्तरक)

2. श्री बालकृष्ण तिवारी, निवास किला गेट, ग्वालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि बनी हुई गांव—पुरानी छावनी जनपद ब्लाक घाटीगांव लगभग 4 बीघा और 8 बीघा साथ में मकान ।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० आर०/गवालियर/23-7-74--अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकंचन है, जो पुरानी छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार कुमार सम्बाजी राव, (2) कुमार तुलाजी राव निवास अगोर की गेट, लखर।

2. श्री पंकज तिवारी, निवास किला गेट, द्वारा डा० बालकिशन तिवारी, गवालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि बनी हुई ग्राम पुरानी छावनी, जनपद ब्लाक घाटीगांव एवं 5 बीगा, 17 बीमा ग्रेनस्टोर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 20-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1975

निर्देश सं० 242/ए० कु० रें०-III/कल०/74-75—अतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट 11, छह तल्ला पर है तथा जो 7 बी०,  
लालजपत राय सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उक्त (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

10-36GI/75

1. मनोहरलाल यादवजी पाड़िया और अन्यान्य। (अन्तरक)

(1) मनोहरलाल यादवजी पाड़िया

(2) चिरन्जन यादवजी पाड़िया

(3) चान्दु तेजुमल प्रिम

(4) लक्ष्मी रघु मालकानी

(5) रामसीतलदास प्रिमलानी

सबका पता 7 बी, एलगिन रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

2. दूरा मजुमदार, 7 बी, एलगिन रोड, कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 11, छह तल्ला पर साथ 7 कट्टा जमीन, और गाड़ी  
रखन का स्थान, लिफ्ट, सिढ़ी, पम्प का 1/10 अंश, जो 7 बी  
लाल जपत राय सरनी कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार  
ग्राफ एसेरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 4267/  
1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारीख : 14-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी०-206/आर०-IV/कल०/74-75—अतः

मुझे, एस० भट्टाचार्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4, साइनाग स्ट्रीट है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1974 को पुर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिउ कुमार कारनानी

(अन्तरक)

2. (i) छत्तर सिंह वैद्य, (ii) जगत सिंह वैद्य, (iii) मान सिंह वैद्य, (iv) तेज सिंह वैद्य, (v) श्रीमती अश्वय कुमारी वैद्य, (vi) श्रीमती सोहनी देवी वैद्य, (vii) जयकुमार वैद्य, (viii) अजय कुमार वैद्य, (ix) श्रीमती सुन्दरी देवी वैद्य । (अन्तरिती) .

3. वह व्यक्तियों, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

(1) सैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया, (2) कलकत्ता इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कारपोरेशन लि०, (3) स्टेट बैंक आफ बीकानेर और जयपुर (4) एम० सी० भान्डारिया एन्ड कारपोरेशन, (5) प्लास्टो प्रापर्टस इन्डस्ट्रीज, (6) जोहरमल नन्दकिशोर, (7) माध्याल सन्स फाब्रिक्स प्रा० लि०, (8) प्रीमियर फ्रायल्स लि०, (9) शाम सुन्दर काजरिया (10) कारनानि स्टेट्स प्रा० लि०, (11) शाम सुन्दर धनुका, (12) राम किशोर लोहिया, (13) हिन्दुस्तान राईस मिल्स, (14) श्रीमती जमुना देवी, (15) पन्नालाल वैद्य, कमल सिंह वैद्य, (16) माधोप्रसाद महावीर प्रसाद (सप्लायर्स), प्रा० लि०, (17) कालिदास फाउनेन्सियर्स (कलकत्ता) प्रा० लि०, (18) जयरामदास उद्योग प्रा० लि०, (19) घोलाई टी कम्पनी, (20) जे० के० सिन्थेटिक लि०, (21) कृष्णा क्रेडिट कम्पनी प्रा० लि०, (22) बन्कतलाल काबरा, (23) इन्टरनेशनल ड्राईस एन्ड केमिकल्स, (24) लछी राम सराउगी, (25) सुपार सेम कारपोरेशन, (26) भारत लामिनेटि कारपोरेशन, (27) पारेख एजेंसीज, (28) प्रभात जेनेरल एजेंसीज, (29) बन्ग ब्रादर्स, (30) सस्ती प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, (31) गानि ट्रेडिंग कं०, (32) कुमार पिक्चर्स, (33) एस० वी० अरविन्द एन्ड को०, (34) सारागोई जैन एन्ड को०, (35) के० के० जैन, (36) श्री बल्लभ भुतरा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4, साइनाग स्ट्रीट, कलकत्ता में 30 प्रतिशत हिस्सा, जैसे कि अन्तरण लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० भट्टाचार्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 18-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० सी०ओ०/15/जुलै०/74/मिरज/I 185/74-75—

यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया

है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 249/1 है, तथा जो कुपवड (मिरज) में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज I में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 31-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सोनुबाई तारगोंडा पाटील, कुपवड तहसील,  
मिरज, जिला सांगली। (अन्तरक)

2. सांगली जिला परिषद् कर्मचारी सहकारी भाड़ेकर मालकी  
गृह निर्माण सोसायटी लि०, सांगली।

3. चेन्नयरमैन श्री बालासाहेब थोंडि राम पाटील, जिला  
परिषद् पांगली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड खेती की जमीन, सर्वे क्रमांक 249/1 कुपवड गांव में  
तहसील मिरज, जि० सांगली। क्षेत्र :—7 एकड़, 30 गुठे।

एच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 19-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/62/हापुड़/74-75/3116—अतः मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 1987 है तथा जो हापुड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19/7/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से-हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान सहाय और खचेह पुत्रगण श्री डल्लू, गगासरन और बुन्दू पुत्रगण श्री लाल, निवासी :—मोरपुरा, हापुड़।

(अन्तरक)

2. श्री भोंदूमल पुत्र श्री रामगोपाल, नि० कोठी गेट, हापुड़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अश्वल सम्पत्ति जिसकी ताप 1 बीघा 4 बिस्वा जो खसरा नं० 1987 में है, यह ग्राम, परगना व तहसील हापुड़ में स्थित है, इसका हस्तान्तरण रु० 32,000/- में किया गया है।

वाई० खोखर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 19-3-1975  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/146/कानपुर/74-75/3113—अतः मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 293 और नया 1/30 है, तथा जो ब्लॉक 'बी', इण्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कोऑपरेटिव स्टेट, लि० गोविन्दनगर, दादा नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच, ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रहलाद सिंह पुत्र श्री अमीचन्द, नि० 48/10, जी० टी० रोड, अनवरगंज, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्यामन्ती पुत्री स्वर्गीय रामदास, नि० 120/32, लाजपत नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

3. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका पुराना नं० 293 तथा नया नं० 71 है जो ब्लॉक 'बी' इण्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कोऑपरेटिव स्टेट लि०, गोविन्द नगर, दादानगर, कानपुर में स्थित है। इसका हस्तान्तरण 47,500/- रु० में किया गया है, बनी हुई फैक्टरी की इमारत का क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 24-3-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं 99/अर्जन/मेरठ/74-75/3114—अतः मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी खसरा स 3034/2 है तथा जो लिसाड़ी रोड अन्दर पिलोखड़ी फार्म, कस्बा मेरठ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री भोपाल सिंह पुत्र श्याम सिंह और पवन कुमार पुत्र भोपाल सिंह, नि० पिलोखड़ी फार्म, लिसाड़ी गेट, मेरठ शहर।  
(अन्तरक)

2. बन्दना टैक्स्टाइल्स, खन्दक स्ट्रीट, मेरठ द्वारा श्री श्याम लाल, पार्टनर पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद, निवासी महमूद नगर, लिसाड़ी गेट, मेरठ।  
(अन्तरिती)

3. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं 3034/2 में जिसका क्षेत्रफल 2224 वर्ग गज है जो कि लिसाड़ी रोड अन्दर पिलोखड़ी फार्म कस्बा मेरठ में स्थित है, इसका हस्तान्तरण रु० 42,256/- में हुआ है।

वाई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख:—12-3-75

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना कर्वेरोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 24-3-1975

निर्देश सं० सी० प्रे०/5/जुलै/74/मिरज-II—अतः मुझे,  
एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० रि० सं० क्र० 38/3, है तथा जो म्हेसाल  
(मिरज) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज-II  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन; तारीख 22-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यभामा हणमतगव, देवल, ब्राह्मणपुर, मिरज  
जिला सांगली ।  
(अन्तरक)

2. श्री आनापा सिद्धू बहरकल, नंदीवेश मिरज जिला सांगली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड खेती की जमीन रि० सं० क्रमांक 38/3 अ म्हेसाल  
तहसील मिरज जिला सांगली । क्षेत्र—4 एकड़ 29 गुंटे ।

एच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 24-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी०-92/आर०-II/कल०/74-75—अतः मुझे, आर० बी० लालमोया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए/42/3 है तथा जो डायमंड हार्बर रोड, न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, अलीपुर सहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (1) श्रीमती निरूपमा दत्त चौधरी, 13 ए, डायमंड हार्बर रोड, ब्लॉक 'सी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता ।
- (2) श्रीमती उमा राय, 23 ए, थियेटर रोड, कलकत्ता ।
- (3) श्रीमती सची बसु, पी-670, ब्लॉक 'सी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता-53 ।
- (4) श्रीमती शान्ता गुहा, 4 सी, बाल्मीकि स्ट्रीट, कलकत्ता ।
- (5) कुमारी श्यामली दत्त चौधरी, 23 ए, डायमंड हार्बर रोड, ब्लॉक 'सी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता-53 ।
- (6) श्रीमती हेना सरकार, पी-36, ब्लॉक 'बी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता ।
- (7) श्री प्रनाल दत्ता चौधरी, 23 ए, डायमंड हार्बर रोड, ब्लॉक 'सी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता ।
- (8) श्रीमती पूर्णिमा दत्त चौधरी, पार्थ दत्त चौधरी तथा श्री रूमा सेन गुप्ता, सभी 25, डायमंड हार्बर रोड, ब्लॉक 'सी', अलीपुर के ।

2. श्री हिरन घोष, 16 बेलवेडियर स्टेट, 8/8, अलीपुर रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

23 ए/42/3, डायमंड हार्बर रोड, कलकत्ता में 6.53 कट्टा अविभाजित भूमि जो पहले भूमि का एक टुकड़ा नं० 42, ब्लॉक 'सी', न्यू अलीपुर कलकत्ता था ।

आर० बी० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख : 17-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 अरेंडवना कर्वे रोड पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 25 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5/हवेली/II/जुल०/74/190—यतः

मुझे, एच० एस० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सर्वे सं० 156/1 अ है, तथा जो औध (पूना) में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पूना) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-7-19-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
11—36GI/75

1. श्री जेठमल मोहनलाल खिचसरा, 1120/5, शिवाजी  
नगर, पूना-30। (अन्तरक)

2. श्री सभाजीराव नोगेशराव चव्हाण, श्रीमती मालतीबाई  
सभाजीराव चव्हाण, 61/514, उन्नत नगर, सं० 2 स्वामी विवेका-  
नन्द मार्ग गोरगांव (पश्चिमी), बम्बई-62। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिथिल  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्डखुला प्लॉट, सर्वे क्रमांक 156/अ औध पूना, पूना  
म्युनिसिपल कारपोरेशन क्षेत्र में : क्षेत्रफल 13,000 वर्ग फीट।

एच० एस० औलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/60 एरंडवना कर्वे रोड, पूना- 411004.

पूना-411004, दिनांक 24 मार्च 1975 .

निदेश सं० सी० अ०/5/जुलै०/74/मिरज-II/186/74-75:—

यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे क्र० 61/1 है तथा म्हेसाल (मिरज) में  
में स्थित है (और इसके उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज-II में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री यशवंत बाबुराव नलावडे म्हेसाल तहसील मिरज  
जिला-सांगली ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री महादेव गुरुलिंग तेली, (2) श्रीमति विमल  
महादेव केसरे गुरुवार पेठ, मिरज जिला-सांगली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड खेती की जमीन ।

सर्वे क्रमांक-61/1 म्हेसाल तहसील मिरज, जिला सांगली ।

क्षेत्रफल -13 अंकर 31 गुठे का 1/2 हिस्सा/कुअ्रे में 1/3  
हिस्सा पार्श्व लार्डन में 1/2 हिस्सा, बंगला, घर, गौ-घर, 5 कमरे,  
गोडाघ्रुन 3 नारियल के पेड़, 1 नीरगरि का पेड़, 1 ग्राम का पेड़,  
1 चिककू के पेड़ में 1/2 हिस्सा संता बाग में संपूर्ण हिस्सा ।

एच. एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24 मार्च, 1975 ।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

पूना-4, दिनांक 25 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-1/जुलै/74/189/74-75:—

यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 672 हिस्सा नं० 7 में से है तथा जो विषवेवाड़ी, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-1 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतीफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मालचन्द्र मोरेश्वर साठे 713, नारायण पेठ, पूना (2) श्री नीलकंठ दामोदर साठे, (3) श्री शरद दामोदर साठे (4) श्रीमति सावित्रीबाई दामोदर साठे (5), श्री वासुदेव भारुचन्द्र साठे, (6) श्री मनोहर मालचन्द्र साठे, (7) श्री सदानंद मालचन्द्र साठे, (8) श्री शशिकांत मालचन्द्र साठे, (9) श्री सतीश माल चन्द्र साठे, (10) श्रीमती सुहासिनी राधारमण भोडवोले, (11) श्रीमती निर्मला भास्कर दीक्षित, (12) श्रीमति सुहासिनी विष्णु गाडवोले, (13) श्रीमति भान्ती श्रीकृष्ण केष्ठकर, (14) कु० कुमुद दामोदर साठे, (15) श्रीमती इंदिराबाई मालचन्द्र साठे, (अन्तरक)

2. श्रीमती विजया लक्ष्मण कुड्डे प्रोप्रायटर, महाराष्ट्र होशिंग आर्गनायजेशन, 452, शिवाजी नगर, पूना-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन सं० नं० 672, हिस्सा नं० 7 मने जमीन, 34081 वर्ग फीट, गांव मौजे-विषवेवाड़ी, ता० हवेली, पूना, जो पूना म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कक्षा में है।

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना-4

तारीख : 25 मार्च, 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 69/61 परंङणा पूना-4

पूना-4, दिनांक 25 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5/हवेली-I/जेलै-74/188/74-75:-  
यसः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० (a) सं० नं० 673 (b) सं० नं० 672 हिस्सा नं०  
7 में से है तथा जो बिबवेवाड़ी, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हवेली-I, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जुलाई, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री भाल चन्द्र मोरेश्वर साठे, 713, नारायण  
पेठ, पूना, (2) श्री नीलकंठ दामोदर साठे, (3) श्री शरद दामोदर  
साठे, (4) श्रीमती सावित्री बाई दामोदर साठे, (5)  
श्री वासुदेव भालचन्द्र साठे, (6) श्री मनोहर भालचन्द्र साठे,  
(7) श्री सदानंद भालचन्द्र साठे, (8) श्री शशिकांत भालचन्द्र  
साठे, (9) श्री सतीश भालचन्द्र साठे, (10) श्रीमती सुहासिनी  
राधारमण गोडबोले, (11) श्रीमती निर्मला भास्कर दीक्षित,  
(12) श्रीमती सुहासिनी विष्णु गोडबोले, (13) श्रीमती  
मालती श्री कृष्ण केलकर (14) कु० कुमुद दामोदर साठे,  
(15) श्रीमती इंदिराबाई भालचन्द्र साठे । (अन्तरक)

2. लोकेश सहकारी गृहरचना संस्था, एल० आयू सी०  
कालनी प्लॉट नं० 10, पूना-9 चेन्नरमैन, श्री नरहर एकनाथ जोशी  
1569 सदाशिव पठे, पूना-30 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड जमीन, मौजे-बिबवेवाड़ी, ता० हवेली, पूना म्युनिसिपल  
कार्पोरेशन के कक्षा में (a) सं० नं० 673 में से 53745 वर्ग फीट  
जमीन (b) सं० नं० 672 हिस्सा नं० 7 में से 9678 वर्ग फीट  
जमीन ।

एच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 25 मार्च, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय भोपाल,

भोपाल, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/31-7-74/—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुंशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० दो मंजिला है, जो मोहल्ला मंगलवारा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेठ सीताराम पुत्र सेठ सद्गू लाल (2) श्रीमति  
रामकली बाई पति सेठ सीताराम पुत्र गढ़ निवास गणेश मडिया,  
झासी, (अन्तरक)

2. श्री राजकुमार जैन पुत्र श्री सुन्दर लाल निवास गढ़  
बाजार, जुमैराती, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

मकान दो मंजिला मोहल्ला-मंगलवारा बनी हुई बाई नं० 29  
भोपाल ।

एम० एफ० मुंशी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24 मार्च, 1975  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मार्च, 1975

निदेश सं० सि० आर०-62/2744/734-75:—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 67/1ई० है, जो ल्याबली रोड, बैंगलूर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दस्तावेज नं० 1117/74-75, 4-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें  
भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का  
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
के लिए सुकर बनाना, और/या

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती शीलवन्ती (2) गुनवति, (3) नागरत्ना  
61, लागबाग रोड, बैंगलूर-27 ।

2. (1) श्री चन्द्रकुमार गुप्ता, 16 ई/1 कोकिसारिथट रोड,  
बैंगलूर-25, (2) प्रेमकुमार गुप्ता, (3) महेन्द्र गुप्ता, (4)  
मिस आसरिन गुप्ता, नं० 5, हाजि मुहसिन रोड, कलकत्ता-26 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 67/1 बी०, जो नया कास रोड, ल्याबली  
रोड, बैंगलूर में स्थित है ।

क्षेत्रफल नं० 1117/74-75 ता० 4-7-1975 ।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 मार्च, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2751/74-75:—यतः,  
मझे, आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 12/3 है, जो मिलटन स्ट्रीट (डिविजन नं० 49)  
कूक टौन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 1195/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 11-जुलाई, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का, 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० बी० माधवराव (2) जयलक्ष्मी माधव-  
राव. 44, क्वीन्स गगनशन. 12 पार्क स्ट्रीट, बलकत्ता-16।  
(अन्तरक)

2. श्री आर० बालाजी राव, 12/3, मिलटन स्ट्रीट, कूक  
टौन, बंगलूर-5।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 12/3, मिलटन स्ट्रीट, कूक टौन, बंगलूर-  
5 (कार्पोरेशन डिविजन नं० 49),  
सीमा

पूर्व : सम्पत्ति नं० 13 128 फीट,  
पश्चिम : सम्पत्ति नं० 12/2 सैट 130 फीट,  
उत्तर : डा० कासटा स्कवयर के सामनेवाली सम्पत्ति,  
दक्षिण : मिलटन स्ट्रीट।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17 मार्च, 1975  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०— — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2766/74-75:—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम',  
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 803 है, जो V ब्लॉक, राजाजी नगर,  
बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी-  
नगर, बंगलूर, दस्तावेज नं० 2254/74-75, में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 जुलाई,  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे उचने  
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० दोरस्वामी मुपुल्ल के० सुब्बराव प्रिंसिपल,  
असोसिएटेड इन्सटिट्यूट आफ कामर्स कृष्ण बिल्डिंग, अवन्यू  
रोड, बंगलूर-9 । (अन्तरक)

2. (1) श्री जी० ए० नागराज सेट्टी (2) जी० ए०  
नटराज (3) जी० सरस्वलम्मा (4) जी० त्यागराज (5)  
जी०ए० रमेश बाबू, 803 V ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-10 ।  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री पम्पापति, (2) गोपाल  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 803, V ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-10  
क्षेत्रफल 60' × 39' = 2340 वर्ग फीट ।

दस्तावेज नं० 2254/74-75 ता० 20 जुलाई, 74 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 14 मार्च, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मार्च, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2796/74-75:—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 149 है, जो VI फ़ास, अज़ादनगर, बंगलूर-18  
डिविज़न नं० 24 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन-  
गुडि, बंगलूर-4 वस्तावेज नं० 2016 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 जुलाई,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री बी० लक्ष्मन्ना सपुत्र लेट ईरप्पा 149, VI फ़ास,  
अज़ादनगर, बंगलूर-18। (अन्तरक)

2. श्री एस० शेषाद्री सपुत्र लेट सुब्रमन्यम अय्यनगर नं०  
46, VI फ़ास, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 (अन्तरिती)

(1) रामन्ना (2) गुनडप्पा, (3) लोकनाथ (4) आनन्दा  
(5) आनन्दनेय सेट्टी, (6) गौड़ा, (7) मनि (8) कालिरामय्या  
(9) माडय्या (10) रामन्ना (11) आर० मनि (12)  
नागराज (21) एम० बी० स्वामी, (14) मादप्पा,  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 149, VI फ़ास, अज़ादनगर, बंगलूर-18 कार्पोरेशन  
डिविज़न नं० 24।

सीमा—

पूर्व : लक्ष्मय्या का मकान,

पश्चिम : रामस्वामी का मकान,

उत्तर : VI फ़ास रोड़,

दक्षिण : कनज्जरवेत्ती।

तीन मनजिला इमारत जो सैट पू० ५० 40 फीट, उ० द०  
60' —2400 वर्ग फीट पर है।

दस्तावेज नं० 2016 ता० 21 जुलाई, 1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख : 21 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2808/74-75:—यतः, मुझे,  
आयकर कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, जो III मैन रोड, V ब्लॉक, कुमारा पार्क  
एक्सटेंशन, बैंगलूर-20 और खुली जगह में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर-9 दस्तावेज नं०  
1149/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 20 जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री एन० ए० नारायणस्वामी प्रोफेसर आफ सरजरी,  
वैम टीन कर्नाटक मेडिकल कालिज, हुब्ली (अन्तरक)

2 (1) श्री मूलचन्द्रकेवलराम, (2) कौशल्याबाई पत्नी  
मूलचन्द्र (3) मनोहरलाल (4) प्रशोक कुमार, (5) सुरेश  
कुमार (6) प्रकाश, (7) विजयकुमार (8) रेखा पत्नी  
मनोहरलाल, नं० 11, III मैन रोड, V ब्लॉक, कुमारापार्क वेस्ट,  
बैंगलूर-10। (अन्तरिती)

3 (1) राजस्थान कमर्शियलस (2) डिक्कायटान इंड-  
स्ट्रीज द्वारा सूरज कुमार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 11, III मैन रोड, V ब्लॉक, कुमारापार्क  
वेस्ट और खुली जगह जो 9-ए०, V ब्लॉक कुमारापार्क वेस्ट, बैंगलूर  
में स्थित है।

पूर्व : सैट नं० 10 ए०,

पश्चिम : III मैन रोड,

उत्तर : फ्रास रोड।

सैत : सैट नं० 9।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं मि० आर० 62/2838/74-75 :—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं मुनिमिलन 2001, सर्वेन 130 और 113/21 है, जो गनगंनपालयन रोड, बनगारपेट टौन, कोलार जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बनगारपेट, कोलार जिला दस्तावेज नं० 2906/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 जुलाई, 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) टी० के० आर० सुब्रमन्य ग्रोन्डर तिरुपत्तूर टौन (2) टी० आर० एकाम्बरम (3) टी० आर० मार्य आर्काट जिला तनगवेलू (4) टी० ए० मीनाकशम्माल परनी टी० आर० नन्दगोपाल, (5) गुनसेखर (6) लोकनाथन (7) मिस गीता, (8) टमिलसेल्वी (अन्तरक)

2. श्री टुमसा रत्नय्या सेट्टी सपुत्र टुमसी रत्नय्या सेट्टी ठथापारी, चितनहल्ली, मुगटूर होब्ली, कोलार तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गणेश रैस और ग्राइल मिल्स, "मुनिमिल खाते नं० 2001 और डोर नं० 1572, सर्वे नं० 130 और 113/21—दो एकड़ जगह और इमारते, मशीन आदि में का 1/4 भाग सीमा—

पूर्व : हैदर वी० की जगह,

पश्चिम : मुगुन मिल बिल्डिंग,

उत्तर : गनगम्मापालया रोड,

दक्षिण : पोलिस क्वार्टरस,

दस्तावेज नं० 2906/74-75 ता० 265 जुलाई 1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2839/74-75:—यतः, मुझे,  
आयकर कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मुनिसिपल नं० 2001 सर्वे नं० 1308, 113/21  
गनगम्मापालया रोड, है, जो बनगरपेट में स्थित है (और इससे  
उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बनगरपेट, जिला कोलार दस्तावेज नं०  
2907/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 25 जुलाई, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थातः—

1. (1) श्री० टी० आर० के० सुब्रमन्य गौन्डर, तिरुपत्तर,  
नार्थ आकोट जिला, (2) टी० आर० एकाम्बरम बंगारपेट,  
(3) टी० आर० तन्नावेलु, (4) टी० एन० मीनाकशम्मा  
(5) गुनसेखर (6) लोकनाथन, (7) गीता  
(8) टमिलसेल्वा, बंगारपेट ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० ननजुनड्यम सेट्टी सपुत्र पापय्य सेट्टी  
कोकेरवल्ली, (वलगेर हली), श्रीनिवासपुर तालुक कोलार जिला ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

गणेश रैस ग्रैंड आइल मिल्स, मुनिसिपल खाते नं० 2001  
और डोर नं० 1572, सर्वे नं० 130 और 113/21—दो एकड़  
जगह और इमारतें, मशीन आदि में का 1/4 भाग ।

सीमा—

पूर्व : हैबर बी० की जगह,  
पश्चिम : मुहगन मिल इमारत,  
उत्तर : गनगम्मापालया रोड,  
दक्षिण : पोलिस क्वार्टर्स ।

दस्तावेज नं० 2907/74-75, ता 25 जुलाई 74

आर० कृष्णमूर्ति;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17 मार्च, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं सि आर 62/2840/74-75:—यतः, मुझे,  
आर कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
और जिसकी सं मुनिसिपल नं 2001, सर्वे नं 1308 और 113/21  
दो एकड़ जमीन, इमारतें, और मशीन जो गनगम्मा पालया रोड़,  
बनगारपेट कोलार जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बनगारपेट, कोलार जिला दस्तावेज नं 2905/74-75 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
25 जुलाई 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) टी के आर सुब्रमन्य गौडर (2) टी आर०  
एकाम्बरम, (3) टी० आर० तन्ववेल्, (4) टी० एन० मीनाक-  
पम्मा (5) गुनशेखर, (6) लोगनाथन, (7) गीता, (8)  
टकिबसेलसवी बनगारपेट, (अन्तरक)

2. श्री जी श्रीनिवासय्य सेट्टी, s/o गोपालय्य  
सेट्टी लोकेउब पल्ली (बलगेरमटकी), श्रीनिवासपुर तालुक  
कोलार जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गणेश रैस अंड आइल मिल्स, मुनिसिपल खाते नं० 2001,  
और डोर नं 1572, सर्वे नं 130 और 113/21—दो एकड़  
जगह इमारतें, मशीन आदि में का 1/4 भाग।

### सीमा

पूर्व : हैदर बी० की जगह,

पश्चिम : मुहगन मिल इमारत,

उत्तर : गनगम्मानपालया रोड़,

दक्षिण : पोलिस क्वार्टर्स।

दस्तावेज नं० 2905/74-75 ता० 25 जुलाई 1974।

आर कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख : 17 मार्च 1975।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 17 मार्च 1975

निदेश सं सं० आर 62/2840 ए०/74-75.—यतः, मुझे आर कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं मुनिसिपल नं० 2001 सर्वे नं० 130 और 113/21 दो एकड़ जमीन इमारतें मशीन जो गनगम्भनपालया रोड, बनगारपेट, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बनगारपेट, कोलार जिला दस्तावेज नं० 2908/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) टी० के० आर० सुब्रमन्य प्रोन्डर (2) टी० आर० एकाम्बरम (3) टी० आर० तनगवेलु (4) टी० एन० मीनाकशिअम्माल (5) गुनसेखर (6) लोगनाथन (7) गीता, (8) टमिल सेल्जी, बनगारपेट, (अन्तरक)
2. (1) पी० एल० विजयकुमार सपुत्र लक्ष्मीनारायण सेट्टी (2) पी० आर पञ्चनाभय सेट्टी सपुत्र पी० एस रामय्य सेट्टी, हनुमान बिलडिंगस, जी० टी०, स्ट्रीट, कोलार टौन, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

गणेश रैस, अंड आईल मिला, मुनिसिपल खाते नं० 1200 और डोर नं० 1572, सर्वे नं० 130 और 113/21—दो एकड़ जगह, इमारतें, मशीन आदि में का 1/4 भाग ।

### सीमा

पूर्व : हैदर बी की जगह,  
पश्चिम : मुरुगन मिल् इमारत,  
उत्तर : गनगम्भनपालया रोड,  
दक्षिण : पोलिस क्वार्टर्स ।

दस्तावेज नं० 2908/74-75 ता 25-7-74

आर कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख : 17 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 मार्च 1975

निदेश सं० मि० आर० 62/2939/74-75.—यतः, मुझे  
आर कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 80 (पुराना नं० 65, 66, और 72) है, जो सैट एण्ड रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2484 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) एम श्रीधर सपुत्र लैट के श्रीनिवासन, (2) किरोर पी ए होलडर द्वारा श्रीमती जयलक्ष्मी, श्रीनिवासन, 12, XII क्रॉस, विलसन गार्डन बैंगलूर-27, (अन्तरक)

2. (1) के आर गोपालकृष्ण सेट्टी, (2) के आर पान्दुरंग सेट्टी, (3) के आर चैन्नकेशव सेट्टी नं० 80, सैट एण्ड रोड, बैंगलूर-4 (अन्तरिती)

3. (1) एम एस शेणगिरि राव डैरेक्टर कमला नेहरु मक्कल मन्दिरा सैट, एण्ड रोड, बैंगलूर-4, (2) मुकुन्द सपुत्र लैट के श्रीनिवासन 12, XII क्रॉस, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 80 (पुराना नं० 65, 66 और 72) जो सैट एण्ड रोड, बैंगलूर-4 में स्थित है।

सीमा

पूर्व : सम्पत्ति नं० 80 का एक भाग,

पश्चिम : दूसरों की सम्पत्ति

उत्तर : कनजवरनसी लेन,

दक्षिण : 100 फुट रोड,

क्षेत्रफल : पू प. 68' × उ द 100' = 6800 वर्ग फीट, दो मंजिला इमारत—34 स्क्वायर का और ग्यारेज दस्तावेज नं० 2484/ता० 28-8-1974।

आर कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

बैंगलूर, दिनांक 18 मार्च, 1975

निदेश सं सि आर 62/2940/74-75:—यतः, सुधे,  
आर कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं 80 पुराना नं 65, 66 और 72)  
सौट एण्ड रोड, बैंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर में भारतीय दस्तावेज नं 2485  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) (1908 का  
16) के अधीन 28-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एस श्रीधर सपुत्र लेट के श्रीनिवासन,  
(2) किशोर सपुत्र एस० श्रीधर पी ए होल्डर द्वारा श्रीमति  
जयलक्ष्मी श्रीनिवासन 12, XII क्रॉस विलसन गार्डन, बैंगलूर-27  
(अन्तरक)

2. एस रामकृष्ण अडिगा, मालिक विश्वार्थी भवन, गान्धी  
बाजार, बैंगलूर-4 (अन्तरिती)

3. (1) एम एस शेषगिरि राव डैरेक्टर कमला नेहरू  
मकल मन्दर सैट एण्ड रोड बैंगलूर-4

(2) मुकुन्द सपुत्र लेट के श्रीनिवासन 12, XII क्रॉस  
विलसन गार्डन, बैंगलूर-27 ।

व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

खाली जमीन नं 80 (पुराना नं 65, 66 और 72) जो  
सौट एण्ड रोड बैंगलूर-4 में स्थित है ।

सीमा

उत्तर : कनकवरवेन्सी, लेन,

दक्षिण : 100 फीट रोड,

पूर्व : दूसरों की जगह,

पश्चिम : सम्पत्ति नं 80 का एक भाग,

क्षेत्रफल पू प 52 फीट उ० द० 100 फीट— 5200

वर्ग फीट, दस्तावेज नं 248 तारीख 28-8-74 ।

आर कृष्णमूर्ति,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 18 मार्च, 1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग  
नोटिस

भा० वि० से० 'ख' सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० एफ० 16/1/74-ई० I (बी०)—भारत के राजपत्र, खंड III, भाग I दिनांक 22 जून 1974 में प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 16/1/74-ई० I (बी) दिनांक 22 जून, 1974 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं।

(i) नोटिस के पैरा 1 निम्नलिखित रूप से पढ़ा जाए:—

“भारत के राजपत्र दिनांक 26 अप्रैल, 1975 में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा यथा संशोधित भारत के राजपत्र, दिनांक 29 जून, 1974 में विदेश मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के समेकित ग्रेड II तथा III की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली तथा विदेशों में स्थित कुछ भारतीय मिशनों में 9 सितम्बर, 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उमके प्रारंभ होने की तिथि में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबन्ध III का पैरा 9)।”

(ii) नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित '19 अगस्त, 1974 तथा '2 सितम्बर, 1974' के स्थान पर क्रमशः '2 जून, 1975 तथा '16 जून, 1975' पढ़ा जाए।

(iii) नोटिस के उपाबन्ध II के पैरा 2(ii) के उप पैरा 3 में उल्लिखित '19 अगस्त, 1974' के स्थान पर '2 जून 1975' पढ़ा जाए।

(vi) नोटिस के उपाबन्ध II के पैरा 3 में नीचे दी गई टिप्पणी की पन्द्रहवीं पंक्ति में उल्लिखित 'मई 1975' के स्थान पर 'फरवरी, 1976' पढ़ा जाए।

बी० एस० जं० ली,  
अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 22nd February 1975

CORRIGENDUM

No. A-6/247(279)/60-II.—Please Read “in the afternoon of 8-8-74” for “in the forenoon of 8-8-74” occurring in para 2 of this office Notification No. A-6/247(279)/60-II, dated 19-12-1974.

The 6th March 1975

No. A-1/1(83).—Shri B. C. Sharma, permanent Director (Grade I of ISS) and officiating as Deputy Director General in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI,

Dy. Director (Admn.)

for Director General, Supplies and Disposals.

New Delhi, the 27th February 1975

No. A-6/247(242)/59.—The President has been pleased to appoint Shri K. K. Das an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class-

13—36GI/75

I to officiate in Grade I of the service with effect from the forenoon of the 1-10-74, until further orders.

Shri Das relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Calcutta Inspection Circle, Calcutta with effect from the forenoon of the 1-10-74.

K. L. KOHLI,

Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 15th February 1975

No. 2222(PVSR)/19A.—Shri P. V. Sesha Rao is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-12-1974, until further orders.

The 22nd February 1975

No. 930/B/51/62/19A.—Shri D. Devanarayanan, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14-11-1974, until further orders.

The 3rd March 1975

No. 2222(DS)/19A.—Shri Dinkar Shrivastava is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 24-12-1974, until further orders.

The 5th March 1975

No. 51/62/19A.—Shri I. B. Chakraborty received charge of the post of Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the forenoon of 29-1-1975.

The 6th March 1975

No. 2222(KVVSM)/19A.—Shri K. V. V. Satyanarayana Murty is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27-12-1974, until further orders.

No. 2251(ABB)/19B.—Shri A. B. Bhowmik received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity from the forenoon of the 1st January 1975.

No. 2251(MD)/19B.—Shri M. Datta received charge of the post of Deputy Drilling Engineer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity from the forenoon of the 20th January 1975.

C. KARUNAKARAN,  
Director General

#### DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-3, the 7th March 1975

No. BSI-69/2/74-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, hereby appoints Shri A. Kumar, permanent Office Superintendent, Botanical Survey of India, (now officiating as Jr. Admn. Officer, Indian Botanic Garden, on *ad-hoc* basis) to officiate as Junior Administrative Officer, Indian Botanic Garden, Botanical Survey of India, in the revised pay-scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, with effect from the afternoon of 30th November 1974, until further orders.

D. G. MOOKERJEE,  
Sr. Admn. Officer

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 4th March 1975

No. EI-4940/913-H.—In continuation of this office Notification No. EI-4903/913-H, dated 16-9-74, the *ad-hoc* appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto the 30th June 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier,

No. EI-4941/PF(Basanta Basu).—The resignation of his appointment tendered by Shri Basanta Basu, Officer Surveyor, No. 15 Party (CST&MP), Survey of India, Hyderabad is accepted with effect from the forenoon of 4th August 1966.

HARI NARAIN,  
Surveyor General of India

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 4th February 1975

No. 4-94/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Inderjit Singh Jaswal to the post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 20th January 1975, until further orders.

C. T. THOMAS,  
Senior Administrative Officer

#### CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

CHEMICAL ESTABLISHMENT

Delhi-12, the 27th February 1975

No. 1/1975.—Shri B. R. Verma, Chemical Assistant Gr. I, Government Opium & Alkaloid Works, Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same factory with effect from the forenoon of 15th February 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist, Central Revenues

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd February 1975

No. 19-28/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. Ananthapadmanabhan, an Accounts Officer in the Office of the Accountant General, Posts & Telegraphs, Delhi to the post of Accounts Officer at the Jawaharlal Institute, Pondicherry with effect from the forenoon of the 27th January 1975 and until further orders.

2. Consequent upon the appointment of Shri D. Ananthapadmanabhan, Shri G. Mohanavelu relinquished charge of the post of Accounts Officer, Jawaharlal Institute, Pondicherry on the forenoon of the 27th January 1975.

The 1st March 1975

No. 19-11/72-Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Shri Nathai Ram relinquished charge of the post of Physicist at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of 16th November 1974.

The 6th March 1975

No. 1-13/74-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri N. R. Sen Gupta, Administrative Officer at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of 31st January 1975.

The 7th March 1975

No. 12-1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Hardyal Gupta, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service as Section Officer in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th January 1975 to the afternoon of the 1st March 1975.

The 11th March 1975

No. 28-8/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. G. Samnotra in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Director (Entomology) at the National Malaria Eradication Programme, New Delhi with effect from the 31st May 1971.

The 12th March 1975

No. 19-23/74-Admn.J.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Bhattacharya, Chemist (Non-medical Assistant) at the Jawaharlal Institute, Pondicherry, to the post of Lecturer in Pharmacology at the same Institute, with effect from the afternoon of the 20th January 1975 in a temporary capacity and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Lecturer in Pharmacology at the Jawaharlal Institute, Pondicherry, Shri T. K. Bhattacharya relinquished charge of the post of Chemist (Non-medical Assistant) at the same Institute on the afternoon of the 20th January 1975.

No. 19-25/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. Sundaresan, Chemist (Non-medical Assistant) at the Jawaharlal Institute, Pondicherry, to the post of Lecturer in Biochemistry at the same Institute, with effect from the forenoon of the 20th January 1975, in a temporary capacity and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Lecturer in Biochemistry at the Jawaharlal Institute, Pondicherry, Dr. R. Sundaresan relinquished charge of the post of Chemist (Non-medical Assistant) at the same Institute on the forenoon of the 20th January 1975.

S. P. JINDAL,

Deputy Director Administration (O&amp;M)

New Delhi, the 5th March 1975

No. 17-25/74-SI.—On retirement from Govt. service Shri B. B. Gholkar, Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay relinquished charge of his post in the afternoon of 31st January 1975.

P. C. KAPUR

for Director General of Health Services

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

## PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 22nd February 1975

No. PA/81(103)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Asher Aaron Naugaonkar, a temporary Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(103)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Balraj Singh Chauhan, a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,

Dy. Establishment Officer(R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 25th February 1975

No. NAPP/1(4)/74-Adm.543.—On his transfer from Rajasthan Atomic Power Project (RAPP) to Narora Atomic Power Project (NAPP) Shri B. G. Sharma, a temporary Scientific Officer/Engineer—Grade SB (Electrical) relinquished charge of his post in RAPP on the afternoon of June 10 1974 and assumed charge of the same post in same grade in NAPP on the forenoon of June 18, 1974.

2. Shri B. G. Sharma shall continue to hold charge of his post in grade SB in NAPP until further orders.

R. J. BHATIA,  
General Administrative Officer

## MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603102, the 21st February 1975

No. MAPP/14(5)/75-Rectt./P-2117.—S/Shri A. Abdul Khader, K. Srinivasa Gopalan and K. Vijayendra Rao, officiating Supervisors are appointed as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in the Madras Atomic Power Project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of November 1, 1974 with headquarters at Kalpakkam, until further orders.

K. BALAKRISHNAN,  
Administrative Officer  
for Director, PPEDOFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 27th February 1975

No. A.32013/5/73-EC.—The President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th April 1975 or till the posts held by them are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri S. K. Swamy Aiyar
2. Shri L. P. Singh
3. Shri N. Venkatapathy
4. Shri Mrinal Kanti Pal
5. Shri B. N. Godbole
6. Shri J. V. Sharma
7. Shri A. G. Narasimhan
8. Shri S. Jayaraman
9. Shri S. Venkateswaran
10. Shri K. Srinivasan
11. Shri V. Srinivasan
12. Shri M. N. Adur
13. Shri P. J. Iyer

2. The President is also pleased to extend the *ad-hoc* promotion of Shri D. N. Sharma, Assistant Technical Officer, to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 31st December 1974.

The 3rd March 1975

No. A.32013/12/73-EC.—The President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation

Department upto the 30th April 1975 or till the posts held by them are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri A. Narendra Nath
3. Shri M. S. Krishnan
4. Shri C. R. Narasimham
5. Shri O. C. Alewander
6. Shri C. V. Venkatesan
7. Shri S. V. Iyer
8. Shri R. C. Roy Chowdhury
9. Shri S. Ramachandran
10. Shri S. K. Chandra
11. Shri G. V. Koshy
12. Shri P. R. Suryanandan
13. Shri N. K. Nanu

H. L. KOHLI,  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 28th February 1975

No. A.38012/3/75-ES.—On attaining the age of Superannuation, Shri Amar Singh, officiating Senior Aircraft Inspector, in the office of the Controller of Aeronautical Inspection, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st January 1975.

H. L. KOHLI,  
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 28th February 1975

No. A-19014/55/72-E(H).—On attaining the age of superannuation Shri Balwant Singh retired from Government service and relinquished charge of the office of the Assistant Director, Maps & Charts, in the Civil Aviation Department, New Delhi, on the afternoon of the 31st January 1975.

T. S. SRINIVASAN,  
Assistant Director of Administration

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st March 1975

No. E(1)06111.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Gupta, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th February 1975 and until further orders.

Shri R. N. Gupta, officiating Assistant Meteorologist has been posted to the Meteorological Centre, Jaipur under Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 3rd March 1975

No. E(1)03884.—On attaining the age of superannuation Shri A. H. Pendse, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Agrimet, Poona retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31-12-1974.

The 11th March 1975

No. E(1)04395.—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Sen, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters office of the Director General of Observatories,

New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31-12-1974.

NOOTAN DAS,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories

#### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 3rd March 1975

C. No. II(7)1-ET/70/2018.—Shri Dayal Prasad confirmed Superintendent Class-II of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-1-75 (A.N.).

The 11th March 1975

No. II(7)1-ET/70/1272.—In pursuance of this office Establishment order No. 20/75 dated 10-1-75 appointing Shri P. N. Sinha, office Superintendent of Central Excise and Customs to officiate provisionally as Examiner of Accounts of Central Excise and Customs Class II in the time scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rules. Shri P. N. Sinha, assumed charge as Examiner of Accounts Central Excise, Patna in the forenoon of 13-1-75.

H. N. SAHU,  
Collector

Calcutta, the 16th May 1974

No. 26.—On promotion to the grade of Superintendent, Central Excise Class II, Shri Kshitishwar Roy, took over charge of Siliguri Assessment-cum-Inspection Unit under Siliguri Central Excise Division on 16-4-74 A.N. vice Shri Kamini Mohan Dutta, Superintendent transferred.

No. 27.—On promotion to the grade of Administrative Officer, Shri Biresh Ch. Bhattacharjee, took over charge of Administrative Officer of Siliguri Customs Division on 27-3-74 F.N. relieving Shri N. G. Das, Superintendent of the additional charge.

No. 28.—On promotion to the grade of Supdt., Central Excise, Class II Shri Rabindra Sankar Das Gupta took over charge of Jamalpur Range under Jalpaiguri Central Excise Division on 17-4-74 F.N. vice Shri A. K. Sikdar, Superintendent transferred to Collectorate Hdqrs. Office.

No. 29.—On promotion to the grade of Superintendent of Central Excise, Class II Shri Subodh Ranjan Banerjee took over charge of Dhupguri I Range under Jalpaiguri Central Excise Division on 22-4-74 F.N. vice Shri B. M. Ghosh, transferred to Collectorate Hdqrs. Office.

No. 30.—On transfer from Collectorate Hdqrs. Office, West Bengal Shri Asru Ranjan Bose, Superintendent Class II took over charge of C.A.U. under Calcutta Customs Division on 6-4-74 A.N. vice Shri S. C. Chowdhury, Superintendent transferred to Petrapole Customs Circle.

No. 31.—On transfer from Hdqrs. Office, West Bengal Shri Asim Choudhury, Superintendent of Central Excise Class II assumed charge of Marine Unit Under Calcutta Customs Division on 1-4-74 F.N.

No. 32.—On transfer from Krishnagore Customs Division Shri Jagat Brandhu Mazumdar, Superintendent of Central Excise Class II assumed charge of Basirhat Customs P.P. under Calcutta Customs Division on 23-4-74 F.N.

No. 33.—On transfer from Jalpaiguri Central Excise Division Shri Amal Kr. Sikdar, Superintendent of Central Excise Class II assumed charge of Disposal Unit, Collectorate Hdqrs. Office on 29-4-74 F.N. vice Shri A. C. Banerjee, transferred.



No. 34.—On transfer from the charge of Supdt. (Tech.) Cooch Behar Division Shri Kshitish Ch. Mazumdar, Superintendent took over charge of Prev. & Int. Cooch Behar Division with effect from 24-4-74 A.N. *vice* Shri N. M. Banerjee, Superintendent transferred.

No. 35.—On transfer from the charge of Prev. & Int. Cooch Behar Division Shri N. M. Banerjee, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of Superintendent (Tech.) Cooch Behar Division on 24-4-74 A.N. *vice* Shri K. C. Mazumdar transferred.

No. 36.—On transfer from Siliguri Central Excise Division Shri Kamini Mohan, Dutta, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of Dinhat (R) Range under Cooch Behar Central Excise Division on 24-4-74 A.N. *vice* Shri Ashutosh Gupta, transferred to Calcutta & Orissa Collectorate.

No. 37.—On transfer from Petrapole Customs Circle Shri D. C. Kanjilal, Supdt. of Central Excise Class II assumed charge of Inspection Group No. I Calcutta IV Division 1-5-74 F.N. *vice* Shri S. R. Chatterjee, transferred to Hdqrs. Audit Branch.

No. 38.—On transfer from Siliguri Central Excise Division Shri Sanjib Chandra Banerjee, Administrative Officer took over charge of Administrative Officer Krishnagar Customs Division on 15-4-74 F.N. *vice* Shri Jagat Bandhu Mazumdar, Superintendent transferred to Barishat Customs P.P. under Calcutta Customs Division.

No. 39.—On transfer from Jalpaiguri Central Excise Division Shri Bhupendra Mohan Ghosh, Superintendent of Central Excise Class II assumed charge of Superintendent of Prev. & Int. West Bengal Collectorate Hdqrs. on 2-5-74 F.N.

#### The 17th June 1974

No. 40.—On promotion to the Grade of Superintendent, Central Excise Class II Shri Ranjit Kumar Ghosh took over charge of Superintendent (Technical) Cooch Behar Central Excise Division on 8-5-74 A.N. *vice* Shri Nripendra Mohan Banerjee, Superintendent transferred.

No. 41.—On transfer from Jalpaiguri Central Excise Division, Shri Pratul Chandra Roy, Superintendent, Central Excise, Class II took over charge of Superintendent (Technical) Burdwan Central Excise Division on 2-5-74 F.N. *vice* B. N. Samanta, Superintendent, transferred.

No. 42.—On transfer from Siliguri Central Excise Division Shri Ajit Kumar Chakraborty, Superintendent, Central Excise Class-II, assumed charge of Superintendent (Statisc) (Cus) on 30-5-74 F.N.

No. 43.—On transfer from Calcutta IV Division Shri Santi Ranjan Chatterjee, Superintendent, Central Excise Class-II assumed charge of Superintendent (Audit) Central Excise, West Bengal, Hdqrs. on 4-5-74 A.N.

No. 44.—On transfer from Cooch Behar Central Excise Division Shri Nripendra Mohan Banerjee, Superintendent, Central Excise Class-II took over charge of Superintendent (Tech.) Siliguri Central Excise Division on 17-5-74 F.N. *vice* Shri Arun Kumar Chakraborty, Superintendent transferred.

No. 45.—On transfer from the charge of Superintendent (Valuation) Collectorate Hdqrs., West Bengal. Shri Amulya Chandra Banerjee, Superintendent assumed charge of Superintendent (Disposal) West Bengal, Hdqrs. on 27-5-74 A.N. *vice* Shri Amal Kumar Sikdar, Superintendent, transferred.

No. 46.—On transfer from the charge of Superintendent (Tech) Siliguri Central Excise Division Shri Arun Kumar Chakraborty, Superintendent Class-II took over charge of Siliguri Prev. Group under Siliguri Central Excise Division on 20-5-74 F.N. *vice* Shri Ajit Kumar Chakraborty, Superintendent transferred to West Bengal, Collectorate Hdqrs. office.

No. 47.—On transfer from the charge of Superintendent (Disposal) Shri Amal Kumar Sikdar, Superintendent assumed charge of Superintendent (Valuation) Central Excise West Bengal, Calcutta on 28-5-74 F.N. *vice* Shri A. C. Banerjee, transferred.

#### The 7th July 1974

No. 48.—On promotion to the grade of Superintendent of Central Excise Class II Shri Bholanath Bhattacharya took over charge of Inspection Group, Mal under Siliguri Central Excise Division on 5-6-74 F.N. relieving Shri Biswendra Mohan Chakraborty, Superintendent of the additional charge.

No. 49.—On transfer from the charge of Superintendent (T), Burdwan Central Excise Division Shri Bishnu Narayan Samanta, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of Durgapur Range under the above Division on 29-5-74 F.N. relieving Shri K. K. Bhaduri, Superintendent of the additional charge.

No. 50.—On transfer from Hdqrs. Statistics Branch, West Bengal, Calcutta Shri Sukhamoy Guha, Superintendent of Central Excise Cl. II took over charge of Inspection Group No. I Chandernagore Central Excise Division on 19-6-74 F.N. relieving Shri M. N. Chatterjee, Superintendent of the additional charge.

No. 51.—On transfer from Chandrabandha Range under Jalpaiguri Central Excise Division Shri Monomohan Roy, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of Ranaghat Customs Circle on 10-6-74 A.N. *vice* Shri S. K. Das Sharma, Superintendent Class I transferred to Collectorate Hdqrs. Office.

No. 52.—On transfer from Ranaghat Customs Circle Shri S. K. Das Sharma, Superintendent Class I took over charge of Supdt. (Stat.) West Bengal Hdqrs. on 12-6-74 A.N. *vice* Shri S. M. Guha, transferred to Chandernagore Central Excise Division.

No. 53.—On transfer from Hdqrs. Statistics Branch Shri S. K. Das Sharma Superintendent Class I assumed charge of Superintendent (Tech. and adjudication) under Calcutta Customs Division on 21-6-74 A.N.

No. 54.—On transfer from Chandernagore Central Excise Division Shri Sunil Ch. Sen, Administrative Officer took over charge of Administrative Officer (Hdqrs.), West Bengal on 17-6-74 F.N. *vice* Shri Subodh Kr. Das Gupta, Administrative Officer transferred to Calcutta Customs Division.

No. 55.—On transfer from Collectorate Hdqrs. Office Shri Subodh Kr. Das Gupta, Administrative Officer took over charge of Administrative Officer Calcutta Customs Division on 17-6-74 A.N. *vice* Shri N. N. Bose, Administrative Officer transferred to Chandernagar Division.

#### The 19th August 1974

No. 56.—On promotion to the grade of Superintendent, Central Excise Class II Shri Sailendra Kumar Das took over charge of Gossanimari Range under Cooch Behar Central Excise Division on 11/7/74 F.N. *vice* Shri Phani Bhusan Das, Superintendent Central Excise Cl. II transferred to Calcutta & Orissa.

No. 57.—On promotion to the grade of Superintendent Central Excise Class II Shri Santi Ranjan Sen Gupta took over charge of Changrabandha Range under Jalpaiguri Central Excise Division on 8/7/74 F.N. relieving Shri R. S. Das Gupta, Supdt. Cl. II of the additional charge.

No. 58.—On promotion to the grade of Supdt. Class II Shri Samson Albert Khaling took over charge of Kurseong Range under Siliguri Central Excise Division on 28-6-74 A.N. *vice* Shri Gobinda Lal Chatterjee, Supdt. Class II transferred.

No. 59.—On transfer from Cooch Behar Range under Cooch Behar Central Excise Division Shri Nikhil Ranjan Misra, Supdt. Cl. II took over charge of Alipurduar I Range under the above Division on 5-7-74 A.N. *vice* Shri Usha Ranjan Sarkar, Supdt. Cl. II transferred to Hdqrs. Office West Bengal.

No. 60.—On transfer from Alipurduar I Range under Cooch Behar C.F. Division Shri Usha Ranjan Sarkar, Supdt. Cl. II assumed charge in Hdqrs. Office West Bengal, Calcutta on 15-7-74 F.N.

No. 61.—On transfer from Inspection Group, Durgapur of Burdwan Division Shri B. B. Ghosh, Supdt. Cl. II took over charge of Assessment-cum-Inspection Group, Durgapur on 16-7-74 F.N. *vice* Shri K. K. Bhandari, Supdt. Cl. II transferred.

No. 62.—On transfer from Assessment-cum-Inspection Group under Burdwan Central Excise Division Shri K. K. Bhaduri, Supdt. Cl. II took over charge of Inspection Group Durgapur under the above Division on 16-7-74 A.N. *vice* Shri B. B. Ghosh, Supdt. Cl. II transferred.

The 18th September 1974

No. 63.—On promotion to the grade of Superintendent, Central Excise Class II Shri Sukumar Sarkar took over charge of Superintendent (Prev.), in Deputy Collector's Office Siliguri on 22-8-74 (F/N), relieving Shri Arun Kumar Chakraborty, Superintendent Class II of the additional charge.

The 6th October, 1974

No. 68.—Shri H. A. Gomes, Superintendent of Central Excise Class II lately working as Supdt. (Audit), Central Excise, West Bengal Collectorate Headquarters office retired from Government service w.e.f., the afternoon of 31-8-1974.

The 7th October, 1974

No. 64.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri Kshititosh Chakraborty, Supdt., Central Excise Class II assumed charge of Superintendent at West Bengal Collectorate Hdqrs. office on 23-9-1974 (F/N).

No. 65.—On transfer from Cal. & Orissa Collectorate Shri Hiralal Saha, Supdt., Central Excise, Class II assumed charge of Superintendent at West Bengal Collectorate Hdqrs. office on 20-9-74 (FN).

No. 66.—On transfer from Tribeni Range under Chandernagore C.E. Division Shri Dilip Kr. Roy, Superintendent, Class II took over charge of Rishra I Range under Calcutta IV Division on 5-9-74 (FN), *vice* Shri S. M. Malo Superintendent, Class II transferred.

No. 67.—On transfer from Rishra I Range of Calcutta IV Division Shri S. M. Malo, Superintendent, Class II took over charge of Tribeni Range under Chandernagore C. E. Division on 6-9-74 (FN), relieving Shri A. K. Banerjee, Superintendent of the additional charge.

The 13th November 1974

No. 69.—On transfer from Headquarters West Bengal, Shri Kshititosh Chakraborty, Superintendent Class II assumed charge of Petrapole Road Land Customs Station under Petrapole Customs Circle on 8-10-74 (FN).

No. 70.—On transfer from Headquarters Office Shri Hiralal Saha, Superintendent Class II assumed charge of Gede Customs Station under Rahaghat Customs Circle on 8-10-74.

No. 71.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri Subodh Chandra Ghosh, Superintendent Class II assumed charge of Barasat Customs Preventive Unit under Calcutta Customs Division on 7-10-74 (FN).

The 10th December 1974

No. 72.—Shri Krishnadas Ganguly, Superintendent of Central Excise Class II lately working as Superintendent (Audit), Central Excise, West Bengal Collectorate Hdqrs. Office retired from Govt. service with effect from 30-11-74 afternoon.

No. 73.—On temporary transfer from Petrapole Road Customs Station, Shri Kshititosh Chakraborty, Supdt. of Central Excise Class II took over charge of D. P. U. Krishnagar Customs Divn. on 8-11-74 (AN), *vice* Shri Arabinda Ghosh, No. 1 proceeded on leave.

No. 74.—On transfer from the charge of Central Exchange, of Hdqrs. Office Shri U. R. Sarkar, Supdt. Class II assumed charge of Superintendent (Audit) at headquarters Office, West Bengal on 22-11-74 (FN).

No. 75.—Shri Santi Ranjan Chatterjee, Superintendent Class II relinquished charge of the office of Examiner of Accounts, Central Excise, West Bengal on 2-11-74 (AN), and proceeded on deputation to Haldia Refinery Project under Indian Oil Corporation Ltd.

The 10th January, 1975

No. 1.—On promotion to the grade of Supdt. Central Excise Class II Shri Surya Kanta Datta assumed charge of Supdt. L.R. at Hdqrs. Office, West Bengal on 2-12-74 (FN).

No. 2.—On promotion to the grade of Supdt. Cl. II Shri Mrinal Kanti Choudhury took over charge of Inspection Group, Durgapur under Burdwan Central Excise Division on 11-12-74 (FN), *vice* Shri K. K. Bhaduri, Supdt. transferred to Durgapur Assessment-Cum-Inspection Unit under the above Division.

No. 3.—On promotion to the grade of Supdt. Cl. II Shri Santosh Kumar Sarkar took over charge of Inspection Group, Asansol under Burdwan Central Excise Division on 10-12-74 (FN), *vice* Shri H. M. Roy Gosthipati, transferred to Asansol Range under the above Divn.

No. 4.—On transfer from Inspection Group, Asansol under Burdwan Central Excise Division Shri H. M. Roy Gosthipati, Supdt., Cl. II took over charge of Asansol Range under the above Divn. on 10-12-74 (AN), *vice* Shri S. L. Choudhury, Supdt. transferred to Headquarters Office.

No. 5.—On transfer from Asansol Range of Burdwan Central Excise Divn. Shri S. L. Choudhury, Supdt. Central Excise Cl. II took over charge of Audit Branch Headquarters Office (Examiner of Accounts III), on 18-12-1974 (FN), relieving Shri Usha Ranjan Sarkar, Supdt., of the additional charge.

No. 6.—On transfer from Durgapur Assessment-cum-Inspection Group under Burdwan Central Excise Division Shri B. B. Ghosh, Supdt., Cl. II, took over charge of Hdqrs. Audit (Examiner of Accounts I), on 18-12-1974 (FN), relieving Shri Usha Rn. Sarkar, Supdt. Cl. II, of the additional charge.

No. 7.—On transfer from Calcutta IV Division Shri B. B. Bhattacharjee, A.O. took over charge of Administrative Officer (Hdqs.), West Bengal, Calcutta on 16-12-74 (FN), *vice* Shri Sunil Chandra Sen, A.O. transferred to Technical Branch of Hdqrs. Office West Bengal, Calcutta.

No. 8.—On transfer from the charge of A.O. (Hdqs.) Shri Sunil Ch. Sen, A.O. assumed charge of A.O. Customs, Technical Branch Hdqrs. office, West Bengal, Calcutta on 16-12-74 (FN).

No. 9.—On transfer from Calcutta Customs Division Shri N. N. Bose, A.O. took over charge of A.O. Calcutta IV Division on 16-12-74 (FN), *vice* Shri B. B. Bhattacharjee, A.O. transferred to Collectorate Hdqrs. Office.

N. N. ROY CHOUDHURY,  
Collector of Central Excise & Customs,  
W.B., Calcutta.

Chandigarh, the 26th February 1975

ESTABLISHMENT

No. 55.—Shri Gopal Singh Office Superintendent of Central Excise Collectorate Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Administrative Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. Shri Gopal Singh took over the charge of the post of Administrative Officer of Central Excise Srinagar in the forenoon of 6-2-1975.

No. 56.—Shri J. D. Sheel Inspector (SG) of Central Excise Collectorate New Delhi is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. Shri Sheel took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II, Rohtak in the forenoon of 10-2-1975.

No. 57.—Shri Tara Chand Inspector(Sg) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders as Superintendent Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. Shri Tara Chand took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II Ludhiana in the forenoon of 3-2-1975.

B. K. SETH,  
Collector.

Allahabad, the 18th February 1975

No. 23/1975.—Shri Ram Chandra Tandon confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Allahabad, and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, vide this office Establishment Order No. 35/1975, dated 3-2-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75, dated 3-2-1975, assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, on 4-2-1975 (forenoon).

H. B. DASS  
Collector, Central Excise

#### NARCOTICS DEPARTMENT CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS

##### OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

No. 9.—Shri Onkar Singh, Superintendent of Central Excise Class II, presently posted as District Opium Officer, Lucknow is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-11-1974.

A. SANKAR  
Narcotics Commissioner of India.

#### OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th February 1975

No. 33/7/71-Admn. IV.—The President is pleased to appoint Shri Sumeru Roy Chaudhry as Deputy Architect in the Central P.W.D. on a pay of Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 1-2-75 F. N. on the terms and conditions of services as enumerated in this office letter No. 33/10/73-Admn IV, dated 30-11-74.

S. S. P. RAU  
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 5th March 1975

No. 9/21/67(V)-ECI(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Popli on the basis of the recommendations made by the UPSC, as a probationer in the CES Class I in the C.P.W.D. against a permanent post of Assistant Executive Engineer with effect from 10-2-75 afternoon.

P. S. PARWANI  
Dy. Director of Administration.

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H.IV, Faridabad-121001, the 26th February 1975

No. 3-372/75-C.H.(Estt.).—Shri Abrar Hussain is hereby appointed as Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* and temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Lucknow with effect from 30-1-1975 (F.N.) till further orders.

No. 3-371/75-C.H. (Estt.).—Shri Mirza Qaiser Ali Beg is hereby appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* and temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Bhopal with effect from 30-1-1975 (F.N.) till further orders.

The 28th February 1975

No. 3-373/75-C.H. (Estt.).—Shri Kailash Chandra is hereby appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* and temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Jaipur with effect from 4th February 1975 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH,  
Chief Hydrogeologist.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 27th February 1975

No. A-32012/5/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's notifications No. A-19012/526/74-Adm. V, dated 27th December 1974 and No. A-19012/527/74-Adm. V, dated 26th December 1974, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for further periods as indicated against each, or till such time the post is filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri K. S. Das—15th February 1975 to 30th April, 1975.

2. Shri K. R. Bhattacharjee—25th February 1975 to 30th April 1975.

No. A-32012/4/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32012/4/70-Adm.V, dated 18th November 1974, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water Commission, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely tempy. and *ad hoc* basis, for further periods as indicated against each, or till such time as the posts are filled, on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri R. S. Anand—4th February 1975 to 30th April, 1975.

2. Shri S. S. Sachar—4th February 1975 to 30th April, 1975.

3. Shri K. N. Nair—4th February 1975 to 30th April, 1975.

No. A-19012/504/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri N. M. Saha to officiate in the grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engg.) in the Central Water Commission on purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 5th October 1974.

Shri Saha took over charge of the office of Assistant Engineer, Nefa Sub Division No. I, Bomdila, Central Water Commission with effect from the above date and time.

JANGSHER SINGH,  
Under Secy.  
for Chairman, C. W. Commission.

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Studio K. S. Kohli Private Limited

New Delhi, the 26th February 1975

No. Jqn./3586/2641.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Studio K. S. Kohli Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. S. SHARMA,  
Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Western Carriers Private Limited

New Delhi, the 4th March 1975

No. 5356/3032.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Western Carriers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. KAPOOR,  
Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Pradeep Finance and Chit Fund Private Limited

New Delhi, the 5th March 1975

No. 3882/3067.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pradeep Finance and Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Metro Real Estates Private Limited

Hyderabad-1, the 10th March 1975

No. 1518/T.(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Metro Real Estates Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN,  
Registrar of Companies, Andhra Pradesh.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Jaipur Tea Company Limited

Jaipur, the 28th February 1975

No. Stat/214/1462.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaipur Tea Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Jaipur Trust Limited

Jaipur, the 28th February 1975

No. Stat./408/1468.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaipur Trust Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Mehta Ram Chit Fund Private Limited

Jaipur, the 28th February 1975

No. Stat./1225/1464.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mehta Ram Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Balotra Udyog Mandal Limited

Jaipur, the 28th February 1975

No. State./1266/1472.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Balotra Udyog Mandal Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Batia Brothers Private Limited

Jaipur, the 5th March 1975

No. Stat./231/1643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Batia Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL,  
Registrar of Companies, Rajasthan.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

M/s. Karikar and Sons Private Limited

Madras, the 3rd March 1975

No. DN/1123/560(5)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Karikar and Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

M/s. A. H. M. Chit Funds Private Limited

Madras, the 3rd March 1975

No. DN/5757/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. A. H. M. Chit Funds Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,  
Assistant Registrar of Companies, Tamil Nadu.

## NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

M/s. Life Benefit Chit Fund Company Private Limited

Ahmedabad, the 4th March 1975

No. 1444/Liquidation.—By an order dated 26th February 1975 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 25 of 1974, it has been ordered to wind up M/s. Life Benefit Chit Fund Company Private Limited.

J. G. GATHA,  
Registrar of Companies, Gujarat.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Seafood Cannery and Freezers Association of India

Ernakulam, the 21st February 1975

No. 2027/Liq./1852/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Seafood Cannery and Freezers Association

of India unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. ANWAR,  
Registrar of Companies, Kerala.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Bhubaneswar, the 30th December 1974

No. Ad.I-1/74-75.—Shri S. M. Mishra, Income-tax Officer, Ward-D Cuttack was granted Earned Leave for 20 days from 18th November 1974 to 7th December 1974 with permission to affix 17th November 1974 and 8th December 1974 which are holidays to the leave.

2. Shri I. D. Narayan, Income-tax Officer, Ward-C, Cuttack was appointed to hold the charge of Income-tax Officer, Ward-D, Cuttack during the absence of Sri Mishra on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave, Shri S. M. Mishra took over charge of Income-tax Officer, Ward-D, Cuttack as such on the forenoon of 9th December 1974 relieving Shri Narayan of the additional charge.

M. W. A. KHAN,  
Commissioner of Income-tax,  
Orissa, Bhubaneswar.

Jaipur, the 21st February 1975

(INCOME-TAX DEPARTMENT)

Establishment—Gazetted—Income-tax Officers, Class-II—Confirmation of—

No. Estt/E-1/74-75/9029.—Shri J. C. Bhatnagar, presently posted as Income-tax Officer, B-Ward, Bharatpur, is appointed substantively to the permanent post of Income-tax Officer, Class-II in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 26th September, 1974.

The date of confirmation is subject to modification at a later stage, if found necessary.

J. C. KALRA,  
Commissioner of Income-tax,  
Rajasthan-I, Jaipur.

Bombay, the 5th March 1975

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 1521.—It is hereby notified that Shri V. G. Sehoni, an officer of Indian Income-tax service, Class-I, lately posted as 3rd Income-tax Officer, BSD(W), Bombay has retired from Government Service on reaching the age of superannuation on 31st January 1975 (AN).

J. KRISHNAMURTHY,  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City-X, Bombay.

Poona, the 26th February 1975

(INCOME-TAX DEPARTMENT)

No. 12.—Shri S. G. Badkundri, is hereby confirmed as Income-tax Officer, Class II, with effect from 1st February, 1975.

2. The date of confirmation is subject to modification at a late date if found necessary.

C. N. VAISHNAV,  
Commissioner of Income-tax, Poona-I,  
Poona.

## CORRIGENDUM

In the notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 issued vide this office No. IAC/Acq.II/1275/73-74/8208, dated 12-3-74 pertaining to plot No. 7, Friends Colony West, New Delhi, published in Part-III, section-I of the Gazette of India, the names of the transferors should be read as under :—

Transferors : Shri Nakul Sen S/o Shri Bishan Dass, Smt. Indu Nakul Sen. Shri Rakesh Sen S/o Shri Nakul Sen Residents of No. 7, Friends Colony West, New Delhi-14.

D. B. LAI,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
New Delhi.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-720/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari Jagvir Kaur & Dharamvir Kaur through Sh. Sukhvinder Singh s/o Buta Singh, Mukhtar-e-Am. R.O. Vill Dehriwala Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) (i) Manjit Singh s/o Kishan Singh, (ii) Santokh Singh s/o Jagjit Singh, and (iii) Gurbal Singh s/o Gurcharan Singh Vill. Jhaji Pind Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals 13 marlas situated at village Dehriwal as mentioned in registration deed No. 630 of July, 1974 of Registering Authority, Bhunga.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range  
Jullundur.

Date: 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref No. AP-721/74.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Hoshiarpur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Banta Singh s/o Sub. Jawala Singh, R.O. Mohala Gurunanak Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Hukam Singh, Moh. Bahadurpur, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals 14½ Marlas situated in Sutherland Khurd as mentioned in registration deed No. 1764 of July, 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17.3.1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref| No. AP-722/74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at : as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hoshiarpur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banta Singh s/o Sub. Jawala Singh R.O. Gurunanak Nagar, Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) Kumari Manjit Sandhu d/o Dalip Singh, s/o Gopal Singh Vill, Suthehri Khurd, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 kanals and 14½ Marlas situated at Suthehri Khurd (Hoshiarpur) as mentioned in registration deed No. 1741 of July, 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-723/74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per the schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hoshiarpur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Mohan Singh & Dewa Singh Ss/o Ujagar Singh Vill. Ucha P.S. Adampur Teh. Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri (i) Karnail Singh s/o Amar Singh, (ii) Amrik Singh s/o Karnail Singh, and (iii) Smt. Surinder Kaur w/o Karnail Singh, Vill. Erhsiwai, Teh. Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals 19 marlas situated in village Ajram as mentioned in registration deed No. 1901 of July, 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-724/74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per the schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hoshiarpur in July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Thakur Ram s/o Mangat Ram Vill. Chak Gujran Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Baldev Singh, and Sukhdev Singh Ss/o Mohan Singh, V.P.O. Nawala Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 58 kanals situated at village Chak Gujran Teh. Hoshiarpur as mentioned in registration deed No. 1986 of July, 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-II,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned know to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-725/74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Hoshiarpur in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh s/o Rattan Singh, Vill, Chhawani Kalan, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagat Singh s/o Atma Singh, R.O. Binpalkey Nangal, P.S. Kartarpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 kanals 2 marlas situated in village Chhawani Teh. Hoshiarpur as mentioned in registration deed No. 1912 of July, 1974 of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range-II,

Jullundur.

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-726-74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nakodar in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Singh s/o Shri Harnam Singh Vill. Uggi Teh. Nakodar.  
(Transferor)
- (2) Shri Hazara Singh s/o Shri Piara Singh R.O. Vill. Rasulpur Teh. Jullundur.  
(Transferee)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 kanals 13 Marlas at village Uggi Teh. Nakodar as mentioned in registration deed No 1155 of July, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-3-1975.  
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Hazara Singh s/o Shri Jaimal Singh Vill.  
Rasulpur Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th March 1975

Ref. No. AP-727/74.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Nakodar in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Piara Singh s/o Shri Harnam Singh Vill. Uggi Teh. Nakodar.

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 kanals 4 Marlas situated at Village Uggi Tehsil Nakodar as mentioned in registration deed No. 1154 of July, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range  
Jullundur

Date : 17-3-1975.

Seal .

## FORM TINS

10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. K. Udyog (P.) Ltd. Office Flat 5A, 46C, Chowringhee Road, Cal-16.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. (3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. TR-140/C-114/Cal-1/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space "3C"), situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at 5, Govt. Place North, Calcutta on 20-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamlani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Nilan K. Punwani, and

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space '3C' in 3rd floor in premises No. 5/2 Russel Street, Calcutta, Comprising 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-I, (3rd Floor).  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-75,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
RAFI, AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th March 1975

(1) Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharli S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamalani, 8. Sarsswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Udyog (P.) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-138/C-112/Cal-I/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space '8C'), situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 20-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Office space "8C" in 8th floor in premises No. 5/2 Russel Street comprising 1258 sq. ft., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 17-3-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Mannalalsa S/o Shri Dbannalal Sa Jain R/o Sanawad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 31, 3 storied in Ward No. 11, Gandhi Road, Sanawad situated at Sanawad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanawad on 27-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankarlal S/o Shri Keshwsa Jain R/o Sanawad.

(Transferor)

## THE SCHEDULE

House No. 31, 3 storied in ward No. 11, Gandhi Road, Sanawad.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-3-1975.  
Seal :



## FORM ITNS—

(2) M/s. Alok Builders, 4/41 Pardeshipura, Indore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) 94 Tenants occupying at property.  
(Person in occupation of the property)  
(3) Any person interested in the property.

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land situated within the compound of the Lalbag Palace Indore measuring about 13.15 Acres—Khasra No. 1435, 1436 and 1438 together with all the servants quarters and there a temple called Hanuman Kuti etc. situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 17th July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Princess Usha Trust, Manik Bagh Palace, Indore.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land situated within the compound of the Lalbag Palace Indore measuring about 13.15 area bearing Khasra Nos. 1435, 1436 and 1438 together with all the servants quarters as shown therein and there exists a temple called Hanuman Kuti. 9 quarters—3440 sq. ft. and 2 Butlers Lines 3267 sq. ft. Total area 6707 sq. ft.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.Date : 17-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land Khasra No. 39, Area—15.00 Acres in Village Umarchedi situated at Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khargone on 4-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdul Latif Mohd, Musalman, R/o Khargone,  
(Transferor)
- (2) Shri Purushottam Govindlal (Mahajan) C/o Vittal  
Das Jagannath, Khargone.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 39 Area 15.00 Acres in Village Umarchedi, Distt. Khargone.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Tarachand, 2. Shri Nandlal sons of Shri Khemchand (Sindhi) R/o Nagda Mandi, Pargana Kachrod, Distt. Ujjain.

(Transferor)

- (2) Shri Paramand S/o Shri Lalchandji (Sindhi) R/o Nagda Mandi, Pargana Kachrod, Distt. Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in Nagda Mandi, Jawahar Marg, Nagda situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kachrod on July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

House situated in Nagda Mandi, Jawahar Marg, Nagda, Pargana Kachrod, Distt. Ujjain.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-3-1975,  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(2) 1. Shri Meghraj, 2 Shri Hukumchand sons of Shri Bansiram Panjabi, S/o Rawatbatta, Distt. Kota, Rajasthan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. property situated on Block No. 27 in Village Manasa, Ward No. 1, Usha Ganj, situated at Manasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Manasa on 18-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Satyanarayan Dilipkumar &amp; Co., through Shri Satyanarayan S/o Shri Bansilal Agar, Manasa Distt. Mandasaur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated on Block No. 27 in Village Manasa, Ward No. 1, Usha Ganj, Manasa.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th March 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 162, Block No. 3, Plot No. 2—Area 7525 sq. ft. House constructed thereon No. 3/775 at Pandritarai (Shantinagar) H. No. 109, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 24-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Shyamkumarsingh s/o Shri Topsisinh Thakur and Smt. Parvathibai W/o Shri Jeewansingh Thakur R/o Jhanki, Tch. Bemetara, Distt. Durg.  
(Transferor)

(2) Smt. Harjit Kaur W/o Shri Amritsingh R/o House No. 3/775 Pandri Tarai (Shanti Nagar) Raipur.  
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 162, Block No. 3, Plot No. 2 Area 7525 sq. ft. House constructed thereon No. 3/775, Pandritarai (Shantinagar) H. No. 109, Raipur.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range,  
Bhopal.

Date: 17-3-1975.  
Seal:

FORM ITNS.—

(2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, (3RD FLOOR), 54, RAFI  
AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. TR-135/C-116/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space No. 3B), situated at Russel Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharli S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamlani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.  
(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "3B" in 3rd floor in premises No. 5/2 Russel St., comprising 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, (3rd Floor), 54, Rafi Ahmed  
Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/ZRA/AP-1644/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Zira in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shangara Singh S/o Shri Buta Singh S/o Shri Bur Singh r/o Ramgarh, (Bira). (Transferor)
- (2) Shri Jag Singh S/o Shri Gurmukh Singh, Shri Balbir Singh, Shri Kashmir Singh, Shri Amrik Singh & Shri Naranjan Singh ss/o Shri Jag Singh s/o Shri Gurmukh Singh r/o Ramgarh (Zira). (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2092 of July, 1974 of the Registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
AMRITSAR.

Date : 15-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/ZRA/AP-1645/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Shangara Singh S/o Shri Buta Singh S/o Shri Bur Singh r/o Ramgarh, (Zira).

(Transferor)

- (2) Shri Jag Singh S/o Shri Gurmukh Singh, & Shri Balbir Singh, Shri Kashmir Singh, Shri Amrik Singh & Shri Naranjan Singh ss/o Shri Jag Singh s/o Shri Gurmukh Singh r/o Ramgarh (Zira).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2091 of July, 1974 of the Registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March, 1975.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/ZRA/AP-1646/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Lohgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Zira in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harchand Singh s/o Shri Nikka Singh s/o Shri Patch Singh of V. Lohgarh Tch. Zira.  
(Transferor)
- (2) Shri Balwant Singh s/o Shri Mehar Singh s/o Shri Sarain Singh, Shri Puran Singh s/o Shri Veer Singh, Shri Sarwan Singh s/o Shri Faquir Singh s/o Shri Ishar Singh now settled at V. Lohgarh near Dharamkot.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2457 of July, 1974 of the Registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March, 1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1647/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagat being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Siwian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Singh s/o Shri Lalu Singh, Siwian.  
(Transferor)
- (2) Shri Kaur Singh, Shri Jalaur Singh, Shri Sukhdev Singh, Shri Tara Singh, Shri Lachhman Singh s/o Kakar Singh, V. Siwian.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2927 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March, 1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pritam Singh s/o Shri Lalu Singh, Siwian.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1648/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Siwian

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Piara Singh, Shri I akha Singh ss/o Shri Jalur Singh, Shri Bhajan Singh s/o Shri Kaur Singh, Shri Sukhdev Singh, Shri Gurdev Singh, Shri Roop Singh, Shri Tara Singh ss/o Shri Kakkur Singh, Siwian.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2912 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March 1975.

Seal :

FORM ITNS— — —

(1) Shri Balwant Singh s/o Shri Lalu Singh, Siwian.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1649/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Bhatinda  
(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kaur Singh, Shri Jalaur Singh, Shri Sukhdev Singh, Shri Tara Singh, Shri Lacchman Singh ss/o Shri Kakar Singh, Siwian.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2913 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 15th March 1975.

Seal .

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1650/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Talwandi Bhatinda Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2915 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

(1) Shri Jarnail Singh, Shri Karnail Singh s/o Shri Kaur Singh r/o Bhatinda Present Phool Mandi.  
(Transferor)

(2) Shri Jagjeet Singh s/o Shri Mahinder Singh, Shri Jagjeet Singh s/o Shri Lal Singh r/o Bhatinda.  
(Transferee)

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March 1975.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1651/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, situated at Near Dharamsala Bhana Mal, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereby), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Pushpa Devi w/o Shri Girdhari Lal c/o New Kakshmi Store, Coiana Market, Near Old Bus Stand. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3194 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

(1) Shri Kesho Ram, Shri Sohan Lal ss/o Shri Bhana Mal, Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

Date : 15th March 1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1652/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at Barnala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Dass & Shri Niranjana Lal ss/o Shri Dasamla Ram s/o Shri Shiv Charan Dass, Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) Shri M/s Garg Steel Engineering Works, Barnala Road, Bhatinda.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3223 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March 1975.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/BTD/AP-1653/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in July on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely :—

- (2) Shri Balwant Singh s/o Shri Diya Singh, Bibiwala Road, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2909 of July, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

- (1) Shri Sher Singh s/o Shri Amar Singh, Bhatinda.  
(Transferor)

Date : 15th March 1975.

Seal :



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. AST/FDK/AP-1654/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Kot Kapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Vijay Kumar Shri Piara Lal ss/o Shri Kewal Krishan, Kot Kapura.  
(Transferor)

(2) Vijay Cotton Factory, Kot Kapura.

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.] (Transferee)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1674 of July 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March 1975.  
Seal :

FROM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th March 1975

Ref. No. ASR/TT/AP-1655/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at V. Aima Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in July on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harinder Pal Singh s/o Shri Shiv Charan Singh V. Aima Kalan Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) Shri Chanan Iqbal Singh, Shri Surat Singh, Shri Bur Singh ss/o Shri Tara Singh and Shri Sucha Singh, Shri Gurnam Singh ss/o Shri Darshan Singh V. Aima Kalan Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2940 of July, 1974 of the Registering Authority, Tarn Taran.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15th March 1975.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 14th March 1975

Ref. No. IAC. Acq.III/D-II/July 1/578(13)/74-75/908.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred as  
'said Act', have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. A-34, situated at Krishna Park Colony, Najafgarh Road,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the  
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of  
the Registering officer  
at New Delhi on 30-7-1974,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dewan Chand Maini S/o  
Shri Jawala Sahai Maini,  
A-34, Krishna Park, Najafgarh Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh S/o  
Shri Surjan Singh,  
A-34, Krishna Park, Najafgarh Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building located on a plot measuring 200 sq. yds. and bearing No. A/34, situated in the area of Village Badela in the abadi of Krishna Park Colony at Najafgarh Road, New Delhi-18 and bounded as under :—

North : Service Lane 15 ft.  
South : Road 36 ft. wide.  
East : Property No. A/33.  
West : Road 36 ft. wide.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-III,  
New Delhi.

Date : 17-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Mulchanddas Kacharabhai  
Chimanlal Mukhanddas  
Chandrakant Mukhanddas  
Shantaben Mukhanddas

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 18th March 1975

Ref. No. PR. 203/Acq.23-274/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 16—T.P.S. 7, F.P. No. 42/2A and 42/2 Paiki, situated at Ummarwada, Tal. Chorasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Harkisondas Narandas & Co. Surat through partners—  
Kamalaben Wd. of Harkisondas Narandas  
Shambhulal Harkisondas  
Chandulal Harkisondas  
Chhaganlal Harkisondas  
Ganpatram Harkisondas  
Ratilal Harkisondas  
Kevalram Harkisondas  
Sanmukhlal Harkisondas—of Surat.

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No. 16 Paiki—T.P.S. 7, F.P. No. 42-2A and 42-2 Paiki admeasuring 2563 (total area) Sq. Yards situated at Ummarwada, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deeds No. 2775 and 2776 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 18-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. TR-139/C-113/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/2 (Being Office space 8D) situated at Russel Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta on 20-7-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I,

hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18—36GI/75

(1) Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Iethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamlani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "8D" in the 8th floor in premises No. 5/2 Russel Street comprising 707 sq. ft. Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,

(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 18-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

S. Kamlani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, (3RD FLOOR), RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 17th Merch 1975

Ref. No. TR-136/C-110/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space 8B), situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Office space "8B" in premises No. 5/2 Russel Street, comprising 1258 sq. ft.

## THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Calcutta-16.

(1) Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

- (2) 1. Shri Hukam Chand Anganlal Goenka,  
2. Raj Kumari Goenka,  
3. Nagarmal A. Goenka.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
(3RD FLOOR), RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-125/C-129/CAL-1/73-74.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office No. 9C in 9th floor) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 22-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamlani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office No. 9C in the 9th floor at 5/2 Russel St. floor space 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 15-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Mohini Ramchand Parnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th March 1975

Ref. No. TR-128/C-126/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office No. 4A) situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5 Govt. Place North Calcutta on 22-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Kamala R. Advani, 2, Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office No. 4-A of Poonam Building at 5/2, Russel Street Calcutta having a floor space of 707 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 17-3-1975.

(Seal) :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S. Kamfani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K.  
Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of  
Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 17th March 1975

Ref. No. TR-132/C-122/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K.  
CHAKRAVARTY,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,  
No. 5/2 (being office space "3-D"), situated at Russel Street,  
Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 20-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other persons interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act shall have the  
same meaning as given in that Chapter.(a) for facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to following per-  
sons namely :—

## THE SCHEDULE

Office space "3-D" in 3rd floor in premises No. 5/2, Russel  
Street, Calcutta, comprising 707 sq. ft.S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor), 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.(1) S/Shri Kamala R. Advani, 2. Kiran G.  
Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani,  
5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. KavitaDate : 17-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th March 1975

Ref. No. TR-131/C-123/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/2, (being office space No. I-B) situated at Russel Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta on 20-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita

S. Kamani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhuri S. Thaker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space 1B in the 1st floor in the premises 5/2 Russel Street, Calcutta comprising 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 17-3-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th March 1975

Ref No. TR-133/C-120/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space No. 1-C), situated at Russel Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North, Calcutta on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kamala R. Advani 2. Kiran G. Advani, 3. Sharli S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kumal D. Advani 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamrani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Suman K. Thaker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "1-C" in the 1st floor in the premises 5/2 Russel Street Calcutta comprising 1258 sq. ft. with car parking space.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.Date : 17-3-1975.  
Seal.

## FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-111/C-96/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/1, situated at European Asylum Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Durga Priya Bose, Bani Sarkar, Provash Chandra Bose, Sm. Krishna Ghosh, Shankar Bose and Aloka Mazumdar,  
No. 8, Kailash Bose Street,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Ghosh & Sri Probhat Kumar Ghosh  
89/1, Taltolla Lane,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of vacant land containing an area of 11 K, 1 Ch-29 sft. being premises No. 8/1, European Asylum Lane, Calcutta-16.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 15-3-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-127/C-127/CAL-1/74-75.—Whereas, I. S. K.  
CHAKRAVARTY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office No. 9B in 9th floor) situated at Russel Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North Calcutta on 22-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamalani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Sm Bhagwati Devi Goenka,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office No. 9B in the 9th floor at "Poonan building" at 5/2 Russel Street, Calcutta, floor space 1258 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 15-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Smt Amiya Bala Bose, 2. Shri Subhas Chandra Bose 3. Shri Suhas Chandra Bose.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) 1. Sm. Namita Ghose and  
2. Sm. Shrabani Ghose.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-122/C-131/Cal-1/73-74.—Whereas, I S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8/1, situated at European Asylum Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 26-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of vacant land containing an area of 11 K, 1 Ch, 29 sq. ft. being premises No. 8/1, European Asylum Lane, Calcutta-16.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 15-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Shyam Sundar Dutta

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-154/C-108/Cal-1/74-75.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 80A, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 1-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- \* (3) 1. Sardar Makhan Singh,  
2. Sri Ramchand Panjabi,  
3. Sri G. Singh,  
4. Sri R. B. Dutt.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed brick built house on land measuring 1 K. 2 Ch, 20 sq. ft. at No. 80A, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

(1) Smt. Sumita Dey.

(Transferor)

Date : 15-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purnima Choudhury.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-130/C-125/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/2 (being office No. 7D in 7th floor) situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, Calcutta on 22-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office No. 7D in the 7th Floor of 5/2 Russel Street, Calcutta having a floor space of 707 sq. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamrani 8. Saraswati

Date : 15-3-1975.

Seal :

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 18th March 1975

Ref. No. TR-141/C-104/Cal-1/74-75.—Whereas I, S. K. Chakravarty being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (being office space '1-D'), situated at Russel Street, Calcutta,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North Calcutta on 20-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpatl R. Advani, 5. Kamal D. Advani 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamlani 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

- (2) Smt. Suman K. Thaker.

(Transferee)

- (3) M/s. Cortain Blankevoor & International Dredging Co. Ltd.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "1-D" in the 1st floor in the premises 5/2, Russel Street, comprising 707 sq. ft. with car parking space.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 18-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th March 1975

Ref. No. TR-137/C-111/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5/2 (being office space "8A"), situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5 Govt. Place North, Calcutta on 20-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani, 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi J. Advani, 7. Kavita S. Kamrani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

- (2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.  
Calcutta.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "8A" in 8th floor in premises No. 5/2 Russel Street comprising 707 sq. ft. with car parking space, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
(3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 15th March 1975

Ref. No. TR-129/C-121/Cal-1/74-75.—Whereas, I. S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/2 (being office space 3A, 3rd floor, Parking space No. 1) situated at Russel St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North Calcutta on 22-7-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kamala R. Advani, 2. Kiran G. Advani 3. Sharali S. Advani, 4. Parpati R. Advani, 5. Kamal D. Advani, 6. Jethi I. Advani, 7. Kavita S. Kamani, 8. Saraswati R. Punwani, 9. Lilan K. Punwani and 10. Mohon P. Jhangiani all partners of Western Estate Corporation.

(Transferor)

- (2) M/s. G. K. Udyog (P) Ltd.  
Calcutta.

(Transferee)

- \* (3) M/s. Mombeni Corporation.  
Calcutta.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space "3A" in 3rd floor and parking space No. 1 in premises No. 5/2 Russel Street comprising 707 sq. ft.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1,

(3rd Floor) 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16.

Date : 15-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 5th March 1975

No. C.R. 62/2762/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of premises bearing Present New No. 140, (Former Nos. 75, 57 and 47-48) situated at 1, Main Road, Kalasipalyam Extension, Corporation Division No. 27, Bangalore-560002.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-560004 Document No. 1662/74-75 on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 9 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Noor Jehan Begum, W/O late P. Abdul Khader Saheb, No. 225, Second Stage, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferor)

- (2) (i) G. Fazlur Rahman, (ii) Shri G. Habeebur Rahman, (iii) Shri G. Khaleelur Rahman, (iv) Shri G. Ziaur Rahman, all sons of late T. Abdul Gaffar Saheb, residing at 18/24, Pattalamma Temple Street, Basavanagudi, Bangalore-560004. (Transferee)

- (3) (i) Shri Ishaq, (ii) Shri Saifuddin, C/o General Hardware and Industrial Agency House Malavalli Rama Rao Lane, Bangalore and (iii) Shri K. Muni-swamappa, Amrith Dairy.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of premises bearing present New No. 140 (former Nos. (i) 75, (ii) 57, and (iii) 47-48) situated on First Main Road, Kalasipalyam Extension, Corporation Division No. 27, Bangalore-560002.

(Site area=75'×70'=5250 Sq. ft.)

(Document No. 1662/74-75 dated 6-7-1974).

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 6th March 1975

No. C.R. 62/2735/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a Block of residential houses and also two shops bearing Municipal No. (Old 238) New Nos 159-160, (Western portion), situated at 3rd Main Road, Margosa Road, (in between 5th and 6th Crosses), Malleswaram, Bangalore-560003

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandinagar, Bangalore-560009 Document No. 1607/74-75 on 11-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—36GI/75

(1) Smt. Ahdi Lakshamma W/o Shri Sundar Raj, No. 159-160, Malleswaram, Bangalore-560003.  
(Transferor)

(2) Shri A. Srikantiah, Darinayakanapalya, Gauribidanur Taluk, Kolar District.  
(Transferee)

(3) (i) Shri Hussain Khan, (ii) Shri Lakkappa, (iii) Shri H. K. Shenoy and (iv) Shri H. S. Nanjappa.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a block of residential houses and also two shops bearing Municipal (Old No. 238) New Nos. 159-160 (Western Portion) 3rd Main Road, Margosa Road, in between 5th and 6th Crosses, Bangalore-560003. (Area=30'×55'=1650 sq. ft.)

(Document No. 1607/74-75 dated 11-7-1974).

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 6th March 1975

No. C.R. 62/2736/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing the property being a block of Residential houses and also two shops bearing Municipal (Old No. 238) situated at New No. 159-160 (Eastern portion), Margosa Road, in-between V & VI Crosses, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandinagar, Bangalore-9, Document No. 1608/74-75 on 11-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati B. S. Ahdilakshamma, No. 156-160, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferor)

(2) Shrimati H. Rajalakshamma Darinayakanapalya, Gowribidanur Taluk, Kolar Dist. (Transferee)

(3) (i) Renuka Murthy and (ii) T. P. Anantaraman. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a block of residential houses and also two shops bearing Municipal (Old No. 238) New No. 159-160, (Eastern Portion). 3rd Main Road, in between V & VI Crosses, Malleswaram, Bangalore-3.  
Area=45'×30'=1,350 sq. ft.,  
Document No. 1608/74-75/dt. 11-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-3-1975,  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gyrill Nowan Road, Sheela Helen Hill,  
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Suresh Mahindra, "The Gallop" Post Theur,  
Poona District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 14th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

No. C.R. 62/2827/74-75/Acq. (B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Broad acres stud farm, Yelahanka and 91 acres 34 guntas land situated at Avalahalli and Ramagondanahalli, Villages, Bangalore District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North, Document No. 2138 on 16-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Broad acres stud farm, Post Yelahanka and 91 acres 34 guntas situated in Avalahalli and Ramagondanahalli, Bangalore Dist., Document No. 2138/Dt. 16-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.Date : 14-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1975

Ref. No. 241/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6 on 3rd floor situated at 7B, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 11-7-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manoharlal Jadavji Padia,
2. Shri Chiranjani Jadavji Padia,
3. Shri Chandu Tejumal Prim,
4. Shri Lachmi Rughoo Malkani,
5. Shri Ramsitaldas Primlani,

All of 7B, Elgin Road, Calcutta,

(Transferor)

- (2) Shri Vishnu Ramchand Vaswani, 13/2 Free School Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the 3rd floor together with car parking space, one servant's room and 1/18th share of 7 cottahs of land and in lift stair case and pumps etc. situated at 7B, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta as per deed No. I-4135 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta,

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,  
Calcutta-16

Date : 14-3-1975.

Seal :



FORM ITNS—

(2) Shri Prokash Bajaj & Vijoy Bajaj.  
60 Vivekananda Road, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th March 1975

Ref. No. 240/Acq. R-III/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern flat 9 on the 5th floor situated at 7B, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 11-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manoharlal Jadavji Padia,
  - 2. Shri Chiranjit Jadavji Padia,
  - 3. Shri Chandu Tejmal Prim,
  - 4. Shri Lachmi Rughoobai Malkani,
  - 5. Shri Ramsitaldas Primalani,
- all of 7B, Elgin Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 on the 5th floor together with car parking space, one servant's room and 1/18 share of 7 cottahs of land in lifts stair ease, pump etc. situated at 7B, Lal Lajpat Rai Sarani, Calcutta as per deed No. I-4134 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Date : 14-3-75,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd March 1975

Ref. No. RAC. No. 133/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-970 situated at Khairatabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Hyderabad on 19-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Fareeda Banu, D/o Late A. K. Banu Khan, H. No. 6-2-970, Khairatabad, Hyderabad. 2. Turab Banu., 5-4-93, M. G. Road, Secunderabad. 3. Sayceda Banu, H. No. 48, Malakpet, Hyderabad. 4. Jameela Banu, R/o Saroonagar, Hyderabad. 5. Dilawar Banu, R/o Banjara Hills, Hyderabad. 6. Nusah Banu, D/o late A. K. Banu Kan, H. No. 6-2-970, Khairatabad, Hyderabad. 7. Badar Banu, GPA, Bashiruddin, Banu Khan, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The Sant Nirankari Mandal, (Registered) Delhi-Represented by Secretary Sri Ramsarn, R/o Sant Nirankari Colony, Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Land and Single-Storeyed building No. 6-2-970 situated at Khairatabad, Hyderabad.  
Area : 8000 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Dr. Jai Krishna Jiwari R/o Fort Road, Gwalior.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. I.A.C./ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 4 Bighas and 3 Biswas situated at Purani Chhawani in Jan Pad Block Ghali Gaon with Farm House situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 25-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre, 2. Kumar Tulaji Rao Angre, R/o Angre-ki-Goth, Lashkar,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighas and 3 Biswas situated at Purani Chhawani in Jan Pad Block, Ghatigaon with Farm House.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 20-3-1975.  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. I.A.C./ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Gram Purani Chhawani in Janpad Block Ghatigaon measuring 9 Bighas and 3 Biswas with cattle sheds situated at Gwalior in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 25-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre S/o Sardar Chandroji Rao Angre R/o Angre-Ki-Gothn, Lashkar, Gwalior. 2. Kumar Tulaji Rao S/o Sardar Sambhaji Rao R/o Angre-ki-Goth, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

- (2) Dr. (Mrs.) Gargi Tiwari W/o Dr. Balkrishna Tiwari Fort Road, Gwalior-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Gram Purani Chhawani in Jan Pad Block Ghatigaon measuring 9 Bighas and 3 Biswas with Cattle-sheds.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Parag Tiwari R/o Fort Road (Minor)  
through Dr. Balkrishna Tiwari, Gwalior.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. I.A.C./ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Gram Puram Chhawani in Janpad Block Ghatigaon measuring 11 Bighas and 1 Biswa situated at Gwalior (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre, 2. Kumar Tulaji Rao Angre, Angre-ki-Goth, Lashkar.

(Transferor)

Agricultural land situated at Gram Puram Chawani, Janpad Block, Ghatigaon measuring 11 Bighas and 1 Biswa.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Annapurna Tiwari R/o Fort Road,  
Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Gram Purani Chawni in Janpad Block Ghatigaon measuring 11 Bighas 5 Biswas situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Gwalior on 24-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre.  
2. Kumar Tulaji Rao Angre, Angre-ki-Goth,  
Lashkar,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Gram Purani Chawni in Janpad Block Ghatigaon, measuring 11 Bighas 5 Biswas.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-3-1975.  
Seal ;

FORM ITNS—

(2) Dr. Balkrishna Tiwari R/o Fort Road,  
Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Gram Purani Chawni in Janpad Block Ghatigaon measuring 4 Bighas and 8 Biswas with farm house situated at Gwalior (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre,  
2. Kumar Tulaji Rao Angre, Angre-ki-Goth,  
Lashkar.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Gram Purani Chawni in Janpad Block Ghatigaon measuring 4 Bighas and 8 Biswas with farm house.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 20-3-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 20th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Gram Purani Chawni in Janpad Block Ghatigaon measuring 5 Bighas 17 Biswas with Grainstore situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre,  
2. Kumar Tulaji Rao Angre, R/o Angre-ki-Goti,  
Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Pankaj Tiwari R/o Fort Road, Gwalior  
(Minor) through Dr. Balkrishna Tiwari  
(Gwalior). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Gram Purani Chawni Janpad Block Ghatigaon measuring 5 Bighas 17 Biswas with grainstore.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range  
Bhopal.

Date : 20-3-1975.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th March 1975

Ref. No. 242/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11 on 6th floor situated at 7B, Lala Lajpat Rai Sarnai, Calcutta situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Calcutta on 17-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manoharlal Jadavji Padia.  
2. Shri Chiranjani Jadavji Padia.  
3. Shri Chandu Tejumal Prim.  
4. Shri Lachmi Rughoob Malkani.  
5. Ramsitaldas Primlani.  
All of 7B, Elgin Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ira Mazumdar, 7B, Elgin Road, Calcutta.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the 6th floor together with car parking space, one servants room and 7 cottahs of land and in lifts, stair cases, pumps etc. situated at 7B, Lala Lajpat Rai Sarnai, Calcutta as per deed No. I-4267 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Rd. Cal-16.

Date : 14-3-75

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1975

Ref. No. AC-206/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I S. Bhattacharyya

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, Synagogue St., situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shew Kumar Karnani.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Chhater Singh Baid (ii) Jagat Singh Baid, (iii) Man Singh Baid, (iv) Tej Singh Baid, (v) Sm. Abhoy Kunwari Baid, (vi) Sm. Sohni Devi Baid, (vii) Joy Kumar Baid, (viii) Ajoy Kumar Baid, (ix) Sm. Sundari Devi Baid.

(Transferee)

- (3) (1) Central Bank of India, (2) The Calcutta Electric Corpn. Ltd (3) State Bank of Bikaner & Jaipur, (4) M. C. Bhandaria & Co. (5) Plasto Grafts Industries, (6) Joharmull Nandkishore (7) Mahdyal Sons Fabrics Pvt. Ltd. (8) Premier Oils Limited (9) Shyam Sundar Kajaria, (10) Karnani Estates Pvt. Ltd. (11) Shyam Sundar Dhanuka, (12) Ram Kishore Lohia (13) Hindustan Rice Mills, (14) Smt. Jamuna Devi, (15) Pannalal Baid Kamalsingh Baid, (16) Madhoprasad Mahabirprasad (Suppliers) Pvt. Ltd., (17) Kailash Financiers (Cal.) Pvt. Ltd. (18) Jairamdas Udyog Pvt. Ltd. (19) Dholai Tea Co. (20) J. K. Synthetics Ltd. (21) Krishna Credit Co. Pvt. Ltd. (22) Bankat Lal Kabra, (23) International Dyes & Chemicals (24) Lachhi Ram Saraogi, (25) Super Shem Corporation (26) Bharat Laminating Corpn., (27) Parekh Agencies (28) Prabhat General Agencies, (29) Bang Bros. (30) Sati Plastic Industries (31) Gunny Trading Co. (32) Kumar Pictures (33) Es. Bee Arvind & Co., (34) Saraogi Jain & Co. (35) K. K. Jain (36) Sri Ballabh Bhutra.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

30% share of the property at 4, Synagogue St. Calcutta as more particularly described in the instrument of transfer.

S. BHATTACHARYYA

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax)

Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 18-3-75.

Seal :

## FORM ITNS

- (2) Sangli Zilla Parishad Karmachari Sahakari Bhadekaru Malaki Graha Nirman Society Ltd, Sangli.  
Chairman Shri Babasaheb Dhondiram Patil.  
At Zilla Parishad Office, Sangli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 19th March 1975

Ref. No. CA/5/July/74/Miraj-I/185/74-75.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 249/1 situated at Kupawad (Miraj) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Miraj-I on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Free-hold Agricultural Land.  
At Survey No. 249/1, Village Kupawad, Tal. Miraj, Dist. Sangli.  
Area :—7 acres, 30 gunthas.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sonubai Targonda Patil,  
At Village Kupawad, Tal Miraj Dist. Sangli.  
(Transferor)

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date : 19-3-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Bhondu Mal S/o Sri Ram Gopal,  
R/o Kothi Gate, Hapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) Transferors.  
[Person in occupation of the property]

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. No. Acq/62/Hapur/74-75/3116.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1987 situated at Hapur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hapur on 19-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan Sahai and Khacheru Ss/o Sri Dattu; and, Ganga Saran and Bundu Ss/o Sri Lal, residents of Morpura, Hapur,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property, land measuring one bigha four biswas out of Khasra No. 1987 situated in village Pargana and Tehsil Hapur, transferred for apparent consideration of Rs. 32,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 19-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Vidya Wanti D/o Late Sri Ram Das,  
R/o 120/32, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 24th March 1975

Ref. No. Acq/146/KNP/74-75/3113.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 293 and new No. 71 situated at Block 'B' Industrial Development Coop. Estate Ltd., Govind Nagar, Dada Nagar, Kanpur

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 5-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pahlad Singh S/o Sri Ami Chand  
R/o 84/10, G. T. Road, Anwar Ganj, Kanpur.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing old No. 293 and new No. 71 situated at Block 'B', Industrial Development Coop. Estate Ltd., Govind Nagar, Dada Nagar, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 47,500/-, the area on which the factory is constructed measures 1200 sq. yds.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 24-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

- (2) Vandana Textiles,  
Khandak Street, Meerut,  
through Sri Shyam Lal, partner S/o Sri Jwala  
Prasad, R/o Meemood Nagar, Lisari Gate, Meerut.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) Transferors

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 12th March 1975

Ref. No. F. No. 99/Acq./Meerut/74-75/3114.—Whereas, I  
Y. KHOKHAR,

being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 3034/2 situated at Lisadi Road, inside Pilokhari  
Farm, Kasba Meerut

(and more fully described in  
the Schedule annexed hereto), has been transferred as per  
deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 3-7-1974

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the prop-  
erty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) Shri Bhopal Singh S/o Shyam Singh and Pawan  
Kumar S/o Bhopal Singh,  
R/o Pilokhari Farm, Lisari Gate, Meerut City.  
(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period expires  
later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here  
in as are defined in Chapter XVA of  
the said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2224 sq. yds. of Khasra No. 3034/2,  
situated at Lisadi Road, inside Pilokhari Farm, Kasba Meerut,  
Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 12-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sathyabhama Hanumantrao Deval, At  
Brahmanpuri, Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARAVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 24th March 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. C.A. 5/July' 74/Miraj-II/187/74-75.—Whereas, I  
H. S. Aulakh,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. R.S. No. 38/3A, situated at Mhaisal (Miraj)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Regist-  
ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Miraj-II on 22-7-1974,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act to the following per-  
sons, namely :—

## THE SCHEDULE

Freehold Agricultural land.  
R.S. No. 38/3A, at Mhaisal, Tal. Miraj, Dist. Sangli.  
Area : 4 Acres 29 gunthas.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 24-3-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI  
AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th March 1975

Ref. No. Ac-92/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/42/3, situated at Diamond Harbour Rd., New Alipore, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur Sadar on 30-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Hiron Ghosh, 16, Belvedere Estate, 8/8, Alipore Rd., Calcutta.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Nirupama Dutta Choudhury, 23A, Diamond Harbour Road, Block 'C', New Alipur, Calcutta.

(2) Smt. Uma Roy, 23, Theatre Road, Calcutta.

(3) Smt. Sachi Basu, P-670, Block 'C', New Alipore, Calcutta-53.

- (4) Smt. Shanta Guha, 4C, Balmik Street, Calcutta.  
(5) Kumari Shyamali Dutta Choudhury 23A, Diamond Harbour Road, Block 'C', New Alipur, Cal-53.  
(6) Smt. Hena Sarkar, P-36, Block 'B', New Alipur, Calcutta.  
(7) Sri Pronab Dutta Choudhury, 23, Diamond Harbour Road, Block 'C', New Alipur, Calcutta.  
(8) Smt. Purnima Dutta Choudhury, Partha Dutta Choudhury and Smt. Ruma Sen Gupta, all of 25, Diamond Harbour Road, Block 'C', Alipur, Calcutta.

(Transferee)

## \*(3) The Vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided land measuring 6.53-kottahs being premises No. 23A/42/3, Diamond Harbour Road, formerly a demarcated portion of Plot No. 42 in Block 'C' of New Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-II,  
Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 17-3-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARAVE ROAD, POONA : 411004.

Poona, the 25th March 1975

Ref. No. C.A./5/Haveli-II/July '74/190/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 156/1, A situated at Aundh (Poona), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, (Poona) on 11-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jethmal Mohanlal Khinvasara, 1120/5, Shivajinagar, Poona-30.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Sambhaji Rao Nagesh Rao Chavan,  
(2) Smt. Malatibai Sambhajirao Chavan, 61/514, Unnatnagar, No. 2, Swami Vivekananda Marg, Goregaon (West), Bombay No. 62.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold open plot at Survey No. 156/A Aundh, Poona, in the limit of the Poona Municipal Corporation.  
Area : 13000 sq. ft.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Poona.

Date : 25-3-75.

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARAVE ROAD, POONA-411004.

Poona, the 24th March 1975

Ref. No. C.A./5/July '74/Miraj-II/186/74-75.—  
Whereas, I H. S. Aulakh,  
being the competent authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
—to as the said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. 61/1,  
situated at Mhaisal (Miraj)  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Miraj-II on 24-7-1974,  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yeshwant Baburao Nalwade,  
At Mhaisal, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Mahadeo Gurulinga Teli,

- (2) (1) Shri Mahadeo Gurulinga Teli,  
At Guruwar Peth, Miraj, Dist. Sangli.

- (2) Shri-Vimal Mahadeo Kesare-mathi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold agricultural land Survey No. 66/1, at Mhaisal, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

Area : 1/2 share in 13 acres, 31 gunthas 1/3 share in well 1/2 share in pipe line, Bangalow House Cow Stable, 5 rooms godown, 3 trees of coconut, 1 tree of nirgir, 1 tree of Mango, 1/2 share in one Chicko tree, Whole share on Orange garden.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 24-3-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA KARVA ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 25th March 1975

Ref. No. C.A./Haveli-I/July 74/189/74-75.—Where, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. out of S. No. 672, Hissa No. 7, situated at Bibwewadi, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveli-I(Pn.) on 24-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

1. (1) Shri Bhalchandra Moreshwar Sathe, 713 Narayan peth, Poona.
- (2) Shri Nilkanth Damodar Sathe,
- (3) Shri Sharad Damodar Sathe,
- (4) Smt. Savitribai Damodar Sathe,
- (5) Shri Vasudeo Bhalchandra Sathe,
- (6) Shri Manohar Ramchandra Sathe,
- (7) Shri Sadanand Bhalchandra Sathe,
- (8) Shri Shashikant Bhalchandra Sathe,
- (9) Shri Satish Bhalchandra Sathe,
- (10) Smt. Suhasini Radharaman Godbole,
- (11) Smt. Nirmala Bhaskar Dixit
- (12) Smt. Suhasini Vishnu Godbole.
- (13) Smt. Malti Shrikrishna Kelkar,
- (14) Kum. Kumud Damodar Sathe,
- (15) Smt. Indirabai Bhalchandra Sathe.

(Transferor)

- (2) Smt. Vijaya Laxman Kukde,  
Prop. Maharashtra Housing Organisation,  
452, Shivajinagar, Poona-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land out of S. No. 672 Hissa No. 7, at Bibwewadi Tal. Haveli, Poona-I, within the limits of Poona Municipal Corporation, Poona—  
Area : 34081 sq. ft.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 25-3-75.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVA ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 25th March 1975

Ref. No. C.A./5/Haveli-I/July'74/188/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. out of (a) S. No. 673 (b) S. No. 672 Hissa No. 7, situated at Bidwewadi, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Haveli-I (Pn) on 24-7-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Bhalchandra Moreshwar Sathe, 713, Narayan peth, Poona.
- (2) Shri Nilkanth Damodar Sathe,
- (3) Shri Sharad Damodar Sathe,
- (4) Smt. Savitribai Damodar Sathe,
- (5) Shri Vasudeo Bhalchandra Sathe,
- (6) Shri Manohar Ramchandra Sathe,
- (7) Shri Sadanand Bhalchandra Sathe,
- (8) Shri Shashikant Bhalchandra Sathe,
- (9) Shri Satish Bhalchandra Sathe,
- (10) Smt. Suhasini Radharaman Godbole,
- (11) Smt. Nirmala Bhaskar Dixit
- (12) Smt. Suhasini Vishnu Godhole.
- (13) Smt. Malati Shrikrishna Kelkar,
- (14) Kum. Kumud Damodar Sathe,
- (15) Smt. Indirabai Bhalchandra Sathe.

(Transferor)

- (2) Lokesh Sahakari Griha Rachana Sanstha, L.I.C. Colony, Plot No. 10, Poona-9.  
Chairman: Shri Narhar Eknath Joshi, 1569, Sadashiv peth, Poona-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold land at Bibwewadi, Tal. Haveli, Poona within the Municipal Corporation Limits:

- (a) 53745 Sq. ft. out of S. No. 673.
- (b) 9678 sq. ft. out of S. No. 672 Hissa No.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Poona.

Date: 25-3-75.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Ramkali Bai W/o Seth Sita Ram, both  
R/o Mohalla Ganesh Madhiya, Jhansi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar Jain S/o Shri Sunder Lal Jain  
R/o Bazar, Guo Bazar, Jumeratl, Bhopal.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH  
BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House double storeyed at Mohalla Mangawara ward No. 21, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Seth Sita Ram S/o Seth Sattulal,  
23—36GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House—Double Storeyed at Mohalla, Mangalwara situated  
at Ward No. 21, Bhopal.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bhopal.

Date : 24-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st March 1975

No. CR. 62/2744/74-75.—Whereas, I, Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

67/1E, Lavelle Road, situated at Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1117/74-75 on 4-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sheelavathi, (2) Gunavathi, (3) Nagarathna, No. 61, Lalbagh Road, Bangalore-27.

(Transferor)

- (2) 1. Chandrakumar Gupta, No. 16/1B, Commissariat Road, Bangalore-25.
2. Shri Prem Kumar Gupta;
3. Sri Mahendra Gupta;
4. Miss Asrin Gupta, all residing at No. 5, Haji Mohasin Road, Calcutta-26,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant land bearing No. 67/1-B, situated on a new Cross Road on Lavelle Road, Bangalore. Total area of the land = 5,340 sqt.

Document No. 1117/74-75 dated 4-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. C.R. 62/2751/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

All that piece and parcel of land together with buildings thereon, being Corporation No. 12/3 situated at Milton Street (Corporation Division No. 49) Cooke Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore, Document No. 1195/74-75 on 11-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. V. Madhava Rao,  
(2) Smt. Jayalakshmi Madhava Rao,  
No. 44, Queens Mansion, 12, Park Street, Calcutta-16.  
(Transferor)
- (2) Shri R. Balaji Rao,  
No. 12/3, Milton Street, Cooke Town, Bangalore-5.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land together with buildings thereon, bearing Corporation No. 12/3, Milton Street, Cooke Town, Bangalore-5 (Corporation Division No. 49) (Formerly known as Plot No. 32).

## Measuring

East : (Property No. 13, Milton street) : 128'  
West : (Property No. 12/2—Vacant site) : 130'  
North : (Property facing Da Casta square) : 60'  
South : (Milton Street) : 60'  
(Document No. 1195/74-75 dated 11-7-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-3-1975.  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th March 1975

No. C.R. 62/2766/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing the property being a residential house bearing No. 803 situated at V Block, Rajajinagar, Bangalore-560010 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore-560010, Document No. 2254/74-75 on 20-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. S. Doreswamy, S/o K. Subba Rao, Principal, Associated Institute of Commerce, Krishna Building, Avenue Road, Bangalore-560099.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri G. A. Nagaraja Setty, 2. G. A. Nataraj, 3. Smt. G. Saraswathamma, 4. G. Thyagaraj and 5. Shri G. A. Ramesh Babu, 803, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10.  
(Transferor)
- (3) 1. Shri Pampapati,  
Prop. Mahadeshwar Industries,  
2. Gopal.  
[Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a residential house bearing No. 803, V Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.  
Site area : 60'×39' = 2340 sq. ft.  
(Document No. 2254/74-75 dated 20-7-1974)

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-3-1975.

Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st March 1975

No. CR.62/2796/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 149, situated at VI Cross, Azadnagar, Bangalore-18, Corporation Division No. 24, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 2016 on 31-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) B. Lakkanna S/o Late Erappa, No. 149, VI Cross, Azadnagar, Bangalore-18.

(Transferor)

- (2) S. Seshadri, S/o Late S. Subramanya Ayangar, No. 46, V Cross, Malleswaram, Bangalore-3.  
(Transferee)

- (3) 1. Ramanna; (2) Gundappa; (3) Lokanath; (4) Ananda; (5) Anjaneya Setty; (6) Gowda; (7) Muni; (8) Kaliramiah; (9) Madaiah; (10) Ramanna; (11) Madappa; (12) Nagaraj; (13) M. V. Swami; (14) R. Mani.

[Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 149, VI Cross, Azadnagar, Bangalore-18, Corporation No. 24.

*Boundaries*

East : House of Laxmiah.  
West : House of Ramaswamy.  
North : VI Cross Road.  
South : Conservancy.

Three storied structure on site area East to West 40' North to South 60'=2400 sq. ft.

Document No. 2016 dated 31-7-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th March 1975

No. C.R.62/2808/74-75/Acq.(B)—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

All that piece and parcel of building premises bearing No. 11, situated at 3rd main road, V Block, Kumara Park West Extension, Bangalore-20, with vacant space within the compound walls constructed on site bearing No. 9A, V Block, Kumara Park West, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 1749/74-75 on 20-1-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. N. A. Narayanaswamy,  
Prof. of Surgery, Vice Dean,  
Karnataka Medical College, Hubli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Moolchand Kewalram, 2. Smt. Kaushalya-bai W/O Shri Moolchand, 3. Shri Manoharlal, (4) Shri Ashok Kumar, 5. Shri Suresh Kumar, 6. Shri Prakash, 7. Shri Vijay Kumar & 8. Smt. Rakha, W/o Shri Manoharlal, No. 11, III Main Road, V Block, Kumara Park West Extension, Bangalore-2.

(Transferee)

\*(3) 1. Rajasthan Commercials,  
2. Deekaytron Industries,  
represented by Shri Suraj Kumar.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of building premises bearing No. 11, III Main Road, V Block, Kumara Park West, with vacant space within the compound walls constructed on site bearing No. 9-A, V Block, Kumara Park West, Bangalore, bounded on—

East by site No. 10-A,  
West by III Main Road,  
North by Cross Road,  
South by Site No. 9

measuring East to West 52'

North to South 40' + 39'

Site area  
2054 sq. ft.

(Document No. 1749/74-75 dated 20-7-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 18-3-1975.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. C.R. 62/2838/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One fourth share in Mill building consisting of Two acres bearing Municipal 2001 and Sy. No. 130 and 113/21, Gangannapalyam Road, Bangarpet town along with machinery etc., situated at Bangarpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangarpet, Kolar Dist. (Document No. 2906/74-75) on 25th July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) 1. Shri T. K. R. Subramanya Gounder, s/o late T. K. Rangaswamy Gounder, Merchant and landholder in Thirapathur town, North Arcot District, Tamilnadu, 2. Shri T. R. Ekambaram s/o Shri T. K. Rangaswamy Gounder, Mill owner and Merchant, Bangarpet Town, Bangarpet.
  3. Shri T. R. Thangavelu s/o Shri T. K. Rangaswamy Bounder, Bangarpet town, Bangarpet.
  4. Smt. T. N. Meenakshammal, Widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.
  5. Smt. Gunasekar.
  6. Smt. Loganathan.
  7. Miss Geetha.
  8. Miss Tamilselvi.
- (Minors represented by natural guardian Smt. T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.)

(Transferor)

- (2) Shri Thumsi Rathnaiah Setty. S/o Thumsi Rangaiah Setty, Merchant and land holder, Chitnahalli, Sugatoor Hobly, Kolar Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One fourth share in all the building and godowns Main Mill Building, Varandhas consisting of Mangalore tiled and Terracing (Terraced) roofing, with stone slabs compound wall etc., complete styled as Sri Ganesh Rice and Oil Mills, situate to the Southern side of the road leading to Gangannapalyam, Bangarpet town, Bangarpet Kolar District bearing Survey No. 130 and 113/21 measuring two acres, alienated under the Aln. No. 14/67-68 dated 12-5-1968 and bearing Municipal kathe No. 2001 and Door No. 1572 with all machineries like Shuller, separator, Riddle Decorticator, Huller 30. HP. Motor AEI GK 5628 Make, Starters, Fan Blowers, Switches, Telephone connection with deposit covered under B.P. No. 123 and 138 etc., complete and the same is bounded on the east by: Hyder Bi's land, west by: Murgan Mill Building, north by: Road leading to Gangannapalya and on the south by: Police Quarters with all easementary rights attached thereto

The property sold under this document includes all relative licenses, permits etc., Huller License etc., and also deposits in this behalf and may be got transferred in favour of the purchaser and the vendors have no objection for the same.

Document No. 2906/74-75 dt. 25-7-74.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-3-1975.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. CR. 62/2839/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One fourth share in Mill building consisting of two acres bearing Municipal 2001 and sy. No. 130 and 113/21, Gangamma Palyam road, Bangarpet town along with machinery etc., situated at Bangarpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangarpet, Kolar Dist. Document No. 2907/74-75 on 25th July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri T. K. R. Subramanya Gounder, s/o late T. K. Rangaswamy Gounder, Merchant and landholder in Thirapathur town, North Arcot District, Tamilnadu, 2. Shri T. R. Ekambaram s/o Shri T. K. Rangaswamy Gounder, Mill owner and Merchant, Bangarpet Town, Bangarpet, 3. Shri T. R. Thangavelu s/o Shri T. K. Rangaswamy Gounder, Bangarpet town, Bangarpet, 4. Smt. T. N. Meenakshammal, Widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet, 5. Smt. Gunasekar, 6. Smt. Loganathan, 7. Miss Geetha, 8. Miss Tamilselvi, (Minors represented by natural guardian Smt. T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.)

(Transferor)

- (2) Shri M. P. Nanjundah Setty S/o Papaiah Setty, Locheruvapalli, (valagerhalli) Srinivasapur Taluk, Kolar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One fourth share in all the building and godowns Main Mill Building, Varandhas consisting of Mangalore tiled and Terracing (Terraced) roofing with stone slabs compound wall etc., complete styled as Sri Ganesh Rice and Oil Mills, situate to the Southern side of the road leading to Gangammampalyam, Bangarpet town, Bangarpet Kolar District bearing Survey No. 130 and 113/21 measuring two acres, alienated under the Aln. No. 14/67-68 dated 12-5-1968 and bearing Municipal kathe No. 2001 and Door No. 1572 with all machineries like Shuller, separator Riddle decorticator Huller, 30 HP Motor AEI GK 5628 Make, Starters, Fan Blowers, Switches, Telephone connection with deposit covered under B.P. No. 123 and 138 etc., complete and the same is bounded on the east by : Hyder Bi's land, west by : Murgan Mill Building, north by : Road leading to Gangammampalya and on the south by : Police Quarters with all easementary rights attached thereto.

The property sold under this document includes all relative licenses, permits etc., Huller License etc., and also deposits in this behalf and may be got transferred in favour of the purchaser and the vendors have no objection for the same.

Document No. 2907/74-75 dt. 25-7-74.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. CR. 62/2840/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One fourth share in Mill building consisting of TWO ACRES bearing Municipal 2001 and Sy. No. 130 and 113/21, Gangammalayam road, Bangarpet, town along with machinery etc., situated at Bangarpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangarpet, Kolar Dist. Document No. 2908/74-75 on 25th July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—36GI/75

- (1) 1 Shri T. K. R. Subramanya Gounder, s/o late T. K. Rangaswamy Gounder, Merchant and land holder in Thirapathur town, North Arcot District, Tamilnadu.
  2. Shri T. R. Ekambaram s/o T. K. Rangaswamy Gounder, Mill owner and merchant, Bangarpet town, Bangarpet.
  3. Shri T. R. Thangavelu s/o Shri T. K. Rangaswamy Gounder, Bangarpet town, Bangarpet.
  4. Shri T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.
  5. Smt. Gunasekar.
  6. Smt. Loganathan.
  7. Miss Geetha.
  8. Miss Tamilselvi.
- (Minors represented by natural guardian, Smt. T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.).

(Transferor)

- (2) Shri G. Srinivasaiah Setty, S/o Gopalalah Setty, Land holder, Lochevuvapalli (Valager nahalli) Srinivasapur Taluk, Kolar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Fourth share in all building and premises like godowns, Main Mill Building, varandhas, consisting of Mangalore tiled and terracing roofing, with stones slabs compound wall etc., complete styled as Sri Ganesh Rice and Oil Mills, situate to the southern side of Road leading to Gangammalayam, Bangarpet Town, Bangarpet, Kolar District, bearing survey No. 130 and 113/21 measuring 2-00 acres (Two Acres) alienated under aln. No. 14 of 1967-68 dated; 12-5-1968 and bearing Municipal kathe No. 2001 and Door No. 1572 with all machineries, like Shuller, separator, Riddle, Decorticator, Huller 30-H.P. Motor AEI GK 5628 Make, starters, Fan Blowers, Switches Telephone connections with deposit bearing Phone No 175 with all machineries, fixtures and fittings, electric connection with deposit covered under B.P. 123 and 138 etc., complete and the same is bounded on the east by: Hyder bi's land, West by: Murgan Mill Building, North by: Road leading to Gangammalayam and on the south by: Police quarters, with all easementary right attached thereto.

The property sold under this document includes all relative licenses, permits, i.e. Huller licence etc., and also deposits in this behalf and may be got transferred in favour of the purchaser and the Vendors have no objection for the same.

Document No. 2908/74-75 dt 25-7-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. CR. 62/2840/A/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One fourth share in Mill building consisting of TWO ACRES bearing Municipal 2001 and Sy. No. 130 and 113/21, Gangammalayam road, Bangarpet town along with machinery etc., situated at Bangarpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangarpet, Kolar Dist. Document No. 2905/74-75 on 25th July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri T. K. R. Subramanya Gounder, s/o late T. K. Rangaswamy Gounder, Merchant and land-holder in Thirapathur town, North Arcot District, Tamilnadu.
  2. Shri T. R. Ekambaram s/o T. K. Rangaswamy Gounder, Mill owner and merchant, Bangarpet town, Bangarpet.
  3. Shri T. R. Thangavelu s/o Shri T. K. Rangaswamy Gounder, Bangarpet town, Bangarpet.
  4. Smt. T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.
  5. Smt. Gunasekar.
  6. Smt. Loganathan.
  7. Miss Geetha.
  8. Miss Tamilselvi.
- (Minors represented by natural guardian, Smt. T. N. Meenakshammal widow of T. R. Nandagopal, Bangarpet town, Bangarpet.)
- (Transferor)
- (2) 1. P. L. Vijayakumar, s/o Laxminarayana Setty,
  2. P. R. Padmanabhaiah Setty, s/o P. S. Ramaiah Setty, Hanuman Buildings, G. T. Street, Kolar Town.
- (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Fourth share in all building and premises like godowns, Main Mill Building, varandhas, consisting of Mangalore tiled and terracing roofing, with stones slabs compound wall etc., complete styled as Sri Ganesh Rice and Oil Mills, situate to the southern side of Road leading to Gangammalayam, Bangarpet Town, Bangarpet, Kolar District, bearing survey No. 130 and 113/21 measuring 2-00 acres (Two Acres) alienated under aln. No. 14 of 1967-68 dated; 12-5-1968 and bearing Municipal kathe No. 2001 and Door No. 1572 with all machineries, like Shuller, separator, Riddle, Decorticator, Huller 30-H.P. Motor AEI GK 5628 Make, starters, Fan Blowers, Switches Telephone connections with deposit bearing Phone No. 175 with all deposit covered under B.P. 123 and 138 etc., complete and the same is bounded on the east by : Hyder bi's land, West by : Murgan Mill Building, North by : Road leading to Gangammalayam and on the south by : Police quarters, with all easementary right attached thereto.

The property sold under this document includes all relative licenses, permits, i.e. Huller licence etc., and also deposits in this behalf and may be got transferred in favour of the purchaser and the Vendors have no objection for the same.

Document No. 2905/74-75 dt. 25-7-74.

**R. KRISHNAMOORTHY,**

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-3-1975,

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 18th March 1975

No C.R. 62/2939/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 80 (old Nos. 65, 66 & 72), situated at South End Road, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 2485 on 28-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Sridhar S/o Late K. Srinivasan, 2. Shri Kishore S/o S. Sridhar, minor by guardian By P.A. Holder Smt. Jayalakshmi Srinivasan, No. 12, XII Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.  
(Transferor)

- (2) 1. Shri K. R. Gopalakrishna Setty,  
2. K. R. Panduranga Setty,  
No. 80, South End Road, Bangalore-4  
(Transferee)

- \*(3) 1. M. S. Seshagiri Rao, Founder, Director of Kamala Nehru Makkala Mandira, South End Road, Bangalore-4,

2. Mukund S/o Late K. Srinivasan,  
No. 12, XII Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing New No. 80 (old Nos. 65, 66 & 72) situated on South End Road, Bangalore-4 and bounded as under :

North : Conservancy Lane

South : 100 ft. road.

East : Portion of property No. 80.

West : Private property.

Site Area East to West 68'×North to South 100' = 6800 sq.ft. Two storeyed building with local plinth of 34 square and a garage.

Doc. No. 2484 dated 28-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th March 1975

No. CR.62/2940/74-75.—Whereas, I, R. Krishna moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 80 (old Nos 65, 66 & 72), South End Road, situated at Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 2485 on 28-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri S. Sridhar, S/o Late K. Srinivasan, 2. Shri Kishore S/o S. Sridhar, minor by guardian By P.A. Holder Smt. Jayalakshmi Srinivasan, No. 12, XII Cross, Wilson Garden, Bangalore-27. (Transferor)
- (2) 1. Shri K. R. Gopalakrishna Setty.
- (2) S. Ramakrishna Adiga, Prop. Vidyarthi Bhavan, Gandhi Bazar, Bangalore-4. (Transferee)
- \* (4) 1. M. S. Seshagiri Rao, Founder, Director of Kamala Nehru Makkala Mandira South End Road, Bangalore-4.
2. Mukund S/o Late K. Srinivasan, No. 12, XII Cross, Wilson Garden Bangalore-27. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site bearing New No. 80 (old Nos. 65, 66 & 72) situated on South End Road, Bangalore-4 and bounded as under :

North : Conservancy Lane.  
South : 100 ft. road.  
East : Private property.  
West : Portion of property No. 80.

Site Area East to West 52' × North to South 100' = 5200 sq.ft.

Doc. No. 2485 dated 28-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-3-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st March 1975

No. CR. 62/2833/74-75.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 54-E situated at Newly formed road connecting Lalbagh Road and Kengal Hanumanthiah Road, Khader Sheriff Gardens, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 2107 on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Gita Chamaria, No. 44/5, Race Course Road, Bangalore-1.  
2. Shri K. R. Ramakrishna, No. 464, IV Block, I Main, Jayanagar, Bangalore-11.  
Represented by the partners of play pack industries.  
(Transferor)
- (2) Shri Amritlal Sethi, C/o A. L. Sethi & Co., No. 164, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site bearing Municipal No. 54/E, situated in Newly formed road connecting Lalbagh Road and Kengal Hanumanthiah Road, Khader Sheriff Gardens, Bangalore-27.

Corporation Division No. 38.

Site measurement  $45' \times 96' + 93' = 4252$  sft.

Document No. 2107 dated 5-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 18th March 1975

Ref. No. A-80/JRT/74-75/4561-68.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 5037, P.P. No 324 and Dag No. 5035 P.P. No. 322 situated at Jorhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 10-6-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Tarini Kishore Roy, Kamar Bandha Ali, Jorhat.  
(Transferor)
- (2) Shri Sailen Krishna Paul & Others, Mithapukuri par, Jorhat.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2(Two) Katta 18 (Eighteen) Lechas Covered by P.P. No. 324, Dag No. 5037 and P.P. No. 322 Dag No. 5035 situated at Jorhat in Sibsagar District of Assam State.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-3-75

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE

I.F.S. 'B' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE  
EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 26th April 1975

No. F.16/1/74-E.I.(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 16/1/74-E.I.(B), dated 22nd June, 1974, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated 22nd June 1974, the following amendments shall be made:—

(i) Para 1 of the Notice should read as under :—

"A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Integrated Grade II and III of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' will be held by the Union Public Service Commission commencing on the 9th September, 1975 at DELHI & at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Ministry of External Affairs in the Gazette of India, dated 29th June, 1974 as amended by their Notification in the Gazette of India, dated 26th April, 1975.

"THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 9)".

(ii) For the figures and words '19th August, 1974' and '2nd September, 1974' occurring in para 4 of the Notice, the figures and words "2nd June, 1975" and "16th June, 1975" respectively shall be substituted.

(iii) For the figures and words "19th August, 1974" occurring in 3rd sub-para of para 2(ii) of Annexure II to the Notice, the figures and words "2nd June, 1975" shall be substituted.

(iv) For the word and figure 'MAY 1975' occurring in line 15 of Note below 3 of Annexure II to the Notice the word the figure 'FEBRUARY, 1976' shall be substituted.

**CORRIGENDUM**

No. F. 2/5/74-E.I.(B).—In the Union Public Service Commission's Notice of even number relating to the Engineering Services Examination, 1975, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated 1st February, 1975 :

(1) The following words shall be added on the top of the word 'Notice'—

'UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION'

(2) for the figure "118" occurring in line 3 of para 3 of the Notice, read '18'

(3) for the word 'Annexure' occurring in the last line of para 8 of the Notice, read 'Annexure I'

(4) for the words and figures '....after 1st June, 1973' occurring in line 7 of para 2 of Annexure I to the Notice, read '....after 1st June, 1963'

(5) for the words and figure 'para 3 of the Notice' occurring in line 4 of para 1 of Annexure II to the Notice, read 'para 5 of the Notice'.

B. S. JOLLY  
Under Secretary,  
Union Public Service Commission

